नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

tokgj yky ug# ekx] ubZ fnYyh & 110002
njHkk"k% tkudkjh % 23234270] dk;kZy; % 23239056 QDl % 23210549
bZey : ndtb@yahoo.com, stdcdl@rntcp.org
oSclkbV % www.ndtbc.com

वार्षिक रिपोर्ट

2020-2021

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

Facilities at NDTB Centre

OPD Services

BSL Lab

Covid-19 Testing

Tuberculin Testing

Radiological Examination

डॉ मनसुख मंडाविया
DR. MANSUKH MANDAVIYA
माननीय केंद्रीय मंत्री
Hon'ble Union Minister
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
Ministry of Health & Family Welfare

डॉ भारती प्रवीण पवार
DR. BHARATI PRAVIN PAWAR
माननीय राज्य मंत्री
HON'BLE MINISTER OF STATE
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
Ministry of Health & Family Welfare

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

वार्षिक रिपोर्ट
2020–2021

जवाहर लाल नेहरु मार्ग
नई दिल्ली – 110002

विषय सूची
वार्षिक रिपोर्ट
2020–2021

	पृ॰सं॰
अध्यक्षीय संदेश	3
निदेशक की कलम से	4
एनडीटीबी के इतिहास में महत्त्वपूर्ण घटनाएं	6
प्रबंधन समिति	7
वैज्ञानिक सलाहकार समिति	8
नैतिक समिति	9
वरिष्ठ कर्मचारीगण	10
अनुसंधान एवं प्रकाशन	11
वैज्ञानिक कार्यक्रमों मे भागीदारी	21
बैठकें	32
प्रशिक्षण एवं पर्यवेक्षण अनुभाग	33
बहिर रोगी विभाग	53
जनपादिक अनुभाग	55
जन स्वास्थ्य अनुभाग	57
माइकोबैक्टीरियल प्रयोगशाला	61
निरीक्षणात्मक कार्य	71
पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं	73
प्राशासनिक अनुभाग	73
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की गतिविधियों का सार	75
लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	

अध्यक्षीय संदेश

1940 में अपने प्रादुर्भाव के समय से नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एनडीटीबीसी) की यात्रा शानदार रही है और उन्नति करते हुए इसने वर्तमान ऊंचाई हासिल की है। वर्तमान में यह राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में से एक है जो क्षय तथा अन्य श्वसन रोगों के रोगियों की सेवा कर रहा है। इस संस्थान के साथ जुड़ना मेरे लिए अत्यंत हर्ष और संतोष का विषय है।

कोविड–19 की वैश्विक महामारी के दौरान केन्द्र की प्रयोगशाला को आईसीएमआर स्वीकृत कोविड–19 परीक्षण प्रयोगशाला के रूप में अभिनामित किया गया था। केन्द्र की प्रयोगशाला ने दिल्ली सरकार के अभिनामित औषधालयों द्वारा रेफर किए गए रोगियों के लिए सीबीएनएएटी और ट्रूनेट पर कोविड–19 परीक्षण की सुविधा प्रदान की। प्रयोगशाला के संकाय ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और तकनीशियनों को प्रशिक्षण भी दिया। इसके अतिरिक्त केन्द्र के संकाय ने दिल्ली सरकार के समन्वयकों के निकट सहयोग से निर्दिष्ट की गई प्रयोगशालाओं का निरीक्षण और मॉनीटरिंग भी की।

क्षयरोग के क्षेत्र में इसकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षण और कार्यक्रम क्रियान्वयन को पहचानते हुए केन्द्र को एनटीईपी गतिविधियो को मॉनीटर करने के लिए एनटीईपी के अंतर्गत दिल्ली राज्य के लिए राज्य क्षयरोग प्रशिक्षण एवं निरूपण (एसटीडीसी) केन्द्र तथा इंटरमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला (आईआरएल) और दिल्ली राज्य के अभिनामित माइक्रोस्कोपिक केन्द्र के तौर पर नियुक्त किया गया।

जनसामान्य और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं द्वारा क्षयरोगों की सूचना को बढ़ावा देने के लिए संस्थान राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ को आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। एनटीईपी के अंतर्गत सक्रिय मामले ज्ञात करना (एसीएफ) एक नीतिगत राष्ट्रीय कार्यकलाप है जिसके लिए संस्थान राज्य के साझीदार के रूप में सक्रिय भागीदारी कर रहा है।

मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और कामना करता हूं कि संस्थान क्षयरोगियों को गुणतापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए अधिक से अधिक विकास करे, विविधतापूर्ण हो और प्रगति करे। मैं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग और दिल्ली सरकार का नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की सहायता के लिए धन्यवाद करता हूं। केन्द्र को एक राष्ट्रीय स्तर के संस्थान के रूप में निर्मित करने के लिए प्रबुद्ध संकाय, तकनीकी स्टाफ और कर्मचारियों का निरंतर सहयोग और प्रयास प्रशंसनीय है। मैं इसके उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

डा एल एस चौहान
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र ने क्षयरोग नियंत्रण गतिविधियों के क्षेत्र में 81 वर्षो की शानदार यात्रा पूरी की है। केन्द्र न केवल क्षय और श्वसन रोगियों की देखभाल कर रहा है बल्कि टीबी उन्मूलन के कार्यो में भी योगदान दे रहा है। संस्थान यह काम त्वरित निदान में प्रयोगशाला सहायता और अनुसंधान के रूप मे ंकर रहा है जिसमें क्षयरोग के नियंत्रण में मूल और प्रचालन कार्य दोनों शामिल है। दिल्ली राज्य में एनटीईपी सेवाओं को क्रियान्वित करने के लिए संस्थान मॉनीटरिंग और पर्यवेक्षण सहायता भी प्रदान कर रहा है।

कोविड–19 की वैश्विक महामारी के दौरान केन्द्र ने दिल्ली राज्य में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में प्रशिक्षण तथा पर्यवेक्षण सहायता भी प्रदान की। टीबी के मरीज डॉट केन्द्र नहीं जा पाते इसलिए केन्द्र ने रोगियों को अनुपालन सहायता प्रदान की। इसके लिए केन्द्र ने रोगियों को टेलीफोन पर परामर्श दिया और भारत के किसी भी हिस्से में रहने वाले रोगियों को क्षयरोग रोधक दवाएं दी। इस वर्ष केन्द्र की ओपीडी में कुल 5535 रोगी आए और कुल 18565 रोगियों ने प्रयोगशाला सेवाओं का लाभ उठाया।

केन्द का नैदानिक अनुभाग क्षयरोगियों और श्वसन रोगियों को नैदानिक और उपचार सेवाएं दे रहा है। दिल्ली के सभी हिस्सों और आसपास के राज्यों से रोगियों को रेफर किया जाता है। इस वर्ष अनुभाग में नई एक्सरे मशीन लाई गई जो कि ओपीडी में रेडियोलॉजिकल सहायता देने और सक्रिय मामलों का पता लगाने में सहायक होगी।

केन्द्र की प्रयोगशाला में माइक्रोस्कोपी से लेकर संपूर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग की सभी नैदानिक सुविधाएं हैं। इस वर्ष 52,000 से अधिक जांच की गई। इसके अतिरिक्त प्रयोगशाला सुविधाओं का उपयोग अध्यापन तथा मेडिकल व पैरामेडिकल प्रशिक्षण देने के लिए भी किया गया। कई अनुसंधान परियोजनाएं भी संचालित की गई। इस वर्ष प्रयोगशाला में कोविड–19 जांच भी शुरू की गई। प्रयोगशाला ने न केवल कोविड–19 मामलों के लिए नैदानिक सुविधा प्रदान की अपितु कोविड–19 के निदान की सुविधा स्थापित करने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और तकनीशियनों को प्रशिक्षण भी दिया। हमारी प्रयोगशाला के संकाय ने प्रयोगशाला के नवीकरण में कार्यगत प्रयासों का पर्यवेक्षण भी किया ताकि बढ़े हुए कार्यभार में उनकी सहायता की जा सके।

केन्द्र के प्रशिक्षण विभाग ने वर्ष के दौरान 3520 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण एवं कार्यक्रम समीक्षा प्रयोजनों के लिए ईसीएचओ प्लेटफार्म का भी प्रयोग किया गया। ई–मॉड्यूल और ईको प्लेटफार्म का नियमित प्रयोग करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि प्रशिक्षण तथा समीक्षा सत्रों में व्यक्तिगत तौर पर भाग लेने में लगने वाले समय और पीओएल खर्च को कम किया जा सके। कोविड–19 के कारण अधिकांश प्रशिक्षण सत्र विर्चुल माध्यम से किए गए।

केन्द्र का संकाय क्लीनिकल बैक्टियोलॉजिकल और कार्यक्रम से संबद्ध पक्षों के अनुसंधान में सक्रिय है। वर्ष के दौरान जर्नल में 21 पेपर प्रकाशित किए गए और 2 पेपर प्रकाशन के लिए सम्प्रेषित किए गए।

मैं वित्तीय सहायता के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और सेन्ट्रल टीबी डिवीजन का आभारी हूं। मैं नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में बुनियादी ढांचे को सशक्त करने में अपना अमूल्य सहयोग और सहायता प्रदान करने के लिए प्रबंध समिति के सभी सदस्यों और राज्य क्षयरोग नियंत्रण अधिकारी दिल्ली राज्य के प्रति कृतज्ञ हूं। अपने प्रारंभिक समय से केन्द्र की गतिविधियों को बेहतर करने में सहायता और मागदर्शन देने के लिए मैं टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया का धन्यवाद करता हूं।

डा. के. के. चोपड़ा
निदेशक

एनडीटीबी के इतिहास में महत्त्वपूर्ण घटनाएं

- टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और भारत सरकार के बीच करार द्वारा एक मॉडल क्लीनिक के रूप में 1940 में स्थापना। इसके प्रादुर्भाव के समय से ही इसके प्रचालन कार्य में सहायता के लिए भारत सरकार अनुदान दे रही है।
- 1951 में इसे प्रथम क्षयरोग निरूपण एवं प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में उन्नत किया गया।
- 1966 में संस्थान क्षयरोगियों के लिए रेफरल संस्थान बना।
- समुदाय में क्षयरोग की व्याप्तता के आकलन के लिए केन्द्र 1955–58 तक आईसीएमआर परियोजना का हिस्सा रहा।
- केन्द्र ने सुनियोजित गृह उपचार (ओएचटी) की अवधारणा का मार्ग प्रशस्त किया जिसे बाद में क्षयरोग के लिए आवासीय उपचार के रूप में राष्ट्रीय तपेदिक कार्यक्रम (एनटीपी) में सम्मिलित किया गया।
- 1962–92 की 30 वर्ष की अवधि के दौरान केन्द्र के अधिवासीय क्षेत्र में आठ अधोमुखी रोग व्याप्तता सर्वेक्षण किए गए जिससे समुदाय में क्षयरोग का प्राकृतिक इतिहास और प्रवृत्तियां गहनता से सामने आई और इससे राष्ट्रीय स्तर पर क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए महत्तवपूर्ण जानकारी मिली।
- 1966 में एनडीटीबीसी देश के पांच उत्तरी राज्यों के क्षयरोगियों के लिए रेफरल केन्द्र बना।
- 80 के दशक के दौरान बहु–केन्द्रीय अल्पाकालिक कीमोथेरेपी (एससीसी) ट्रायल का हिस्सा बना जिससे राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत एससीसी का औपचारिक अंगीकरण हुआ।
- 1992 में दिल्ली और उत्तर भारत में आरंभिक एवं अर्जित दवा प्रतिरोधकता का प्रसार जो कि दवा प्रतिरोधक क्षयरोग (डीआर–टीबी) के उपचार के लिए नीति बनाने में सहायक बना।
- 1998 में केन्द्र की छत्रछाया में डॉट एवं माइक्रोस्कोपिक केन्द्रों की स्थापना के साथ एनडीटीबीसी ने 4 लाख जनसंख्या में आरएनटीसीपी की डॉट रणनीति का क्रियान्वयन प्रारंभ किया।
- 2005 में इसे राज्य क्षयरोग प्रशिक्षण एवं निरूपण केन्द्र के तौर पर उन्नत किया गया जिसमें इसे क्षयरोग और श्वसन रोगों के रेफरल क्लीनिक के साथ दिल्ली के पूरे स्टाफ को प्रशिक्षण देने तथा इंटरमीडिएट रेफरल प्रयोगशाला के लिए यथा संशोधित नैदानिक सेवाएं देने का दायित्व दिया गया और यह 2008 में एमडीआर मामलों के शुरूआती निदान के लिए एमजीआईटी को जोड़े जाने पर बायोसेफ्टी लेवल–3 बना। इस आईआरएल को 2013 में केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग द्वारा फर्स्ट लाइन प्रोब एसे और 2014 में एलपीए सेकंड लाइन एलपीए के लिए प्रमाणित किया गया। इसके अतिरिक्त 2018 में जीन सिक्वेंसर को शामिल किया गया। 2018 में प्रयोगशाला को एनएबीएल से मान्यता मिली।
- हाल ही में एनडीटीबीसी को lllunince Miseq bench top सीक्वेंसर प्रणाली से युक्त किया गया है और इसे एनटीईपी के अंतर्गत पांच समग्र जीनोम सिक्वेंसिग सुविधाओं में से एक सुविधा के रूप में विकसित किया गया है।
- 2020 में कोविड–19 परीक्षण और सरकार तथा निजी माइक्रोबायोलाजिस्ट एवं तकनीशियनों का प्रशिक्षण आरंभ।
- केन्द्र सक्रिय रूप से एनटीईपी गतिविधियों की मॉनीटरिंग करता रहा है।
- इसने राष्ट्रीय स्तर पर क्षयरोग नियंत्रण नीतियों को प्रभावित करने वाले महत्तवपूर्ण अनुसंधान प्रकाशन दिए हैं।

प्रबंधन समिति

उपाध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ	अध्यक्ष
मानद कोषाध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ	वित्तीय सलाहाकार
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहाकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्राालय	सदस्य
संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्राालय	सदस्य
उप महानिदेशक (क्षयरोग) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्राालय	सदस्य
निदेशक क्षय एवं श्वसन का राष्ट्रीय संस्थान	सदस्य
निदेशक स्वास्थ्य सेवायें (दिल्ली) स्वास्थ्य सेवा निदेशालय – दिल्ली प्रशासन	सदस्य
निदेशक वल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान	सदस्य
निदेशक सेवाएं नई दिल्ली नगरपालिका परिषद	सदस्य
महासचिव भारतीय क्षयरोग संघ	सदस्य
अवैतनिक महासचिव दिल्ली क्षयरोग संघ	सदस्य
निदेशक रेलवे मंत्रालय	सदस्य
निदेशक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

वैज्ञानिक सलाहकार समिति

डा. एल एस चौहान अध्यक्ष नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	अध्यक्ष
डा. अशवनी खन्ना राज्य क्षयरोग अधिकारी दिल्ली राज्य	सदस्य
प्रो. राज कुमार निदेशक बल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान	सदस्य
डा. वरिन्द्रर सिंह प्राध्यापक बाल चिकित्सा कलावती अस्पताल लेडी हार्डिंग मेंडिकल कालेज	सदस्य
डा. एम. हनीफ के. एम. जीवाणु वैज्ञानिक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. निशि अग्रवाल सांख्यिकीविद् नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. . के. के. चोपड़ा निदेशक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

नैतिक समिति

प्रो नन्दनी शर्मा निदेशक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा विभाग मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज	अध्यक्ष
डा. विशाल खन्ना छाती विशेशज्ञ एवं जिला क्षयरोग अधिकारी लोक नायक अस्पताल	सदस्य
श्री सी पी बवेजा प्रोफेसर मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज	सदस्य
डा. एम. हनीफ के. एम. जीवाणु वैज्ञानिक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. राजेश कुमार प्रोफेसर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज	सदस्य
श्री टी एस आलूवालिया महासचिव भारतीय क्षयरोग संघ	सदस्य
श्री. सवेताकेतु मिश्रा वकील	सदस्य
डा. निशि अग्रवाल सांख्यिकीविद्, नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
श्री. सीरी कुमार पिल्लई दिल्ली क्षयरोग संघ	सदस्य
श्री. वेद प्रकाश समुदाय व्यक्ति	सदस्य
डा. शंकर माटा जानपादिकरोगविभागी नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

वरिष्ठ कर्मचारीगण

डा. के. के. चोपड़ा ए.बी.बी.एस., एम.डी., डी.टी.सी.ई.	निदेशक
डा. संजय राजपाल एम.बी.बी.एस., डी.टी.सी.डी., एफ.एन.सी.सी.पी.	छाती विशेषज्ञ
डा. महमूद हनीफ पी.एच.डी.	जीवाणु वैज्ञानिक
डा. (श्रीमति) निशि अग्रवाल पी.एच.डी.	सांख्यिकीविद्
डा. शंकर माटा एम.बी.बी.एस., एम.डी.	जानपादिकरोगविभागी
डा. शिवानी पवार एम.बी.बी.एस., डी.टी.सी.डी.	चिकित्सा अधिकारी
श्री. एस के सैनी स्नातक, एआईसीडब्लयूए	प्रशासनिक अधिकारी

अनुसंधान और प्रकाशन

(क) प्रकाशित अनुसंधान पेपर

वर्ष 2020–21 में केन्द्र के संकाय (फैकल्टी) ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जनरलों में निम्नलिखित अनुसंधान पेपर प्रकाशित किए अथवा जमा किये गये ।

1. कोविड–19 एण्ड ट्यूबरक्लोसिस : अ मेथमिेटिकल बेस्ड फोरकास्टिंग इन दिल्ली इडिया। इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67 : 49–51 में प्रकाशित लेख।

2. ट्रेंड एण्ड ट्रीटमेंट आउटकम ऑफ मल्टी ड्रग – रिस्सटेन्ट ट्यूबरक्लोसिस इन दिल्ली, इंडिया (2009–14) : अ रेट्रोस्पेक्टिव रिकॉर्ड बेस्ड स्टडी। इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67 : 151 में प्रकाशित लेख।

3. कोविड–19 एण्ड ट्यूबरक्लोसिस. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67 : 149–151 में प्रकाशित संपादकीय।

4. अवेरनेस एण्ड पर्सपेक्टिव ऑन एक्सपेंशन ऑफ लेटेंट टीबी मैनेजमेंट अमंग पब्लिक सेक्टर फीजिशियन एण्ड मेडिकल ट्रेनीस् इन दिल्ली, इंडिया : इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67 : 49–51 में प्रकाशित लेख।

5. कोविड–19 एण्ड सोशल स्टीगमा : रोल ऑफ साइंटिफिक कम्युनिटी. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67 : 284–285 में प्रकाशित पेपर।

6. अ कम्प्रेसिन ऑफ पेशेंट ट्रीटमेंट पॉथवे अमंग मल्टीड्रग रिस्टेंट एण्ड ड्रग सेंसटिव टीबी केसिस इन दिल्ली, इंडिया : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67 : 1502–508 में प्रकाशित मूल लेख।

7. ट्यूबरक्लोसिस– न्यूर डायग्नोटिक टेस्ट : इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67, विशेषांक में प्रकाशित पेपर।

8. लेबोरटरी डायग्नोसिस ऑफ नॉवल कोरोना वायरस (2019–20, **Cov**) प्रजेन्ट एण्ड फ्यूचर. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67, विशेषांक में प्रकाशित पेपर।

9. एडवासिंस इन डायग्नोसिस ऑफ टयूबरक्लोसिस : जरनी फरॉम स्मियर माइक्रोस्कोपी टू होल जीनोम सिक्वेंसिंग. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67, विशेषांक में प्रकाशित पेपर।

10. डिस्पोसेबल कोविड बॉक्स – अ न्यू इनवेंशन. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 68, विशेषांक में प्रकाशित लेख।

11. लेसन टू बी लर्न्ट फरॉम 100 ईयर ओल्ड 1918 इन्फलूंजा पैनडेमिक विजा 2019 एक्सओराआ पैनडेमिक विद एन आई ऑन एनटीईपी. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67, विशेषांक में प्रकाशित लेख।

12. नेटकॉन विर्चुअल 2020 –चैलिंजिस एण्ड वे अहेड –इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 68, 1–2 में प्रकाशित लेख।

13. मोरबिडटी एण्ड मोरटेल्टि ट्रेंडस ऑफ कोविड – 19 इन टॉप 10 कंट्रीज. इंडियन जेआईऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2020, अंक 67, विशेषांक में प्रकाशित लेख।

14. अपफ्रंट एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ फॉर डायग्नोस्टिक ऑफ पेडेट्रिक टीबी– डस इट वर्क, एक्सपीरियंस ऑफ इंडिया. *Plos one* 2020 में प्रकाशित लेख।

15. बेनेफिटस एण्ड लिमिटेशन्स सिरालॉजिकल एसे इन कोविड–19 इन्फेक्शन. इंडियन जेआईऑफ ट्यूबरक्लोसिस में ऑनलाइन प्रकाशित, 2020, http;//doi/org/10.1016/ijtb.2020.07.034

16. ट्रांसब्रोनिक्यल लंग काईबायोप्सी बाई ट्विन ब्रोनचोस्कोप्स (किसिंग टेक्नीक). इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2021, अंक 68:16–19 में प्रकाशित लेख।

17. कान्फ्रेंस अपडेट : नॉटकॉन 2020–हाईलाइट.इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2021, अंक 68:152–153 में प्रकाशित लेख।

18. रेडियालॉजी क्विज डांसिंग बॉल. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2021, अंक 68:157–159 में प्रकाशित केस रिपोर्ट।

19. प्रिडक्टर ऑफ सक्सेस एण्ड फेलियर ऑफ नॉन इनवेसिव वेंटीलेशन यूस इन टाइप– 2 रेसपिरेटरी फेलियर. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2021, अंक 68: में प्रकाशित पेपर।

20. व्हाइट पेपर ऑन चैलेंजिस एण्ड अपॉरच्यूनिटी फॉर टीबी एलीमिनेशन विद फोकस ऑन कोविड एण्ड पोस्ट कोविड इरा : डिवलप्ड थ्रू साइंटिफिक राउंड टेबल रेसल्यूशन एट नेटकॉन 2020. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2021, अंक 68:134–138 में प्रकाशित संपादक को पत्र

21. एडहरेंसटू आइसोनाइज्ड प्रिवेन्टिव थेरेपी अमंग चिल्ड्रन विद टयूबरक्लोसिस पेशेंटस इन दिल्ली, इंडिया – एन एक्सपलोरेटरी पर्सपेक्टिव स्टडी. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस द्वारा स्वीकारित पेपर।

22. कोविड–19 वैक्सीन एण्ड न्यू म्यूटेंट स्ट्रेन इम्पैक्टिंग द कोविड पैनडेमिक. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस में दिया गया संपादकीय।

23. जिनेटिक फुटप्रिंट्स ऑफ एक्सट्रा जिनेटिल ट्यूबरक्लोसिस इन इनफराइटल वूमैन : कम्प्रेसिन ऑफ वरीयस डायग्नोस्टिक मॉडलिटी. इंडियन जेआई ऑफ ट्यूबरक्लोसिस में प्रकाशन हेतु दिया गया।

(ख) अनुसंधान परियोजनाएं

1. नई दिल्ली में नसों में सुई द्वारा (**intravenous**) मादक पदार्थ लेने वाले लोगों में सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान करने के लिए अभियान

सक्रिय मामलों का पता लगाने के कार्यक्रम का सक्रियतापूर्वक प्रसार किया गया। इस कार्यक्रम में उन लोगों में क्षयरोग के लक्षण वाले लोगों का पता लगाने के लिए घर–घर जाकर सर्वेक्षण किया गया जो नसों में सुई द्वारा मादक पदार्थ लेते हैं। इस अभियान का प्रयोजन था (क) क्षयरोग की आशंका वाले लोगों में जल्दी पहचान करना (ख) जल्दी निदान करना (ग) उपचार की तैयारी करना (घ) उपचार एवं देखभाल को जोड़ना। लक्षित जन समुदाय में दिल्ली के यमुना बाज़ार, हनुमान मंदिर, कनॉट प्लेस क्षेत्र के उन लोगों को लिया गया जो सुई द्वारा मादक पदार्थ लेते हैं। क्षेत्र में जाकर काम करने वाले दलों को प्रशिक्षण देने के उपरांत नई दिल्ली नगरपालिका (एनडीएमसी) और पीली कोठी चैस्ट क्लीनिक की सहायता से सक्रियतापूर्वक मामलों का पता लगाने का काम शुरू किया गया। कुल 1716 लोगों को जागरूक किया गया। 4 लक्षणों वाले मानदंड के आधार पर लक्षणों वाले 256 लोगों की जांच की गई। इनमें से 30 क्षयरोगी पाए गए और उनका इलाज शुरू किया गया तथा 12 लोगों को निगरानी में रखा गया। इसकी अंतिम परियोजना रिपोर्ट राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ को दी गई।

2. दिल्ली मे एमडीआर–क्षयरोगियों में काउंसलिंग मध्यस्थता प्रभाव के नतीजे

यह एक मध्यस्थतापूर्ण (interventional) अध्ययन है। एमडीआर–क्षयरोग की एलटीएफयू (लेफ्ट टू फॉलोअप) दर उच्च होती है और इसके लिए काउंसलिग उस मध्यस्थता का काम कर सकती है जिससे इसे रिवर्स किया जा सकता है। इस काम के लिए व्यावसायिक तौर पर प्रशिक्षित की नियुक्ति की गई। इसका उद्देश्य निम्नलिखित के द्वारा काउंसलिंग मध्यस्थता के प्रभाव का आकलन करना था :

क) डीआर क्षयरोगियों में उपचार का पालन
ख) डीआर क्षयरोगियों में फॉलोअप की कमी
ग) डीआर क्षयरोगियो और उनके परिवार के सदस्यों को मानसिक सामाजिक सहायता प्रदान करना
घ) रोगियों के घरवालों में शुरूआत में क्षयरोग का पता लगाना
ड) रोगी को वर्तमान सामाजिक सहायता सेवाओं से जोड़ना

अब तक 106 एमडीआर मामलो को अध्ययन में शामिल किया गया है। यह अध्ययन पूरा हो चुका है। इसकी रिपोर्ट तैयार की गई और राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ को दी गई।

3. राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत दिल्ली राज्य में माइकोबैक्टिरियल रोधी दवा प्रतिरोधकता हाटस्पॉट की मैपिंग

यह अध्ययन दिल्ली सरकार और समिति की वित्तीय सहायता से एनडीटीबी केन्द्र और टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने किया। यह अध्ययन दिल्ली में दवा प्रतिरोधक क्षयरोग के मामलों के हाटस्पॉट का पता लगाने के लिए किया गया जिससे कि ज्ञात क्षेत्रों में पर्याप्त नैदानिक और उपचारात्मक सेवाएं दी जा सके। जीआईएस की सहायता से मध्य दिल्ली क्षेत्र में पाए गए 20 एमडीआर

मामलो में पूर्व परीक्षण किया गया। इसके परिणामों के आधार पर इसका विस्तार पूरी दिल्ली में किया गया। इसका अध्ययन विश्लेषण प्रक्रियाधीन है।

4. बीट (बिल्डिंग एवीडेंस फॉर एडवांस ट्रीटमेंट अगेन्स्ट ट्यूबकरक्लोसिस) अध्ययन :

प्रयोगशाला सक्रिय रूप से बीट (building evidence for advance treatment against tuberculosis) गतिविधि में भागीदारी कर रही है जिसका नाम है ''पूर्व–व्यापी (प्री–एक्सडीआर) और दवा प्रतिरोधक प्लमनरी ट्यूबरक्लोसिस (एक्सडीआर–टीबी) वाले वयस्कों में बेडाएक्वीलाइन, डीलामेनिड, लाइनजॉलिड और क्लोफ़ेज़ामाइन के प्रभाव और सुरक्षा का मूल्यांकन'' यह एक भावी सहयोगी अध्ययन है जो कि आरबीआईपीएमटी और एनआईआरटीडी के सहयोग से निम्नलिखित उद्देश्य से किया गया :

क. पूर्व एक्सडीआर या एक्सडीआर–टीबी वाले रोगियों में बीडीक्यू, डीएलएम, एलजैडडी और सीएफजैड के 24–36 सप्ताह (6–9 महीने) के उपचार पथ्य की सुरक्षा और सहनीयता का मूल्यांकन करना।

ख. इस उपचार पथ्य के संयोजन के साथ लार (स्पूटम) कल्चर रूपांतरण का समय ज्ञात करना।

ग. 2, 8 और 16 सप्ताह में डीएलएम, बीडीक्यू और उनके मेटाबोलाइट की स्थिर अवस्था Cmin स्तर का पता लगाना।

घ. संयोजन उपचार पथ्य (गहन पीके) पर पूर्व–एक्सडीआर और एक्सडीआर–क्षयरोगियों में उपसमूह में बीडीक्यू और डीएलएम के स्थिरावस्था फार्माकाकनेटिक्स का अन्वेषण करना।

यह अध्ययन जारी है और इसके समय पर पूरी होने की उम्मीद है।

5. एमडीआर–टीबी के रोगियों के लिए क्षयरोग प्रतिरोधक दवाओं का मानक उपचार पथ्य (स्ट्रीम) अध्ययन

इस केन्द्र की प्रयोगशाला स्ट्रीम नाम के क्लीनिक ट्रायल का हिस्सा है। यह क्लीनिकल ट्रायल अंतर्राष्ट्रीय क्षयरोग संघ एवं फेफडों के रोग या द यूनीयन एण्ड इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसन (आईटीएम), बेल्जियम के साथ मिल कर किया किया जा रहा है। इसमें रोगियों का नामंकन, उपचार, जांच और डाटा प्रबंधन आरबीआईपीएमटी में किया जाता है और प्रयोगशाला सहायता स्थल पर दिया जाती है। पथ्य पर रखे गए अनुकूल प्रभावोत्पादक नतीजों वाले उन लोगों के अनुपात का 76वें सप्ताह में आकलन करना जिन्हें 40 सप्ताह तक बेडाएक्वीलाइन, क्लोफेज़ीमाइन, एथाम्ब्यूटल, लीवोफ्लोक्सिन और पायराजिनमाइड दिया गया तथा पहले 16 सप्ताह तक प्रोथिऑनमाइड सप्लीमेंट दिए गए (गहन अवस्था) । यह ट्रायल अभी चल रहा है।

6. राष्ट्रीय क्षयरोग प्रसार सर्वेक्षण

केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग (सीटीडी), भारत सरकार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली, राष्ट्रीय क्षयरोग अनुसंधान संस्थान, चेन्नई और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के सहयोग से भारत में राष्ट्रीय क्षयरोग प्रसार का सर्वेक्षण कर रहा है। इसके लिए एनआईआरटी, चेन्नई को नोडल एवं समन्वयक केन्द्र के तौर पर लिया गया है। राष्ट्रीय स्तर के इस सर्वेक्षण का उद्देश्य भारत में प्लमनरी

क्षयरोग के प्रसार बिन्दु का आकलन करना है। इसके लिए सीटीडी ने कई आईआरएल और एनआरएल का चयन किया है जिसमें हमारी प्रयोगशाला भी शामिल है जो इस सर्वेक्षण का हिस्सा है और नैदानिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। प्रयोगशाला ने चुनिंदा समूह से नमूने लिए और उन्हें कल्चर तथा दवा सुग्राहता परीक्षण के लिए कियान्वित किया गया है। दिल्ली राज्य में इसका क्षेत्र कार्य पूरा हो चुका है।

7. बच्चों में प्लमनरी क्षयरोग का पता लगाने के लिए स्टूल कार्टिज आधारित न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन की उपयोगिता

यह अध्ययन लोकनायक हस्पताल के साथ मिल कर नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में किया जा रहा है। चैस्ट क्लीनिक, लोकनायक हस्पताल में आने वाले सभी रोगियों का बालरोग विभाग में प्लमनरी क्षयरोग के लिए आकलन किया जाएगा और जांच के लिए नामांकित किया जाएगा। अध्ययन मानदंड को पूरा करने वाले रोगियों से लिखित सहमति और/या अनुमति ली जाएगी। नामांकित किए गए मामलों की विस्तृत हिस्टरी और नैदानिक जांच तथा सीएक्सआर एवं मैनटोक्स सहित नियमित क्षयरोग के लिए जांच की जाएगी। इन मामलों से गैस्ट्रिक एसपिरेट नमूने (5मिलि) और स्टूल के नमूने (5ग्रा.) लिए जाएंगे। इसके बाद वर्तमान प्रचालन दिशा–निर्देशों के अनुसार एनडीटीबी केन्द्र में नमूनों का कियान्वयन किया जाएगा। दोनों नमूनों को माइकोबैक्टिरियल संवृद्धि सूचक ट्यूब कल्चर पर रखा जाएगा। परीक्षण प्रकिया के उपरांत प्राप्त आंकड़ों को माइक्रोसॉफ्ट एक्सल शीट में प्रविष्ट किया जाएगा और उनका विश्लेषण किया जाएगा। निर्धारक परिवर्तकों जैसे स्टूल सीबीएनएएटी और गैस्ट्रिक एसपीरेट सीबीएनएएटी पॉजिटिव को अनुपात में दर्शाया जाएगा।

8. रिक्शा चालकों और निर्माण श्रमिकों की उच्च जोखिम वाली प्रमुख जनंसख्या में क्षयरोग एवं एलटीबीआई को कम करने के लिए क्षयरोग की व्याप्तता तथा जांच

यह अध्ययन पीएलएचआईवी और बच्चों के अतिरिक्त रिक्शा चालकों और निर्माण श्रमिकों को टीबी के रोकथाम के थेरेपी देने के लिए राष्ट्रीय नीति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाले प्रमाण प्रदान करेगा। रिक्शा चालकों तथा निर्माण कार्य करने वाले श्रमिकों एलटीबीआई का पता लगाने और उपचार का दीर्घकालिक लाभ होगा। इससे एलटीबीआई संक्रमण की रोकथाम से आकस्मिक क्षयरोग की वार्षिक सूचना में कमी आएगी तथा क्षयरोग के संक्रमण के वार्षिक जोखिम तथा क्षयरोग के प्रसार को कम किया जा सकेगा।

9. गुणता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) के समावेश से अभिनामित माइक्रोस्कोपिक केन्द्रों में क्षयरोग की पहचान को बेहतर करना तथा त्वरित आण्विक निदान का अनुकूलतम उपयोग और उसका लागत अनुमान

डीएमसी में क्यूएमएस त्वरित आण्विक निदान से क्षयरोग की जांच की गुणवत्ता को बेहतर किया जा सकता है। क्यूएमएस स्वास्थ्य प्रणाली के लिए प्रभावी तंत्र प्रदान करता है जिससे गुणवत्ता, लागत प्रभाव और जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निरंतरता में दीर्घकालिक लाभ हो सकते हैं। हमने डीएमसी में प्रयोगशाला संचालित मॉडल स्थापित किया है जिससे त्वरित आण्विक नैदानिकता से क्षयरोग का निदान बेंहतर होगा क्योंकि यह अधिकतम आश्यकता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित होगा और स्टाफ सक्षमता, आपूर्ति श्रृंखला, उपरकरणों के रख–रखाव इत्यादि क्षेत्रों में सुधार में गति लाएगा।

10. अक्षयरोगिय माइकोबैक्टिरियल (एनटीएम) रोग अध्ययनः

इस केन्द्र की रेफरंस प्रयोगशाला ''अक्षयरोगिय माइक्रोबैक्टिरियल (एनटीएम) का प्रसार, जोखिम घटक और प्रयोगशाला निदान अध्ययन : एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन'' नाम के अध्ययन में शामिल है। यह बहुकेन्द्रीय अध्ययन है जिसमें देश के छः विभिन्न स्थल है और इसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईएसएमआर), नई दिल्ली वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह अध्ययन प्रगति पर है और इसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

1 दिल्ली, चंडीगढ़, वर्धा और तिरूपति क्षेत्र में क्षयरोग की आंशका वाले रोगियों में एनटीएम रोग का पता लगाना।
2. एनटीएम रोग के विभन्न जोखिम कारकों का अध्ययन।
3. निश्चित एनटीएम आइसोलेट में प्रजातियों और उपप्रजातियों के लक्षणों की पहचान।
4. विशेष एनटीएम पृथकों में दवा सुग्राहता परीक्षण (डीएसटी) करना।
5. निश्चित एनटीएम रोगियों में नैदानिक, माइक्रोबायॉलाजिकल और रेडियोलॉजिकल फालोअप।
6. एनटीएम रोग के निदान के लिए प्रयुक्त विभिन्न प्रयोगशाला तकनीकों की लागत प्रभावकारिता का विश्लेषण।

<u>विर्चुअल संघ सम्मेलन 2020 में प्रस्तुत/दिए गए अनुसंधान पेपर</u>

1. नई दिल्ली की जेलों में क्षयरोग देखभाल – सम्मेलन में प्रस्तुत ई–पोस्टर

2. विर्चुअल लर्निंग प्लेटफार्म के कार्यान्वयन हेतु बुनियादी ढांचे के मूल्यांकन सहरचना के अनुभव का विवरण : भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य परिणामों के लिए क्षयरोग विस्तार। – सम्मेलन में प्रस्तुत पोस्टर

3. नई दिल्ली में सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वाले लोगों मे ट्यूबरक्यूलिन का पता लगानें के लिए सक्रियता अभियान। – सम्मेलन में प्रस्तुत करने के लिए दिया गया पेपर।

<u>मेडिकल कॉलेजों के सहयोग से की गई एमडी/एमएस/डीएनबी थीसिस</u>

1. बच्चों और किशारों में क्षयरोग मस्तिष्क ज्वर (मैनजाइट्स) का पता लगाने के लिए ट्रूनेट का मूल्यांकन

- लोकनायक हस्पताल, नई दिल्ली में आने वाले सभी बालरोगियों का बालरोगी विभाग में क्षयरोग मस्तिष्क ज्वर के लिए आकलन किया जाएगा तथा दर्ज करने के लिए जांच की जाएगी।
- सूचित सहमति लेने के बाद विस्तृत इतिहास, नैदानिक परीक्षण और नियमित टीबीएम वर्कअप किया जाएगा।
- अवस्थागत नमूने लिए जाएंगे। इनमें से आधे नमूनों का प्रयोग साइटोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री के लिए किया जाएगा।
- शेष नमूनों का मानक प्रोटोकॉल के अनुसार ट्रूनेट और सीबीएनएएटी द्वारा एनडीटीबी केन्द्र में एम ट्यूबरक्लोसिस के निदान के लिए प्रयोग किया जाएगा।

- उससे प्राप्त आंकड़ों की एमएस एक्सेल में प्रविष्ट की जाएगी और एसपीएसस 25.0 साफ्टवेयर से विश्लेषण किया जाएगा। निर्धारिक परिवर्तकों जैसे एम टीबी पॉजीटिव को अनुपात में दर्शाया जाएगा। ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के बीच संबंध का आकलन करने के लिए ची (Chi) स्कवेयर जांच की जाएगी।

2. बच्चों और किशारों में रिफ्एम्पीसिन संवेदी प्लमनरी क्षयरोग में आइसोनाइज़ड प्रतिरोधिकता

- मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और चैस्ट क्लीनिक, एलएनजेपी हस्पताल नई दिल्ली के बालरोग विभाग के बाह्यरोगी और आंतरिक रोगी विभाग से नाम दर्ज करने के लिए रोगियों की जांच की जाएगी।
- प्लमनरी क्षयरोग की आशंका वाले सभी रोगियो के लार/गेस्ट्रिक एस्प्रिेट नमूने लिए जाएंगे।
- नमूने के एक भाग का क्षयरोग का पता लगाने के लिए सीबीएनएएटी किया जाएगा। एम ट्यूबरक्लोसिस पॉजीटिव और रिफ्एम्पीसिन संवेदी रोगियों को अध्ययन में लिया जाएगा और उनकी लिखित सहमति ली जाएगी।
- दर्ज किए गए मामलों का विस्तृत इतिहास लिया जाएगा और नैदानिक जांच की जाएगी।
- नमूने के दूसरे भाग की मानक दिशा–निर्देश के अनुसार माइकोबैक्टिरियल वृद्धि सूचक नली (एमजीआईटी) कल्चर से एम ट्यूबरक्लोसिस की वृद्धि के लिए एनडीटीबी केन्द्र में जांच की जाएगी।
- मानक विधि से आइसोनायजिड, इथाएमब्यूटॉल और प्याराज़िनमाइड के लिए दवा सुग्राहता परीक्षण (डीएसटी) किया जाएगा।
- कल्चर पॉजीटिव रोगियों में आइसोनायजिड प्रतिरोधिकता का पता लगाने के लिए जीनोटाइप (लाइन प्रोब एसे) और फिनोटाइप पद्धतियों से डीएसटी किया जाएगा।

3. राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत दीर्घ पथ्य पर बहुऔषधीय प्रतिरोधक, पूर्व–अति दवा प्रतिरोधक और अति दवा प्रतिरोधक प्लमरी क्षयरोगियों के पहले छः माह के फॉलोअप में कल्चर की तुलना में फ्लूरोसिन डायसिटेट (एफडीए) वाइटल स्टेनिंग प्रभावकारिता का परीक्षण

- किंग्सवे चेस्ट केन्द्र बर्हिरोगी विभाग और राजन बाबू प्लमनरी मेडिसन एण्ड ट्यूबरक्लोसिस संस्थान के इनपेशेंट विभाग में रिपोर्ट करने वाले प्लमनरी क्षयरोग के दवा प्रतिरोधक नए ज्ञात रोगी तथा एनटीईपी के अंतर्गत पंजीकृत रोगियों को अध्ययन में लिया जाएगा।
- सभी सूचीबद्ध मामलों की लिखित सूचित सहमति ली जाएगी। विस्तृत हिस्ट्री, नैदानिक जांच इत्यादि की जाएगी।
- एनडीटीबी केन्द्र पर उपचार प्रारंभ होने के बाद तीसरे, चौथे, पांचवे और छठे दिन एफडीए संबंधी स्टेनिंग और कल्चर के लिए लार के दो नमूने लिए जाएंगे।
- एफडीए संवेदी स्टेनिंग की संवेदनशीलता और विशिष्टता का पता लगाने के लिए सांख्यिकी विश्लेषण किया जाएगा।

4. त्वचीय क्षयरोग के त्वरित निदान और रिफ्एम्पीसिन प्रतिरोधक कार्टिज आधारित न्यूक्लिक एसिड एम्पीलीफिकेशन जांच की भूमिका

- लोकनायक हस्पताल के त्वचा विभाग के रोगियों का त्वचीय क्षयरोगियों का आकलन किया गया और सूचीबद्ध करने के लिए जांच की गईं। सभी सूचीबद्ध मामलों के लिए लिखित सूचित सहमति ली गई। विस्तृत हिस्ट्री, नैदानिक जांच इत्यादि की गई।
- जीवाणुरहित कंटेनर में पर्याप्त मात्रा में नमूने (टिश्यू नमूने के लिए डिस्चार्ज के मामले में न्यूनतम 0.5 मिलि और न्यूनतम 3 मिमि व्यास के) लिए गए और एनडीटीबी केन्द्र के कक्ष तापमान में रखे गए।
- एसिड फास्ट स्टेनिंग, कल्चर (माइकोबैक्टिरियम वृद्धि सूचक संकेतक नली) और दवा संवेदी जांच के लिए मानक प्रणाली के अनुसार नमूने प्रसंस्करित किए गए।
- अध्ययन जारी है।

5. बच्चों में प्लमनरी क्षयरोग का पता लगाने के लिए स्टूल कार्टिज आधारित न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन जांच (सीबीएनएएटी) की उपयोगिता

- चैस्ट क्लीनिक, लोकनायक हस्पताल के रोगियों का बालरोग विभाग में प्लमनरी क्षयरोग के लिए आकलन किया गया और सूचीबद्ध करने के लिए जांच की गई। सभी सूचीबद्ध मामलों से लिखित सूचित सहमति ली गई।
- विस्तृत हिस्ट्री, नैदानिक जांच, नियमित क्षयरोग वर्कअप किया गया जिसमें एक्सरे और Mantoux शामिल था।
- प्रत्येक सूचीबद्ध मामलों से गैस्ट्रिक एस्पीरेट (5मिलि) और स्टूल नमूने (5ग्रा) लिए गए। वर्तमान दिशा–निदेशों के अनुसार मामलों की एनडीटीबी केन्द्र में सीबीएनएएटी जांच की गई। दोनों नमूनों का एमजीआईटी कल्चर भी किया गया।
- अच्छे परिणामों के साथ अध्ययन पूरा कर लिया गया है।

6. पुनरावर्ती मूत्रमार्ग संक्रमण ग्रस्त वैवाहिक महिलाओं में मूत्र प्रजनन क्षयरोग

- लोकनायक हस्पताल के स्त्री–रोग क्लीनिक के रोगियों की मूत्र प्रजनन (यूरोजनेटिल) क्षयरोग और सूचीबद्धता के लिए जांच की गई। सभी सूचीबद्ध मामलों से लिखित सूचित सहमति ली गई। विस्तृत हिस्ट्री, नैदानिक जांच की गई।
- प्रातःकालीन निरंतर तीन नमूने देने के लिए रोगियों की काउंसलिग की गई जिन पर उसी दिन प्रयोगशाला मे काम किया गया। विवाहित महिला रोगियों के मासिकधर्म पूर्व के चरण में एन्डोमीट्रियल बायोप्सी नमूने भी सामान्य सलाइन में लिएगए।
- नमूनों का एसिड फास्ट स्टेनिंग, कल्चर (Lowenstein-Jensen medium और माइकोबैक्टिरियल वृद्धि सूचक नली) किया गया। एम टयूराबक्लोसिस पॉजीटिव पर दवा संवेदी जांच की गईं।
- अब यह अध्ययन पूरा कर लिया गया है।

हाल के वर्षो में एनडीटीबी केन्द्र की उपलब्धियां

1. एनडीटीबी केन्द्र की एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला

केन्द्र की माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला दिल्ली राज्य के लिए इंटरमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला के रूप में कार्य कर रही है और एनटीईपी एवं निजी क्षेत्र से रेफर किए गए रोगियों को सभी उपलब्ध त्वरित नैदानिक सेवाएं दे रही है। गुणपत्तापूर्ण सेवांए सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र की प्रयोगशाला को एनएबीएल से प्रत्यायित कराया गया हैं ।

2. प्रयोगशाला में जीन सिक्वेसिंग सुविधा
हमारी प्रयोगशाला उन पांच स्थलों में से एक है जहां एनटीईपी के तहत जीन सिक्वेसिंग सुविधा उपलब्ध है। इसका उपयोग क्षयरोग कार्यक्रम दिशा–निदेशों के अनुसार निदान और दवा प्रतिरोधक निगरानी दोनों प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।

3. क्लीनिकल खंड में एक्स–रे मशीन की संस्थापना

क्लीनिकल खंड में पहले से उपलब्ध परंपरागत एक्स–रे मशीन के अलावा एक डिजीटल एक्स–रे मशीन लगाई गई हैं। यह मशीन दिल्ली राज्य एनटीईपी कोष से दी गई है। इस मशीन का उपयोग क्लीनिकल खंड के रोगियों और मामलों का सक्रियतापूर्वक पता लगाने तथा निगरानी के लिए किया जा रहा है।

4. कोविड–19 प्रयोगशाला

कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान हमारी प्रयोगशाला सीबीएनएएटी और ट्रूनेट मशीनों पर कोविड–19 के निदान हेतु आईसीएमआर अनुमोदित स्थलों में से एक थी। दिल्ली सरकार द्वारा अभिनामित स्थलों से कोविड आशंका वाले रोगी हमारी प्रयोगशाला में रेफर किए जाते हैं।

5. कोविड–19 रोग निदान में माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों का प्रशिक्षण

दिल्ली सरकार ने हमारी प्रयोगशाला को सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के माइक्रोबायोलाजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए कोविड–19 प्रयोगशाला के प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में अभिनामित और प्रस्तावित किया है। हमारी प्रयोगशाला के माइक्रोबायोलॉजिस्ट दिल्ली राज्य सीबीएनएएटी और ट्रूनेट कोर समिति का हिस्सा हैं जो कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए कोविड–19 प्रयोगशाला के कार्यो का पर्यवेक्षण और निगरानी का कार्य करते हैं।

6. संवेदनशील समूहों में सक्रिय क्षयरोग मामलों का पता लगाना

हाल के वर्षो में संवेदनशील जनसंख्या जैसे कैदी, महिला सेक्सवर्कर, सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वाले लोग, झुग्गी बस्तियों और रैनबसेरों में रहने वाले लोगों में कई कार्यात्मक अनुसंधान किए गए हैं। ये कार्यात्मक अध्ययन दिल्ली राज्य एनटीईपी द्वारा अनुमोदित है और वित्तीय सहायता सहायता प्राप्त रहे हैं। ये अध्ययन राष्ट्रीय दिशा–निदेशों के अनुसार सक्रिय रूप से क्षयरोग ज्ञात करने के लिए संचालित किए गए हैं।

7. पैरामेडिकल स्टाफ के लिए ईको क्लीनिक

एनडीटीबी केन्द्र ईको मंच के लिए एसटीडीसी–दिल्ली राज्य का हब है जिसमे सभी चैस्ट क्लीनिक प्रतिनिधि हैं। महीने के प्रत्येक पहले बुधवार को एनटीईपी दिल्ली राज्य के पैरामेडिकल स्टाफ के लिए एक सत्र आयोजित किया जाता है जिसमें विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया जाता है और पैरामेडिकल द्वारा प्रस्तुत किए गए एक मामले पर चर्चा की जाती है।

8. ईको प्लेटफार्म पर एनटीईपी कार्यो की समीक्षा

पिछले वर्ष और इस वर्ष कोविड की वैश्विक महामारी के कारण वास्तविक मॉनीटरिंग दौरे और समीक्षा बैठकें संभव नहीं हो पाई इसलिए पर्यवेक्षण गतिविधियों पर आधारित समीक्षा बैठकें और जांच सूची ईको मंच पर की गई। वर्ष के दौरान सभी 25 चैस्ट क्लीनिकों के कार्य की समीक्षा ईको के माध्यम से की गई जिसमें अभिनामित माइक्रोस्कोपी केन्द्रों की प्रयोगशाला के कार्यो की निगरानी शामिल हैं।

9. इंडियन जरनल ऑफ टयूबरक्लोसिस के प्रकाशन में सहायता

भारतीय क्षयरोग संघ त्रैमासिक जनरल प्रकाशित किया जा रहा है जिसमें क्षयरोग और श्वसन रोगों पर लेख शामिल है। एनडीटीबी केन्द्र का संकाय एसोसिएट कार्यकारी संपादक, सहायक संपादक और संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में आईजेटी के प्रकाशन में सहायता कर रहा है।

10. एनएटीसीओएन में सक्रिय भागीदारी

भारत क्षयरोग संघ द्वारा भारत के विभिन्न हिस्सों में बारी–बारी से क्षयरोग और श्वसन रोगों पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाता है। एनडीटीबी केन्द्र का संकाय सम्मेलन में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है और सम्मेलन को आयोजित करने, वैज्ञानिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने का कार्य करता है तथा अध्यक्ष, सूत्रधार और वक्ता के रूप में विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में भागीदारी करता हैं।

11. प्रयोगशाला सूचना प्रबंधन प्रणाली (एलआईएमएस)

हमारी प्रयोगशाला अब एलआईएमएस युक्त है जिसमें प्रयोगशाला डाटा और रिपोर्टिंग ऑनलाइन की जाती है। परीक्षण के सभी चरणों की प्रविष्टी ऑनलाइन की जाती है और अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाती है और क्षेत्र में तथा निक्षय पोर्टल पर सीधे भेजी जाती है।

12. ढांचागत विकास
पिछले कुछ वर्षों में भवन का नवीकरण किया गया है और केन्द्र के सभी अनुभाागों के लिए नया फर्नीचर लिया गया है जिसमें उसका सौन्दर्यीकरण भी शामिल है।

13. छात्रों का प्रशिक्षण और शोध निबंध

प्रयोगशाला क्षयरोग के निदान में विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण संचालित करने और छात्रों के शोध निबंध मे सहायता कर रहा है।

वैज्ञानिक कार्यक्रमों में भागीदारी

क) नेटकॉन 2020 में भागीदारी

एनडीटीबी केन्द्र संकाय राष्ट्रीय स्तर के क्षयरोग सम्मेलन के आयोजन में सक्रिय रहा है जो कि भारत क्षयरोग संध के सहयोग से पिछले 75 वर्षो से प्रत्येक वर्ष किसी एक राज्य में आयोजित किया जाता रहा है। सम्मेलन के दौरान संकाय विभिन्न वैज्ञानिक सत्र, प्रशासनिक बैठकें आयोजित करने और इसके साथ वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता करने तथा अनुसंधान पेपर प्रस्तुत करने में सक्रिय भागीदारी करता हैं।

सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाने और राज्य तय करने तथा वैज्ञानिक कार्यक्रम तैयार करने में एनडीटीबी केन्द्र का संकाय शामिल रहा है। सम्मेलन के दौरान संकाय विभिन्न वैज्ञानिक सत्र, प्रशासनिक बैठकें आयोजित करने और इसके साथ वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता करने तथा अनुसंधान पेपर प्रस्तुत करने में सक्रिय भागीदारी करता हैं।

75वां नेटकॉन 18 से 20 दिसम्बर 2020 तक वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा संजय राजपाल, चैस्ट फीजिशियन ने सम्मेलन में भाग लिया। एनडीटीबी केन्द्र से निम्नलिखित ने भाग लिया :

क) डा के के चोपड़ा, निदेशक ने निम्नलिखित सत्रों की अध्यक्षता की :

i. 2025 तक क्षयरोग समाप्त करने के प्रयासों में प्रतिमान परिवर्तन कारक अनुसंधानः ऑल हेन्डस ऑन डेक टू फिनिश द जॉब बाय 2025
ii. विशेषज्ञ से मिलें – क्षयरोग, एनटीएम
iii. कोविड 19 एण्ड रिसपरेटरी सिस्टम वे फॉरवर्ड

ख) डा के के चोपड़ा, निदेशक ने निम्नलिखित व्याख्यान दिए :

i. विशेष स्थितियों में एमडीआर–टीबी – प्रेगनेंसी, एचआईवी, हेपेटाइटस एण्ड क्रोनिक रिनॉल रोगी
ii. नई दवाएं– डीआर–टीबी के उपचार परिणामों पर प्रभाव
iii. देश में डीबीटी का विस्तार, बेहतर अनुपालन कारक
iv. डीआरटीबी दिशा–निदेश
v. विशेषज्ञ से मिलें – एनटीएम–निदान एवं प्रबंधन

ग) एमडीआर में हेपाटॉक्सिटी सहित एडीआर प्रबंधन – डा संजय राजपाल द्वारा क्षयरोग पथ्य पर दिया गया व्याख्यान

ख) अन्य वैज्ञानिक कार्यक्रमों में भागीदारी

1. दिल्ली राज्य एनटीईपी के पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए एएसटीडीसी हब में 1 अप्रैल 2020 को ईको क्लीनिक आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने स्टाफ को कोविड–19 रोग, उसके लक्षणों, निदान, प्रबंधन और रोकथाम के बारे में जानकारी दी।

2. 21 अप्रैल 2020 को ट्रूनेट बीटा कोविड–19 पर प्राथमिक सत्र किया गया। एनडीटीबी केन्द्र प्रयोगशाला के तकनीकी स्टाफ और संकाय ने इस परिचर्चा में भाग लिया।

3. केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग द्वारा 23 अप्रैल 2020 को प्रयोगशाला डाटा संग्रह के साधनों पर ईको प्लेटफार्म से वीडियो कान्फ्रेस की गई। एनडीटीबी केन्द्र के तकनीकी स्टाफ और संकाय ने इसमें और चर्चा में भाग लिया।

4. दिल्ली राज्य प्रयोगशाला स्टाफ के लिए 24 अप्रैल 2020 को जूम प्लेटफार्म पर 'ट्रूनेट बीटा कोव'विर्चुल प्रशिक्षण (व्यावहारिक पक्ष) आयोजित किया गया। एनडीटीबीकेन्द्र प्रयोगशाला के तकनीकी स्टाफ और संकाय ने सत्र में भाग लिया।

5. दिल्ली की कोविड–19 प्रयोगशालाओं और हस्पतालों केबीच संपर्क को अंतिम रूप देने के लिए 4 मई 2020 को एक बैठक हुई। दिल्ली सरकार के राज्य क्षयरोग अधिकारी, नोडल अधिकारी ने वर्तमान जीन–एक्सपर्ट और ट्रूनेट मशीनों पर कोविड–19 जांच प्रस्तावित की। बैठक में एमएएमसी के तत्काल नमूनों की जांच एनडीटीबी केन्द्र प्रयोगशाला में करने का निर्णय लिया गया।

6. चैस्ट क्लीनिकों में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए कार्यस्थलों पर संक्रमण नियंत्रण से संबंधित एक ईको क्लीनिक 6 मई 2020 को एसटीडीसी हब से आयोजित किया गया। चैस्ट क्लीनिकों के सभी डीटीओ, चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टाफ ने सत्र में भाग लिया। 225 लोगों ने ईको प्लेटफार्म के माध्यम से सत्र में भाग लिया।

7. 8 मई 2020 को ईको (ECHO) प्लेटफार्म पर एक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक ट्रूनेट मशीनों पर जांच के लिए कोविड–19 नमूनों को एकत्र करने के बारे में क्वारंटीन केन्दों के नोडल अधिकारियों को जागरूक करने के लिए की गई।

8. जूम प्लेटफार्म के माध्यम से एनआईटीआरडी के नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने नीतिगत समिति के अतिरिक्त अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान दो अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की गई और उनका अनुमोदन किया गया। बैठक के दौरान क्लीनिकल ट्रायल के अंतर्गत तीव्र प्रतिकूल प्रभाव मॉनीटर करने के लिए डा के के चोपडा, निदेशक की अध्यक्षता में एक उपसमिति का गठन किया गया।

9. ईको प्लेटफार्म के माध्यम से 14 मई 2020 को दिल्ली एनटीईपी समीक्षा बैठक हुई। यह बैठक एसटीडीसी हब से आयोजित की गई। बैठक में डा के के चोपड़ा, निदेशक ने पहली तिमाही जिलावार कार्यकारिता की समीक्षा की और उसे सामने रखा। संबद्ध जिला क्षयरोग अधिकारियों के साथ अलग–अलग चैस्ट क्लीनिकों के कार्य को बेहतर करने के उपायों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त

कोविड–19 के समय में एनटीईपी सेवाओं को बनाए रखने में सामने आई चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। सभी जिला क्षयरोग अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और पैरा मेडिकल स्टाफ ने चर्चा में भाग लिया। लगभग 80 प्रतिभागियों ने चर्चा में भाग लिया।

10. 19 मई 2020 को ईको प्लेटफार्म के माध्यम से एनआईटीआरडी डीआरटीबी से जुड़े डीआरटीबी केन्द्रों की 2020 की पहली तिमाहीकी समीक्षा की गई। संपर्क केन्द्रों के जिला क्षयरोग अधिकारियों ने अपनी प्रस्तुति दी और उनके मामलों का समाधान किया गया।

11. केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने 22.05.2020 को दिल्ली और तमिलनाडू राज्यों के साथ वीडियों कान्फ्रेंस की। इस कान्फ्रेंस में कोविड 19 की परिस्थितियों के दौरान एनटीईपी गतिविधियों की दशा तथा इस बात की समीक्षा की गई कि कैसे राज्यों ने चुनौतियों का सामना किया। राज्य क्षयरोग अधिकारियों, एसटीडीसी संकाय तथा डीआरटीबी स्थलों के नोडल अधिकारयों तथा प्रयोगशालाओं ने समीक्षा बैठक में भाग लिया।

12. एनडीटीबी केन्द्र में 1 जून 2020 को राज्य स्तरीय कोविड जांच समन्वय समिति की बैठक हुई। एनडीटीबीसी प्रयोगशाला के संकाय, एमएएमसी माइक्रोस्कोपी प्रयोगशाला, राज्य और केन्द्र जिला के नोडल अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। कैचमेंट क्षेत्रों के साथ विभिन्न प्रयोगशालाओं के संपर्क को पुर्नपरिभाषित किया गया।

13. निजी प्रक्टिस करने वाले चिकित्सकों के लिए पीएमडीटी ई–माड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने 3 जून 2020 को वीडियो कान्फ्रेंस चर्चा आयोजित की। एनडीटीबी केन्द्र के संकाय, संघ और डब्लूएचओ ने चर्चा में भाग लिया।

14. दिल्ली, बिहार और जम्मू–कश्मीर राज्यों के चैस्ट क्लीनिकों में कार्य करने वाले चिकित्सा अधिकारियों, एसटीएल और डीईओ के लिए राज्य स्तरीय जांगरूकता कार्यक्रम 15 जून 2020 को आयोजित किया गया। इसमें ''संलग्नक एम और सीबीएनएएटी संकेतकों के ऑनलाइन रिपोर्टिंग प्रारूप'' पर सत्र आयोजित किया गया। डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाूजिस्ट और डा डा जीशान ने जागरूकता सत्र आयोजित किया। लगभग 145 प्रतिभागियों ने सत्र में भाग लिया।

15. 22 जून 2020 को आरएमके हस्पताल के ट्रू नेट कोविड प्रयोगशाला का निरीक्षणात्मक दौरा किया। डा जीशान, माइक्रोबयोलॉजिस्ट ने निरीक्षण के लिए राज्य के दल के साथ प्रयोगशाला का दौरा किया।

16. 18 जून 2020 को एसटीडीसी हब से ईको प्लेटफार्म पर दिल्ली राज्य की राज्य स्तरीय पीएमडीटी समीक्षा की गई। सीडीएसटी प्रयोगशालाओं के नोडल अधिकारियों ने अपनी प्रस्तुति दी। लगभग 165 प्रतिभागियों ने चर्चा में भाग लिया।

17. पीएमडीटी टेम्पलेट की समीक्षा करने के लिए एनडीटीबी केन्द्र में 23 जून 2020 को राज्य स्तरीय बैठक की गई। एसटीओ दिल्ली राज्य, एसटीडीसी संकाय, डब्लूएचओ परामर्शकों, राज्य क्षरोग प्रकोष्ठ के चिकित्सा अधिकारियों ने चर्चा में भाग लिया।
18. 25 जून 2020 को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग के साथ वीडियो कान्फ्रेंस बैठक की गई। यह बैठक एमडीआर क्षयरोग के मामलों में एमीकेसिन–केनमाइसिन उपचार पर नवीनतम जानकारी के लिए आयोजित की गई।

19. डा जीशान ने 26 जून 2020 को एम्स कोविड–19 प्रयोागशाला का दौरा किया। यह सीबीएनएएटी और ट्रूनेट द्वारा कोविड प्रयोगशाला के प्रमाणन के लिए राज्य दल के मूल्यांकन दौरे का हिस्सा था।

20 ईको प्लेटफार्म पर 2 जुलाई 2020 को एम्स डीआरटीबी के दो जिलों की समीक्षा की गई। संबद्ध जिला अधिकारियों ने अपना डाटा प्रस्तुत किया और राज्य क्षयरोग अधिकारी, एसटीडीसी निदेशक और एम्स डीआरटीबी स्थल के नोडल अधिकारियों ने इसकी समीक्षा की।

21. एनआईटीआरडी के नियामक बीट ट्रायल के एसएई की समीक्षा करने के लिए 8 जुलाई 2020 को एनआईटीआरडी की उपसमिति की विर्चुअल बैठक हुई। डा के के चोपडा, निदेशक ने उपसमिति के अध्यक्ष के तौर पर बैठक में भाग लिया।

22. 10 और 15 जुलाई 2020 को ंजूम द्वारा एलएनएच नोडल डीआरटीबी केन्द्र पीएमडीटी समीक्षा बैठक की गई। सभी जुड़े चैस्ट क्लीनिकों के सभी डीटीओ/चिकित्सा अधिकारियों ने अपने–अपने चैस्ट क्लीनिकों का डाटा प्रस्तुत किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

23. एनटीईपी के अंतर्गत कार्य करने वाले सभी जिला क्षयरोग अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों और डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए सोमवार 13 जुलाई 2020 को एसटीडीसी हब से जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र ''डीबीटी भुगतान के लिए डिजीटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र के प्राप्ण एवं क्रियान्वयन'' पर था।

24. 14 जुलाई 2020 को जूम के माध्यम से 14 जुलाई 2020 को उत्तरी क्षेत्र की क्षेत्रीय टास्क फोर्स की बैठक की गई। यह बैठक 2020 के लिए उत्तर क्षेत्र के लिए जैडटीएफ गतिविधियों की समीक्षा के लिए आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा माटा, एपीडिमोलॉजिस्ट ने कार्यक्रम में भाग लिया

25. एमओ कैडर के लिए ई–मॉडयूल के विषय की समीक्षा करने के लिए क्षयरोग प्रभाग द्वारा वीडियो कान्फ्रेंस आयोजित चर्चा 16 और 17 जुलाई 2020 को एसईजी प्लेटफार्म पर अपलोड की गई। एनडीटीबी केन्द्र के संकाय, द यूनीयन, डब्लूएचओ और चार चैस्ट क्लीनिकों के डीटीओ ने चर्चा में भाग लिया।

26. जिलों में एनजीओ/पीपी को अनुबंधित करते हुए साझीदारी (2019)पर संशोधित मार्गदर्शक दस्तावेज़ अपनाने में राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों की सहायता करने के लिए केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग (सीटीबीडी) आंध्र प्रदेश और दिल्ली के लिए संशोधित मार्गदर्शक दस्तावेज पर 21 जुलाई 2020 को एक दिन का जागरूकता कार्यक्रम किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा माटा एपीडिमालाजिस्ट ने जूम के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

27. जमीनी स्तर पर कार्यक्रम क्रियान्वयन से जुड़े मामलों, क्षेत्रीय स्तर पर निक्षय/निक्षय औषधि इत्यादि से संबंधित मुद्दों के समाधान में चैस्ट क्लीनिकों की सहायता करने के लिए राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ ने वर्चुअल प्लेटफार्म पर डीटीओ/एमओ/निरीक्षकों/डीईओ के साथ चर्चा सत्र और चैस्ट क्लीनिक स्टाफ की सहायता करने की योजना बनाई है। यह सत्र 24 जुलाई 2020 को चैस्ट क्लीनिक जीटीबी हस्पताल और 31 जुलाई 2020 को मोती नगर चैस्ट क्लीनिक के लिए आयोजित किया गया। राज्य क्षयरोग अधिकारी के साथ डा के के चोपड़ा, निदेशक एनडीटीबीसी ने चैस्ट क्लीनकों के सामने आने वाले मुद्दों का समाधान कियां

28. 27 जुलाई 2020 को टीबी अलर्ट इंडिया के कार्यो और विस्तार का तृतीय पक्ष का मूल्यांकन जूम द्वारा किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

29 केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, भारत सरकार ने संयुक्त सचिव (एमओएचएफडब्लू, भारत सरकार) की अध्यक्षता में एनटीईपी गतिविधियों की समीक्षा के लिए 29 जुलाई 2020 को विर्चुल प्लेटफार्म के माध्यम से सभी राज्यों के साथ बैठक कीं। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

30. जूम प्लेटफार्म के माध्यम से 30 जुलाई 2020 को एनआईआरटीडी की नीतिगत समिति की बैठक हुईं। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति के अपर सचिव के रूप में बैठक में भाग लिया।

31. ई–मॉडयूलर प्रशिक्षण (प्रतिकूल दवा प्रभाव प्रबंधन) से परिचय और मार्गदर्शन के लिए 7 अगस्त 2020 को जूम पर एक सत्र दिल्ली राज्य के जिला क्षयरोग अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया। एनडीटीबी केन्द्र का संकाय और द यूनीयन तथा सीटीडी प्रतिनिधी इसके समन्वयक थे।

32. ईको प्लेटफार्म पर 20 अगस्त 2020 को दिल्ली राज्य एनटीईपी की समीक्षा बैठक हुई। यह बैठक एसटीडीसी हब से आयोजित की गई। दूसरी तिमाही के लिए दिल्ली राज्य के कार्यो का जिलावार विश्लेषण किया गया और डा के के चोपड़ा, निदेशक ने इसे प्रस्तुत किया। संबद्ध जिला अधिकारियों के साथ अलग–अलग चैस्ट क्लीनिकों के कार्य को बेहतर करने के उपायों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त कोविड–19 के समय में एनटीईपी सेवाओ को बनाए रखने में सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई। सभी जिला क्षयरोग अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और पैरा मेडिकल स्टाफ ने चर्चा में भाग लिया।

33. पीएमडीटी मॉडयूल के पायलट परीक्षण के लिए केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने ई–लांच कार्यक्रम आयोजित किया। डा के एस सचदेवा, डीडीजी (टीबी) ने 24 अगस्त 2020 को मॉडयूल का उद्घाटन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक, डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट और डा शंकर माटा, एपीडिमोलॉजिस्ट ने कार्यक्रम में भाग लिया।

34. क्षमता निर्माण परियोजना के अंतर्गत आरबीआईपीएमटी डीआरटीबी की पीएमडीटी दूसरी तिमाही की समीक्षा बैठक 1 और 2 सितम्बर 2020 को हुईं। डा के के चोपड़ा, निदेशक, डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट और डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट ने समीक्षा बैठक में भाग लिया।

35. एसटीडीसी हब के माध्यम से 3 सितम्बर 2020 को ईको प्लेटफार्म द्वारा वीडिया कान्फ्रेंस हुई। यह बैठक डीबीटी एनपीवाई की प्रगति को जानने के लिए की गई। डीबीटी एनपीवाई भुगतान का कार्य करने वाले चैस्ट क्लीनिकों के कर्मचारियों ने सत्र मे भाग लिया।

36. डा जीशान ने कोविड 19 जांच की मॉनीटरिंग करने के लिए 11 और 18 सितम्बर 2020 को विभिन्न निजी प्रयोगशालाओं का दौरा किया।

37. पीपी और डीएसएम मॉडयूल के लिए पीएमडीटी मॉड्यूल्स में किए गए परिवर्तनों तथा एसटीएस, एसटीएलएस में आने वाली विषय–वस्तु तथा उपचार पर्यवेक्षक मॉडयूल्स की विस्तार से समीक्षा करने के

लिए 9 सितम्बर 2020 को विर्चुल समीक्षा बैठक की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया।

38. एसटीडीसी दिल्ली में दूसरी तिमाही 2020 की समीक्षा के लिए 15 सितम्बर 2020 को दिल्ली राज्य पीएमडीटी की समीक्षा बैठक हुई। आईआरएल, सीएण्डडीएसटी प्रयोगशालाओं के माइक्रोबायोलाजिस्ट, डीआर टीबी केन्द्र स्थलों के नोडल अधिकारियों ने तिमाही की अपनी रिपोर्टे प्रस्तुत की। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 2 सितम्बर 2020 को अलग–अलग चैस्ट क्लीनिकों के कार्यो का विश्लेषण प्रस्तुत किया। बैठक में प्रयोगशालाओं और डीआरटीबी केन्द्रों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और उनका समाधान किया गया।

39. 24 सितम्बर 2020 को 'कोविड एवं क्षयरोग' राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

40. 24 सितम्बर 2020 को ईको प्लेटफार्म के माध्यम से दिल्ली राज्य एनटीईपी की दिल्ली राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई। सभी 13 मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधियों ने अपनी गतिविधयां प्रस्तुत की। एनडीटीबी केन्द्र के संकाय ने इसके सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने कोविड और क्षयरोग पर व्याख्यान दिया।

41. 29 सितम्बर 2020 को दिल्ली राज्य एनटीईपी क्षयरोग एचआईवी राज्य तकनीकी कार्यकारी समूह (एसटीडब्लूजी) की बैठक हुई। यह बैठक विर्चुअल प्लेटफार्म द्वारा आयोजित की गई जिसमें अलग–अलग एआरटी केन्द्रों के कार्यो पर चर्चा की गई। सभी एआरटी केन्द्र के कर्मचारियों ने बैठक में भाग लिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया और क्षयरोग–एचआईवी सह संक्रमित रोगियों, टीपीटी से पीएलएचआईवी इत्यादि की स्थिति जैसी दशाओं पर विभिन्न मानदंडो पर आंकडे प्रस्तुत किया।

42. एम्स डीआर टीबी स्थल की क्षमता निर्माण परियोजना के अंतर्गत पीएमडीटी दूसरी तिमाही समीक्षा बैठक 6 अक्तूबर 2020 को हुईं। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने समिति के सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

43. 21 अक्तूबर और 24 अक्तूबर 2020 को एनआईआरटीडी की नीतिगत समिति की बैठक हुईं। बैठक के दौरान दो अनुसंधान परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई और और इन्हें स्वीकृति दी गई।

44. 20 से 24 अक्तूबर 2020 को फेफड़ों के स्वास्थ्य पर 51वीं यूनीयन वर्ल्ड कांफ्रेस हुई। सम्मेलन के दौरान डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''नई दिल्ली में कारागारों में क्षयरोग देखभाल'' शीर्षक से ई–पोस्टर प्रस्तुत किए।

45. रात्रिआश्रयगृहों में रहने वाले लोगों में क्षयरोग का सक्रियतापूर्वक पता लगाने के प्रस्ताव की योजना बनाई गई है। इस परियोजना पर कार्य करने के तरीकों और संचालित करने की प्रक्रिया पर चर्चा करने के लिए 10 नवम्बर 2020 को डीटीओ और निरीक्षण स्टाफ के लिए ईको प्लेटफार्म पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

46. 25 नवम्बर 2020 को 75वी नेटकॉन की वैज्ञानिक समिति की बैठक की गई। यह बैठक भारतीय क्षयरोग संध द्वारा नेटकॉन के लिए वैज्ञानिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने समिति के सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

47. भारत में निजी क्षेत्र में डीआरटीबी की देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए 25 नवम्बर 2020 को डीआरटीबीसी–अमृतसर पंजाब में गुणवत्ता सुधार बैठक (क्यूआईएसम–2) और क्रॉस लर्निंग सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'एडीआर मॉनीटरिंग' पर व्याख्यान दिया।

48. गर्वमेंट मेडिकल कॉलेज एवं हस्पताल चंडीगढ़ द्वारा 27 और 28 नवम्बर 2020 को वर्चुअल प्लूटफार्म द्वारा नेशनल प्लमनरी अपडेट 2020 आयोजित किया गया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'डीआरटीबी दिशा–निदेशों पर नवीनतम परिवर्तनों' पर व्याख्यान दिया।

49. एक दिसम्बर 2020 को 75वी नेटकॉन की वैज्ञानिक समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक भारतीय क्षयरोग संध द्वारा नेटकॉन के लिए वैज्ञानिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने समिति के सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

50. 02 दिसम्बर 2020 को आरबीआईपीएमटी की वैज्ञानिक समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ बैक्टिरियोलाजिस्ट ने सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

51. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र में डीआरटीबी देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए 04 दिसम्बर 2020 को फरीदकोट, पंजाब में गुणवत्ता सुधार बैठक (क्यूआईएम–3) और क्रॉस लर्निंग सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'एमडीआर क्षयरोग उपचार में एडीआर प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

52.. महानिदेशक क्षयरोग की अध्यक्षता में 23 दिसम्बर 2020 को बैठक हुई। इस बैठक में मिश्रित प्रशिक्षण की अवधारणा को विकसित करने के लिए नई लीवरेजिंग प्रौद्योगिकी समाधान पर चर्चा की गई जिससे कि वर्तमान कोविड परिस्थितियो के कारण भौतिक उपस्थिति को कम किया जा सके और अधिक से अधिक प्रतिभागी भाग लें। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

53. 30 दिसम्बर 2020 को एक वर्चुअल बैठक की गई। इस बैठक में ''अक्षयरोगिय माइकोबैक्टिरियल (एनटीएम) रोग की व्याप्तता, जोखिम घटकों और प्रयोगशाला निदान : एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन'' नाम से आईसीएमआर से सहायता प्राप्त परियोजना पर चर्चा की गई। बैठक में एनडीटीबी के निदेशक, उपमहानिदेशक (टीबी), वैज्ञानिक आईसीएमआर और परियोजना समन्वयक ने भाग लिया।

54. 30.12.2020 को एनआईआरटीडी की नीतिगत समिति की विर्चुअल बैठक की गई । इस बैठक में एक वैज्ञानिक परियोजना और संस्थान में चल रही विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में गंभीर प्रतिकूल घटनाओं पर रिपोर्ट पर चर्चा की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

55. 5 जनवरी 2021 को पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गईं । इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एमडीआर क्षयरोग उपचार में एडीआर प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

56. एनटीएम परियोजना में प्रगति पर चर्चा करने के लिए 5 जनवरी 2021 को एक बैठक की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफख् बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने परियोजना के सह–अन्वेषक के रूप में बैठक में भाग लिया।

57. एक वैज्ञानिक परियोजना पर चर्चा करने के लिए 7.01.2021 को आरबीआईपीएमटी की वैज्ञानिक बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने इसके अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया।

58. भारत में निजी क्षेत्र में डीआरटीबी देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए 07 जनवरी 2021 गुणवत्ता सुधार बैठक (क्यूआईएम–3) और मेरठ, उत्तर प्रदेश डीआरटीबी स्थल के लिए क्रॉस लर्निंग सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'एमडीआर क्षयरोग उपचार में एमडीआर प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

59. 7 और 12 जनवरी 2021 को दूसरी और तीसरी तिमाही के लिए लोकनायक हस्पताल, पीएमडीटी स्थल समीक्षा बैठक की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

60. 13 जनवरी 2021 को दिल्ली क्षयरोग संघ में दवा के प्रतिकूल प्रभावों पर उन्मुखता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने दवा के प्रतिकूल प्रभावों पर प्रजेन्टेशन दिया।

61. एलआईएमस, फाइंड ने केपीएमजी के सहयोग से सीएण्ड डीएसटी प्रयोगशालाओं में प्रयुक्त होने वाले ''लॉजिस्टिक मॉड्यूल'' विकसित किया है। आशा है कि इस मॉडयूल से सीएण्डडीएसटी प्रयोगशालाओं में लॉजिस्टिक प्रबंधन से संबंधित चुनौतियां सुगम होंगी। इन मॉडयूल्स के बारे में जानकारी देने के लिए सीएण्डडीएसटी प्रयोगशालाओं में तैनात कर्मचारियों हेतु 19–22 जनवरी 2021 को विर्चुअल प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

62. 21 जनवरी 2021 को तिमाही गुणवत्ता बैठक और क्रासा लर्निंग सत्र आयोजित किया गया। यह ''भारत में निजी क्षेत्र में डीआरटीबी देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर'' करने की परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में झांसी और गोरखपुर नोडल डीआरटीबी केन्द्र के लिए आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'एमडीआर क्षयरोग उपचार में एडीआर प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

63. 23 जनवरी 2021 को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग के साथ विर्चुअल बैठक आयोजित की गई। यह बैठक चिकित्सा अधिकारियो के लिए एनटीईपी के अंतर्गत प्रस्तावित मिश्रित प्रशिक्षण के बारे में थी।

64. 28 से 31 जनवरी 2021 तक 75वीं एनएपीसीओएन विर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। डा चोपड़ा ने ''एमडीआर क्षयरोग में लाइनजोलाइड'' पर व्याख्यान दिया तथा ''क्षयरोग–आण्विक निदान'' पर मौखिक प्रजेन्टेशन के निर्णायक भी रहे।

65. परियोजना ''भारत में सार्वजनिक क्षेत्र में डीआरटीबी देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर करना'' के अंतर्गत 28 जनवरी 2021 को तिमाही गुणवत्ता सुधार बैठक और उत्तर प्रदेश में नोडल डीआरटीबी केन्द्र

गाजियाबाद और इलाहबाद के लिऐक्रॉस लर्निंग सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'एमडीआर क्षयरोग उपचार में एडीआर प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

66. आईसीएमआर ने ''गुणता प्रबंधन प्रणाली और त्वरित आण्विक निदान के अनुकूल उपयोग तथा उसकी लागत प्रभाव के समावेशन द्वारा अभिनामित माइक्रोस्कोपिक केन्द्रों का सुधार'' और ''रिक्शा चालकों एवं निर्माण श्रमिको की उच्च जोखिम वाली जनसंख्या में क्षयरोग और एलटीबीआई को कम करने के लिए क्षयरोग की व्याप्तता और मध्यावर्तन'' शीर्षक से दो अनुसंधानों को मंजूरी दी है। इन दो परियोजनाओं के मुख्य अन्वेषक शेयर इंडिया है और केन्द्र का संकाय सह–मुख्य अन्वेषक हैं। इसकी सामान्य मानक प्रणाली पर चर्चा करने के लिए डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 1,3 और 4 फरवरी 2021 को शेयर इंडिया के साथ बैठक की।

67. 19 परियोजनाओं (डीएनबी थीसिस) पर चर्चा करने के लिए एनआईटीआरडी की पीजी नीतिगत समिति की विर्चुल बैठक 5 और 15 फरवरी 2021 को आयोजित की गई। डा के चोपड़ा, निदेशक ने अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया।

68. 9 फरवरी 2021 को एनआईटीआरडी संकाय नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के चोपड़ा, निदेशक ने अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक में संकाय की चार अनुसंधान परियोजनाओं तथा जारी परियोजनाओं की अधिसूचनाओं पर चर्चा की गई।

69. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र में डीआरटीबी देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए 11 फरवरी 2021 को गुणवत्ता सुधार बैठक (क्यूआईएम–3) और बस्ती और बरेली, उत्तर प्रदेश के लिए क्रॉस लर्निंग सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'एमडीआर क्षयरोग उपचार में एडीआर प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया।

70. 23 फरवरी 2021 को सर गंगा राम हस्पताल में जेईईटी परियोजना के तहत सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और 'सुप्त क्षयरोग संक्रमण' विषय पर व्याख्यान दिया।

71. 25 से 27 फरवरी 2021 तक जिला स्तर की क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला क्षयरोग से ठीक हुए रोगियों के लिए आयोजित की गई जिसमें डा के के चोपड़ा, निदेशक पैनल परिचर्चा का हिस्सा थे और उन्होंने ''क्षयरोग की समाप्ति में क्षयरोग से स्वस्थ होने वाले लोगों की भूमिका'' पर व्याख्यान दिया।

72. डा कौशल, माइक्रोबायोलॉजिस्टएसटीडीसी ने वेंकटेश्वर हस्पताल, द्वारका में बनाई गई कोविड प्रयोगशाला की मॉनीटरिंग के लिए 01 मार्च 2021 को दौरा किया। उन्होंने यह दौरा राज्य सीबीएनएएटी और ट्रिब्यूलन समिति के सदस्य के रूप में किया।

73. डा के के चोपड़ा, निदेशक को आईएसीएमआर के भारतीय क्षयरोग अनुसंधान कंसोर्टियम के विशेषज्ञ सदस्य के तौर पर नामित किया गया। उनहोंने अनसुंधान के कियान्वयन पर प्रस्ताव पर प्रारंभिक चर्चा हेतु बुलाए जाने पर 5 मार्च 2021 को आईसीएमआर के राष्ट्रीय क्षयरोग अनुसंधान कंसोर्टियम की बैठक में हिस्सा लिया।

74 दिल्ली प्राणीउद्यान के कर्मचारियों ने सक्रिय क्षयरोग ज्ञात करने के लिए जांच हेतु 9 से 12 मार्च 2021 को केन्द्र की ओपीडी में भाग लिया। कुल 17 कर्मचारियों की जांच की गई जिसमें से 5 सदस्यों में रोग के कुछ प्रमाण पाए गए और उन्हें आगे की जांच के लिए कहा गया।

75. एसटीडीसी दिल्ली में 10 मार्च 2021 को दिल्ली राज्य पीएमडीटी समीक्षा बैठक हुई। कल्चर डीएसटी प्रयोगशालाओं और डीआरटीबी केन्द्रों के नोडल अधिकारियों ने तिमाही की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रयोगशालाओं और नोडल डीआटीबी केन्द्रों से जुडे. विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गईं।

76. डा जीशान, माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसटीडीसी ने डा सूरी लैब प्रा.लि., पूसा रोड, नई दिल्ली में बनाई गई कोविड प्रयोगशाला की मॉनीटरिंग के लिए 10 मार्च 2021 को दौरा किया। उन्होंने यह दौरा राज्य सीबीएनएएटी और ट्रिब्यूलन समिति के सदस्य के रूप में किया।

77 कार्यकारिता सूचक मॉनीटरिंग के बारे में जागरूकता और दिल्ली राज्य एनटीईपी की 2020 की चौथी तिमाही की समीक्षा के लिए 16 मार्च 2021 को एसटीडीसी में बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने चैस्ट क्लीनिकों की जिलावार कार्यकारिता को सामने रखा और फीडबैक दी। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सक्रिय मामलों का पता लगाने के अभियान की विस्तृत जानकारी भी दी। बैठक मे जिला क्षयरोग अधिकारियों और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग द्वारा मॉनीटर किए जाने वाले कार्यकारिता सूचकों के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें आवधिक रूप से अपने कार्य का विश्लेषण करने के बारे में बतया गया।

78. जेईईटी परियोजना के तहत एक सीएमई 18 मार्च 2021 को प्राइमस हस्पताल में आयोजित की गई।डा के के चोपड़ा, निदेशक नेडा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''एलटीबी पर अद्यतन जानकारी'' पर व्याख्यान दिया।

79. 13 से 14 मार्च 2021 को एम्स पल्मोक्विट–2021 का अयोजन किया गया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने क्षयरोग पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

80. विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र पर 18 मार्च 2021 से 25 मार्च 2021 तक कई गतिविधियों आयोजित की गई। इस वर्ष भी एसपीवाईएम (सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ यूथ एण्ड मासिस) विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में बच्चों को भाग लेने के प्रोत्साहित किया गया। इसमें कई गतिविधियों जैसे क्षयरोग पर चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन प्रतियिागिता और कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आईईसी के साथ स्वास्थ्य चर्चा का भी आयोजन किया गया। दिल्ली के हौज खास क्षेत्र में सामुदायिक बैठक का आयोजन भी किया गया जिसमें लोगों को क्षयरोग, उसके उपचारर और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। क्षयरोग सप्ताह के आयोजन का समापन 25 मार्च 2021 को नई दिल्ली क्षयरोग में किया गया जिसमें रोगियों के लिए क्षयरोग पर स्वास्थ्य चर्चा का आयोजन किया गया और चित्रकला एवं कविता पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

81. 22 मार्च 2021 को एनआईटीआरडी की संकाय की नीतिगत समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने इसके अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया।

82. आईएसमएएएस (हरियाणा चैप्टर) एवं इंडियन चैस्ट सोसायटी (हरियाणा चैप्टर) ने 24 मार्च 2021 को विश्व क्षयरोग दिसवस पर वेबीनार का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने इस अवसर पर ''पीएमडीटी में नवीन परिवर्तनों'' पर व्याख्यान दिया।

83. गर्वमेंट मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ़ ने विश्व क्षयरोग दिवस पर 24 मार्च 2021 को एक सम्मेलन का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने इस अवसर पर ''सुप्त क्षयरोग संक्रमण पर नवीनतम जानकारी'' दी।

84. एम्स भोपाल ने 24 मार्च 2021 को विश्व क्षयरोग दिवस पर वेबीनार आयोजित किया। इस अवसर पर डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''पीएमडीटी हेतु दिशा–निदेश – व्यावहारिक विवेचन'' पर व्याख्यान दिया।

85. केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय एवं एफडब्लू ने 24 मार्च 2021 को डा अम्बेड़कर इंटरनेशनल सेंटर में विश्व क्षयरोग दिवस मनाया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा हर्षवर्धन ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। एनडीटीबी केन्द्र के संकाय ने कार्यक्रम में भाग लिया।

86 एनसीपीआई ने 25 मार्च 2021 को समुदाय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट ने क्षयरोग पर व्याख्यान दिया।

87. 30 मार्च 2021 को दिल्ली एनटीईपी के दिल्ली राज्य टास्क फोर्स की ईको प्लेटफार्म द्वारा बैठक हुई। सभी 14 मेडिकल कॉलजों के प्रतिनिधियों ने अपनी–अपनी गतिविधियां प्रस्तुत की। इसके सदस्य के रूप में एनडीटीबी केन्द्र के संकाय ने बैठक में भाग लिया।

88. विश्व क्षयरोग दिवस के दौरान डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 28.03.2021 को डीडी न्यूज़ पर ''क्षयरोग'' पर चर्चा की।

बैठकें

1. 20 जुलाई 2020 को क्षयरोग संघ में रिकार्ड के रख–रखाव पर निर्णय के लिए बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने विशेषज्ञ के रूप में बैठक में भाग लिया।

2. डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 1 अगस्त 2020 को भारतीय क्षयरोग संघ की बैठक में भाग लिया। बैठक मे 2 अक्तूबर 2020 को जारी की जाने वाली टीबी सील डिजाइन पर चर्चा की गई और उसे अंतिम रूप दिया गया।

3. 17 सितम्बर 2020 को उपमहानिदेशक क्षयरोग की अध्यक्षता में विर्चुल बैठक की गई। बैठक में फाइंड के माध्यम से प्रयोगशाला एचआर सहायता के रूपांतरण और कल्स्चर एवं डीएसटी प्रयोगशालाएं स्थापित करने में हुई प्रगति पर चर्चा की गई।

4. एनडीटीबी केन्द्र की एमएसीपी पदोन्नति की 13 अक्तूबर 2020 को बैठक हुई। बैठक में एनडीटीबी कर्मचारियों के पदोन्नति के मामलों पर चर्चा की गई और स्वीकृति दी गई।

5. 18 नवम्बर 2020 को एनडीटीबी केन्द्र की प्रबंधन समिति की बैठक हुई। बैठक में कर्मचारियों के विभिन्न मामलों और एनडीटीबी केन्द्र के लंबित मामलोंपर चर्चा की गई।

6. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्यण मंत्रालय ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन स्वायत्त निकाय राष्ट्रीय क्षयरोग एवं श्वसन रोग संस्थान (एनआईटीआरडी) की पूर्व समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ पैनल बनाया है। मंत्रालय ने पैनल के सदस्यों को 14 से 18 दिसम्बर तक एनआईटीआरडी की समीक्षा करने के लिए कहा। डा के चोपड़ा, निदेशकपैनल के सदस्यों में से एक थे और उन्होंने समीक्षा के लिए एनआईआरटीडी का दौरा किया।

7. 22 मई 2019 को एनआईटीआरडी में एनडीटीबी केन्द्र, नई दिल्ली की विजन समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने एनडीटीबी केन्द्र के विकास के लिए प्रस्तावित विजन कार्ययोजना प्रस्तुत की। सदस्यों ने कार्ययोजना पर चर्चा की और अपने विचार व्यक्त किए।

8. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग के सहयोग से देश भर में राज्य राउंड टेबल सम्मेलनो का आयोजन किया। दिल्ली के लिए राउंड टेबल सम्मेलन 15 जनवरी 2021 को हुआ जिसमें डा के चोपड़ा, निदेशक ने ''दिल्ली राज्य परिप्रेक्ष्य'' पर व्याख्यान दिया।

9. 18 जनवरी 2021 को एनेक्टस, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं कॉमर्स (स्वैच्छिक अंतर्राष्ट्रीय छात्र निकाय संगठन) के साथा वर्चुअल बैठक हुई। यह बैठक सोशल उद्यमिता मॉडल के माध्यम से हमारे देश के अभावग्रस्त और जरूरतमंद लोगों क्षयरोग सेवाएं और सहायता प्रदान करने से संबंधित थी। डा के चोपड़ा, निदेशक ने इन गतिविधियों को चलाने के लिए विभिन्न विकल्पों पर बैठक में चर्चा की। स्वैच्छिक संगठन के आठ सदस्यों ने सत्र में भाग लिया।

10. ईको इंडिया के नव नियुक्त उपाध्यक्ष के साथ 4 फरवरी 2021 को बैठक हुई जिसमें जारी गतिविधियों की समीक्षा और भारतीय क्षयरोग संघ द्वारा कार्यो के विस्तार पर चर्चा की गई।

11. आईसीएमआर ने दो परियोजनओं को मंजूरी दी जिसमें केन्द्र का संकाय सह–प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्यरत है। इन दो परियोजनाओं के अंतर्गत 4 मार्च 2021 को मानव संसाधन के साक्षात्कार किए गए। इन साक्षात्कारों में डा के चोपड़ा, निदेशक इंटरव्यू बोर्ड के सदस्य थे।

12. आईएसएमआर स्वीकृत एनटीएम परियोजना मे विभिन्न पदों के लिए 11 मार्च 2021 को विर्चुल साक्षात्कार किए गए। डा के चोपड़ा, निदेशक और डा हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने विशेषज्ञ के रूप में इसमें भाग लिया।

प्रशिक्षण एवं पर्यवेक्षण अनुभाग

<u>एनटीईपी प्रशिक्षण</u>

विभिन्न श्रेणियो के कर्मचारियो (चिकित्सा अधिकारी, एसटीएस, एसटीएलएस, नर्सिंग) का प्रशिक्षण और कार्यशालाएं एनटीईपी का अभिन्न अंग है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एनडीटीबी के कर्मचारियों द्वारा पूरे वर्ष राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ, केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग और डब्लूएचओ के सहेयाग से संचालित किए जाते हैं। एनटीईपी प्रशिक्षण और कार्यशालाएं नियमित रूप से एनडीटीबीसी में आयोजित की जाती हैं किसी भी संशोधित दिशा–निदेशो पर कर्मचारियों को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। विभिन्न कॉलेजों के नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी, क्षयरोग के लक्षणों, निदान, उपचार के तरीकों, डॉट को अंगीकार करना, एमडीआर टीबी निदान तथा उसके उपचार से संबंधित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में स्वास्थ्य देखभाल में संक्रमण नियंत्रण, क्षयरोग के रोगियों की देखभाल में नर्सिंग कार्मिकों की भूमिका और दायित्व तथा क्षयरोग की रोकथाम जैसे विषय भी शामिल किए जाते हैं।

एनटीईपी के अंतर्गत प्रशिक्षण के प्रमुख बिन्दु :

- एनटीईपी के लिए काम करने वाले मेडिकल और पैरा मेडिकल कर्मचारियों को आधुनिक और व्यावाहारिक प्रशिक्षण देना
- प्रशिक्षण की आवश्यकताओं का आकलन। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करना।
- वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार करना।
- संसाधनगत व्यक्तियों, स्थान इत्यादि की पहचान करना।
- दिल्ली राज्य के लिए प्रशिक्षित श्रमशक्ति की निदेशिका बनाना।
- राज्य स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करना।
- जिला और उप जिला स्तर पर दिए जाने वाले प्रशिक्षणों की गुणवत्ता का आवधिक निरीक्षण और विश्लेषण करनां।
- प्रशिक्षण मूल्यांकन प्रणालियों का मानकीकरण करना।

प्रशिक्षण के साधन एनडीटीबीसी, एमएएमसी का संकाय और दिल्ली राज्य के जिला क्षयरोग अधिकारी होते है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है :–

1. सरकार एनडीटीबी केन्द्र की बीएसएी–3 प्रयोगशाला में कोविड–19 जांच आरंभ करने की योजना बना रही है। इसकी प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इसके लिए 14 अप्रैल 2020 को एनडीटीबी केन्द्र के प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए जूम प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

2. डा जीशान, माइक्रोबायॉलाजिस्ट ने 2 मई 2020 को इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एण्ड बेलरी एण्ड साइंसिज़ में कोविड–19 जांच में जैव सुरक्षा पर एक दिन के प्रशिक्षण में भाग लिया।

3. ट्रूनेट मशीनों पर कोविड 19 जांच करने के लिए एनडीटीबी केंद्र में 4 और 5 मई 2020 को एनडीटीबी प्रयोगशाला और एमएएमसी के कार्मिकों को कार्यात्मक प्रशिक्षण दिया गया। एनडीटीबी केन्द्र के तकनीकी कर्मचारियों और एमएएमसी प्रयोगशाला के कर्मचारियों ने कार्यात्मक प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।

4. एनडीटीबी केन्द्र की प्रयोगशाला में लोकनायक जयप्रकाश नारायण हस्पताल और यूसीएमएस के प्रयोगशाला कार्मिकों के लिए ट्रूनेट पर कोविड 19 जांच हेतु एक दिन का प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

5. आईआरएल एनडीटीबी केन्द्र में 24 जून 2020 को जीटीबी हस्पातल और यूसीएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए ट्रूनेट पर कोविड जांच हेतु प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया।

6. हमदर्द हस्पताल और राजीव गांधी कैंसर संस्थान के डॉक्टरों तथा प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 25 जून 2020 को एनडीटबी केंद्र में कोविड 19 जांच के लिए जीनएक्सपर्ट से संबंधित प्रशिक्षण में भाग लिया।

7. जीबी पंत हस्पातल के प्रयोगशाला कार्मिकों को 29 जून 2020 को आईआरएल एनडीटीबी केन्द्र में ट्रूनेट कोविड 19 पर प्रायाोगिक प्रशिक्षण दिया गया।

8. 1 जुलाई 2020 को एसटीडीसी हब से ईको प्लेटफार्म पर एमओ, एसटीएल और डीआरटीबी पर्यवेक्षकों के लिए सजगता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उन्हें 2020 की पहली तिमाही में आंकड़ों में विसंगतियो को सही करने के लिए पीएमडीटी गूगल शीट में प्रविष्टियों, आंकडो के स्रोत के बारे में सजग किया गया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। लगभग 125 प्रतिभागियों ने सत्र में भाग लिया।

9. निजी डायग्नोस्टिककेन्द्रों के डाक्टरों तथा प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 6 जुलाई 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में कोविड–19 जांच के ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट पर परिचयात्मक प्रशिक्षण में भाग लिया। इसी प्रकार के प्रशिक्षण सत्र 9 जुलाई 2020 और 22 जुलाई 2020 को भी आयोजित किए गए।

10. एसटीडीसी हब से 30 जुलाई 2020 को ईको प्लेटफार्म पर नोडल अधिकारियों, नोडल डीआरटीबी केन्द्रो/डीआरटीबी केन्द्रों/डीटीओ/चिकित्सा अधिकारियों/डीआरटीबी केन्द्रों के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/एसए/जिला डीआरटीबी/क्षयरोग एचआईवी समन्वकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सत्र ''डीआरटीबी रोगियों हेतु निक्षय आधारित रिपोर्टिंग हेतु रूपांतरण'' पर था।

11. निजी डायग्नोस्टिक केन्द्रों के माइक्रोबायोलाजिस्टं तथा प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 6 अगस्त 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में कोविड–19 जांच के लिए ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट पर परिचयात्मक प्रशिक्षण में भाग लिया।

12. 10 अगस्त 2020 को एसटीडीसी हब से प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण एनटीईपी 'प्रयोगशाला दिशा–निदेशों के अनुसार फेज IV सीबीएनएटी ईक्यूए के क्रियान्वयन' पर था और सत्र को ईको प्लेटफार्म द्वारा आयोजित किया गया। आईआरएल, एनडीटीबी केन्द्र के माइक्रोबायोलाजिस्ट ने इसमें भाग लियां।

13. निजी डायग्नोस्टिक केन्द्रों के माइक्रोबायोलाजिस्टं ने 10 सितम्बर 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में कोविड–19 जांच के लिए ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट पर परिचयात्मक प्रशिक्षण में भाग लिया।

14. पीएमडीटी रिपोर्टिंग के प्रारूपों और निक्षय रूपांतरण पर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। ये सत्र दिल्ली राज्य के सभी चैस्ट क्लीनिकों के चिकित्सा अधिकारियों, एसटीएल और डॉट प्लस पर्यवेक्षको के लिए आयोजित किए गए जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

- 20 अक्तूबर 2020 को एसपीएम हस्पताल और करावल नगर चैस्ट क्लीनिक के लिए
- 21 अक्तूबर 2020 को एनआईटीआरडी और चौधरी देशराज चैस्ट क्लीनिक के लिए
- 22 अक्तूबर 2020 को दीनदयाल उपाध्याय हस्पताल और शाहदरा चैस्ट क्लीनिक के लिए
- 27 अक्तूबर 2020 को किंग्सवे चैस्ट सेंटर और जीटीबी चैस्ट क्लीनिकों के लिए
- 28 अक्तूबर 2020 को नेहरू नगर और झंडेवालान चैस्ट क्लीनिकों के लिए
- 29 अक्तूबर 2020 को मालवीय नगर और नरेला चैस्ट क्लीनिकों के लिए

15. निजी डायग्नोस्टिक केन्द्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट ओर प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 23 अक्तूबर 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में कोविड–19 हेतु ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट से संबंधित प्रारंभिक प्रशिक्षण केन्द्र में भाग लिया।

16. पीएमडीटी रिपोर्टिंग के प्रारूपों और निक्षय रूपांतरण पर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। ये सत्र दिल्ली राज्य के सभी चैस्ट क्लीनिकों के चिकित्सा अधिकारियों, एसटीएल और डॉट प्लस पर्यवेक्षको के लिए आयोजित किए गए जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

- 03 नवमबर 2020 को बीएसए हस्पताल और एसजीएम चैस्ट क्लीनिकों के लिए
- 05 नवम्बर 2020 को बीजेआरएम,आरटीआरएम और चौधरी देशराज चैस्ट री देशराज चैस्ट क्लीनिक के लिए
- 10 नवम्बर 2020 को एनडीएमसी, गुलाबी बाग चैस्ट क्लीनिकों के लिए
- 11 नवम्बर 2020 को पटपडगंज और आरकेएमचैस्ट क्लीनिकों के लिए
- 12 नवम्बबर 2020 को बिजवासन और लोकनायक चैस्ट क्लीनिकों के लिए
- 17 नवम्बर 2020 को पीली कोठी और हेडगवार हस्पताल चैस्ट क्लीनिकों के लिए

17. निजी डायग्नोस्टिक केन्द्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट ओर प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 25 नवम्बर 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में कोविड–19 हेतु ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट से संबंधित प्रारंभिक प्रशिक्षण केन्द्र में भाग लिया।

18. एनडीटीबी केन्द्र (एसटीडीसी) ने राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ के सहयोग से विर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से दिल्ली के सभी चैस्ट क्लीनिकों के साथ परस्पर संवादात्मक सहयोग सत्रों का आयोजन किया। इन सत्रों के कार्यक्रम से संबद्ध सभी संकेतकों की विस्तार से जानकारी दी गई और इनसे जुड़े स्टाफ को निक्षय पोर्टल में डाटा प्रविष्टियों को अद्यतन/संशोधित करने के लिए कहा गया। ये सत्र 18,21,22,23 और 24 दिसम्बर 2020 को विभिन्न चैस्ट क्लीनिकों में आयोजित किए गए।

19. 29 दिसम्बर 2020 को एसटीडीसी में कार्यकारिता सूचक मॉनीटरिंग से संबद्ध सजगता और दिल्ली राज्य एनटीईपी की 2020 की तीसरी तिमाही की समीक्षा बैठकहुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने चैस्ट क्लीनिकों के कार्यो की जिलावार जानकारी दी तथा फीडबैक दिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सक्रिय मामले ज्ञात करने के अभियान पर विस्तृत जानकारी भी दी। जिला क्षयरोग अधिकारियों और स्टाफ को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग द्वारा मॉनीटर किए जाने वाले कार्यकारिता सूचकों के बारे में जागरूक किया गया और स्वकार्यो का आवधिक रूप से विश्लेषण करने के बारे में बताया गया।

20. एनटीईपी के अंतर्गत काम करने वाले प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए कोविड–19 जांच हेतु ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट के बारे में 22.01.2021, 25.01.2021, 27.01.2021 और 28.01.2021 को प्रारंभिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

21. निजी डायग्नोस्टिक केन्द्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट ओर प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 29 जनवरी 2021 को एनडीटीबी केन्द्र में कोविड–19 हेतु ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट से संबंधित प्रारंभिक प्रशिक्षण केन्द्र में भाग लिया।

22. 2 और 04 फरवरी 2021 को एनडीटीबी केन्द्र में चिकित्सा अधिकारियों के लिए एनटीईपी दिशा–निदेशों पर एक दिन का जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली जिला क्षयरोग केन्दों के चिकित्सा अधिकारियों, रेफरल इकाईयों और नोडल डीआर टीबी केन्द्रों ने सत्र में भाग लिया।

23. एनडीटीबी केन्दों में प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए चार बैचों में ट्रूनेट मशीनो पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया (23 से 26 फरवरी 2021)।

24. 12 मार्च 2021 को आरबीआईपीएमटी हस्पताल में क्लीनिकल ट्रायल में अच्छी नैदानिक रीतियों पर एक दिन का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने अध्यक्ष और आरबीआईपीएमएटी के सदस्य के रूप में सत्र में भाग लिया। यह नीतिगम समिति के नवीकरण की पूर्वापेक्षा थी।

01 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एसटडीसी)
में आयोजित प्रशिक्षण

क्रम सं.	प्रशिक्षण	प्रतिभागियों की संख्या
1	एनटीईपी कार्मिक (मेडिकल एवं पैरा मेडिकल)	2295
2	विविध प्रशिक्षण (एनडीटीबीसी संकाय द्वारा विभिन्न राज्यों हेतु विर्चुल प्रशिक्षण)	1101
3	निजी प्रैक्टशिनरों का प्रशिक्षण	124
	योग	3520

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक 54 दिनों के प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए और 2295 कार्मिकों को एनटीईपी के विभिन्न पक्षों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इन सत्रों में विभिन्न विषयों जैसे एनटीपईपी, क्षयरोग के लक्षण और पहचान, निदान, उपचार के तरीकों, डॉट्स, एमडीटारटीबी निदान के लिए नई तकनीकें अपनाना और उसके उपचार पर चर्चा की गई। इसके साथ कोविड–19 जांच पर ट्रूनेट, जीनएक्सपर्ट पर प्रायोगिक प्रशिक्षण और पीएमडीटी दिशा–निदेश, स्वास्थ्य कर्मियों के लिए संक्रमण नियंत्रण, क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सिग कार्मिकों की भूमिका और दायित्व और क्षयरोग की रोकथाम जैसे कई विषयों पर विस्तार से `चर्चा की गई। पंजाब और उत्तर प्रदेश राज्य के डॉक्टरों और पर्यवेक्षकों के लिए डीआरटीबीहेतु 13 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए जबकि 1101 कार्मिकों को विर्चुल बैठकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। इस वर्ष निजी डाक्टरों के लिए सजगता कार्यक्रम किए गए और 124 चिकित्सा कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया।

सारणी : 01 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एसटडीसी)
मेंदिल्ली राज्य एनटीईपी कार्मिकों (मेडिकल एवं पैरा मेडिकल) के लिए आयोजित प्रशिक्षणों का विवरण

	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	तिथि	विर्चुल / फिजीकल	प्रतिभागियों की संख्या
1.	दिल्ली राज्य के पैरा मेडिकल स्टॉफ के लिए कोविड–19 रोग, उसके लक्षण,निदान, प्रबंधन और रोकथम पर सजगता कार्यक्रम	एनटीईपी का समग्र पैरा मेडिकल स्टाफ	01.04.2020	विर्चुल	85
2.	एनडीटबी केन्द्र के बीएलएल–3 में कोविड–19 जांच प्रारभ करने के लिए प्रयोगशाला कर्मचारियों का प्रशिक्षण	प्रयोगशाला तकनीशियन	14.04.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	20
3.	एनडीटीबीसी एवं दिल्ली एनटीईपी के संकाय हेतु ट्रूनेट बीटा पर प्रायागिक सत्र	प्रयोगशाला तकनीशियन	21.04.2020	विर्चुल	20
4.	दिल्ली राज्य एनटीईपीके कर्मचारियों हेतु ट्रूनट बीटा सीओवी विर्चुल प्रशिक्षण	एनटीईपी का समग्र पैरा मेडिकल स्टाफ	24.04.2020	विर्चुल	25
5.	ट्रूनेट पर कोविड–19 जांच करने के लिए एनडीटीबीसी एवं एमएएमसी के तकनीकी कर्मचारियों हेतु प्रायोगिक प्रशिक्षण	माइक्रोबायोलाजिस्ट एवं प्रयोगशाला तकनीशियन	04.05.2020 to 05.05.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	14
6.	जिला क्षयरोग अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों और एनटीईपी दिल्ली के चैस्ट क्लीनिकों के	जिला क्षयरोग अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और एनटीईपी दिल्ली के चैस्ट क्लीनिकों के	06.05.2020	विर्चुल	225

	पैरा मेडिकल कर्मचारियों हेतु कोविड–19 के दौरान संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम रीतियों पर प्रशिक्षण कार्यशाला	पैरा मेडिकल कर्मचारी			
7.	ट्रूनेट मशीनों पर जांच के लिए कोविड 19 मामलों के नमूने लेने के बारे में क्वारंटीन केन्द्रों के नोडल अधिकारयों के लिए	दिल्ली में क्वारंटीन केन्द्रों के नोडल अधिकारी	08.05.2020	विर्चुल	125
8.	जिला क्षयरोग अधिकारियों की दिल्ली राज्य संवेदीकरण एवं समीक्षा बैठक	डीटीओ, एमओ और निरीक्षक	14.05.2020	विर्चुल	150
9.	2020 की पहली तिमाही के लिए एनआइआरटीडी डीआरटीबी से जुड़े डीआरटीबी केन्द्र की समीक्षा का आयोजन	डीआरटीबी स्थल, नोडल अधिकारी, माइक्रोबायोलॉजिस्ट डीटीओ	19.05.2020	विर्चुल	32
10.	एलएनजेपी और यूसीएमएस के प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए कोविड 19 जांच का प्रायोगिक प्रशिक्षण	मइक्रोबायोलॉजिस्ट, प्रयोगशाला स्टाफ	26.05.2020	विर्चुल	12
11.	एनडीटीबीसी, एमएएमसी के संकाय, राज्य एवं केन्द्र के नोडिल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण व राज्य स्तरीय कोविड जांच समन्वय बैठक। यह प्रशिक्षण विभिन्न प्रयोगशालाओं के कैचमेंट क्षेत्र के साथ संपर्क पर था।	माइक्रोबायोलॉजिस्ट, राज्य के नोडल अधिकारियों	01.06.2020	फिजीकल	10

12.	निजी क्षेत्र में पीएचआई और स्वास्थ्य सुविधाओं के डाटा अद्यतनीकरण पर पैरा मेडिकल स्टाफ और एमओ के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम।	जिला क्षयरोग अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	03.06.2020	विर्चुल	125
13.	दिल्ली, बिहार और जम्मू–कश्मीर के एमओ, एसटीएल और डीईओ के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम। अनुलग्नक एम और सीबीएनएएटी सूचकों के रिपोर्टिंग प्रारूप से संबंधित सत्र	दिल्ली, बिहार और जम्मू–कश्मीर के चिकित्स अधिकारी, एसटीएएलएस, डीईओ	15.06.2020	विर्चुल	145
14.	पीएमडीटी गतिविधि दिल्ली राज्य जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	सीडीएसटी प्रयोगशालाओं एवं डीआरटीबी स्थलों के डीटीओ, एमओ, नोडल अधिकारी	18.06.2020	विर्चुल	165
15.	जीटीबी और यूसीएमएस के माइक्रोबायोलाजिस्ट एवं प्रयोगशाला तकनीशियनों का ट्रूनेट सीओ पर प्रशिक्षण	माइक्रोबायोलाजिस्ट एवं प्रयोगशाला तकनीशियन	24.06.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	5
16.	हमदर्द हस्पताल और राजीव गांधी इंस्टीट्यूट के माइक्रोबायोलाजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों का कोविड 19 जांच हेतु जीनएक्सपर्ट परं प्रशिक्षण	माइक्रोबायोलाजिस्ट एवं प्रयोगशाला तकनीशियन	25.06.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	4
17.	जीबी पंत हस्पताल के प्रयोगशाला स्टाफ का	माइक्रोबायोलाजिस्ट एवं प्रयोगशाला	29.06.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	5

	ट्रूनेट कोविड–19 जांच पर प्रशिक्षण	तकनीशियन			
18.	गूगल स्प्रेड शीट पर एमडीआर डाटा प्रविष्टि पर चिकित्सा अधिकारियों और सहायक स्टाफ का संवेदीकरण कार्यक्रम		01.07.2020	विर्चुल	125
19.	डीबीटी भुगतान के लिए डीएसटी के ''प्राप्ण एवं क्रियान्वयन'' पर जिला क्षयरोग अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों और डीईओ का प्रशिक्षण	जिला क्षयरोग अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और डीईओ	13.07.2020	विर्चुल	85
20.	''डीआरटीबी रोगियों के लिए निक्षय आधारित रिपोर्टिंग'' पर नोडल अधिकारियों, जिला क्षयरोग अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों और समन्वयकों का संवेदीकरण प्रशिक्षण	नोडल अधिकारी, जिला क्षयरोग अधिकारी और समन्वयक	30.07.2020	विर्चुल	90
21.	छवाओं के प्रतिकूल प्रभाव प्रबंधन पर जिला क्षयरोग अधिकारियों के लिए ई–मॉड्यूलर प्रशिक्षण परिचय एवं दिशा–निदेश	जिला क्षयरोग अधिकारी	07.08.2020	विर्चुल	12
22.	एनटीईपी के दिशा–निदेशों के अनुसार चरण सीबीएनएएटी IV के क्रियान्वयन पर जिला क्षयरोग अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों और एसटीएल का प्रशिक्षण	जिला क्षयरोग अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और एसटीएल	10.08.2020	विर्चुल	85

23.	दिल्ली राज्य संवेदीकरण एवं जिला क्षयरोग अधिकारियों की समीक्षा बैठक	जिला क्षयरोग अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	20.08.2020	विर्चुल	95
24.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	20.10.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6
25.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	21.10.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	5
26.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	22.10.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6
27.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	27.10.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	5
28.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	28.10.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	7
29.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	29.10.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	5
30.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	03.11.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	7
31.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	05.11.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6
32.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	10.11.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6
33.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और	11.11.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6

	पर संवेदीकरण सत्र	डीपीएस			
34.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	12.11.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6
35.	पीएमडीटी रिपोर्टिंग एवं निक्षय रूपांतरण पर संवेदीकरण सत्र	चिकित्सा अधिकारी, एसटीएलएस और डीपीएस	17.11.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	7
36.	निक्षय पोर्टल में डाटा प्रविष्टियों को अद्यतन/संशोधित करने हेतु कार्यक्रम संबंधी सभी सूचकों पर परस्पर सहयोगात्मक सत्र (बैच 1)	चिकित्सा अधिकारी, डीपीएस और डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	18.12.2020	विर्चुल	30
37.	निक्षय पोर्टल में डाटा प्रविष्टियों को अद्यतन/संशोधित करने हेतु कार्यक्रम संबंधी सभी सूचकों पर परस्पर सहयोगात्मक सत्र (बैच 2)	चिकित्सा अधिकारी, डीपीएस और डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	21.12.2020	विर्चुल	30
38.	निक्षय पोर्टल में डाटा प्रविष्टियों को अद्यतन/संशोधित करने हेतु कार्यक्रम संबंधी सभी सूचकों पर परस्पर सहयोगात्मक सत्र (बैच 3)	चिकित्सा अधिकारी, डीपीएस और डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	22.12.2020	विर्चुल	30
39.	निक्षय पोर्टल में डाटा प्रविष्टियों को अद्यतन/संशोधित करने हेतु कार्यक्रम संबंधी सभी सूचकों पर परस्पर सहयोगात्मक सत्र (बैच 4)	चिकित्सा अधिकारी, डीपीएस और डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	23.12.2020	विर्चुल	32
40.	निक्षय पोर्टल में डाटा प्रविष्टियों को	चिकित्सा अधिकारी, डीपीएस और डाटा	24.12.2020	विर्चुल	35

	अद्यतन/संशोधित करने हेतु कार्यक्रम संबंधी सभी सूचकों पर परस्पर सहयोगात्मक सत्र (बैच 5)	एन्ट्री ऑपरेटर			
41.	कार्यकारिता सूचक मॉनीटरिंग पर दिल्ली राज्य संवेदीकरण कार्यक्रम	जिला क्षयरोग अधिकारी और चिकित्सा अधिकारी	29.12.2020	विर्चुल	125
42.	एडीआर प्रबंधन के लिए दिल्ली एनटीईपी के पैरा मेडिकल स्टाफ हेतु क्षमता निर्माण कार्यशालाएं	पैरा मेडिकल स्टाफ	05.01.2021	विर्चुल	137
43.	दिल्ली क्षयरोग संघ के पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव (एडीआर) पर उन्मुखता प्रशिक्षण कार्यक्रम	पैरा मेडिकल स्टाफ	13.01.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6
44.	एनटीईपी के अंतर्गत कार्यरत प्रयोगशाला स्टाफ के लिए कोविड 19 परीक्षण हेतु ट्रूनेट एवं जीनएक्सपर्ट पर उन्मुखता प्रशिक्षण	एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियन	22.01.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	3
45.	एनटीईपी के अंतर्गत कार्यरत प्रयोगशाला स्टाफ के लिए कोविड 19 परीक्षण हेतु ट्रूनेट एवं जीनएक्सपर्ट पर उन्मुखता प्रशिक्षण	एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियन	25.01.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	5
46.	एनटीईपी के अंतर्गत कार्यरत प्रयोगशाला स्टाफ के लिए कोविड 19 परीक्षण हेतु ट्रूनेट एवं	एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियन	27.01.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6

	जीनएक्सपर्ट पर उन्मुखता प्रशिक्षण				
47.	एनटीईपी के अंतर्गत कार्यरत प्रयोगशाला स्टाफ के लिए कोविड 19 परीक्षण हेतु ट्रूनेट एवं जीनएक्सपर्ट पर उन्मुखता प्रशिक्षण	एसटीएलएस और प्रयोगशाला तकनीशियन	28.01.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	6
48.	एनटीईपी दिशा–निदेशों पर चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	चिकित्सा अधिकारी	02.02.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	8
49.	एनटीईपी दिशा–निदेशों पर चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	चिकित्सा अधिकारी	04.02.2021	मॉडयूलर प्रशिक्षण	7
50.	ट्रूनेट मशीनों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण	प्रयोगशाला तकनीशियन	23.02.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	8
51.	ट्रूनेट मशीनों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण	प्रयोगशाला तकनीशियन	24.02.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	8
52.			25.02.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	11
53.	ट्रूनेट मशीनों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण	प्रयोगशाला तकनीशियन	26.02.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	12
54.	पीएमडीटी पर जिला क्षयरोग अधिकारियों और चिकित्सा अधिकारियों की दिल्ली राज्य संवेदीकरण एवं समीक्षा बैठक	जिला क्षयरोग अधिकारी, डीआरटीबी केन्द्र के माइक्रोबायोलाजिस्ट और नोडल अधिकारी	10.03.2021	विर्चुल	65
	योग				2295

विविध प्रशिक्षण

यूनीयन ने ''क्वाटरली क्वालिटी इम्प्रूवमेंट मीटिंग एण्ड क्रॉस लर्निंग सेशन'' परियोजना का संचालन किया। पंजाब और उत्तर प्रदेश राज्य एनटीईपी के डॉक्टरों और निरीक्षकों के लिए एडीआर मॉनीटरिंग (सामान्य एडीआर, एडीएसएम और एडीआर टूलकिट) पर सत्र आयोजित किया गया। जूम प्लेटफार्म द्वारा निम्नलिखित तिथियों पर प्रशिक्षण दिया गया :

	प्रशिक्षण स्थल	प्रतिभागियों का शीर्षक	दिनांक	आभासी / भौतिक	कुल प्रतिभागियों की संख्या
1	पटियाला डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	30.10.2020	विर्चुल	125
2	अमृतसर डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	25.11.2020	विर्चुल	110
3	फरीदकोट डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	04.12.2020	विर्चुल	110
4	मेरठ डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	07.01.2021	विर्चुल	60
5	झांसी डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	21.01.2021	विर्चुल	88
6	गोरखपुर डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	21.01.2021	विर्चुल	103
7	गजियाबाद डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	28.01.2021	विर्चुल	56
8	अलाहाबाद डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	28.01.2021	विर्चुल	59
9	बस्ती डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	11.02.2021	विर्चुल	135
10	बरेली डी आर टी बी स्थल	डॉ एवं पर्यवेक्षक	11.02.2021	विर्चुल	125

इसके अलावा, एनडीटीबी केंद्र के संकाय द्वारा निम्नलिखित चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए गए

	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	तिथि	विर्चुल / फिजीकल	प्रतिभागियो की संख्या
11	आईएमएएएस (हरियाणा चैप्टर) और इंडियन चैस्ट सोसायटी (हरियाणा चैप्टर) में वेबीनार	डाक्टर	24.03.2021	विर्चुल	58
12	''सुप्त क्षयरोग संक्रमण पर अद्यतनीकरण'' पर गर्वमेंट मेडिकल कॉलेज पर सीएमई	डाक्टर	24.03.2021	विर्चुल	24
13	''पीएमडीटी के लिए दिशा–निदेश –व्यावहारिक विवेचन'' पर एम्स, भोपाल में वेबीनार	डाक्टर	24.03.2021	विर्चुल	48
				योग	**1101**

निजी प्रैक्टिशनरों का प्रशिक्षण (एनटीईपी कार्मिकों को छोड कर)

	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	तिथि	विर्चुल / फिजीकल	प्रतिभागियो की संख्या
1	डॉक्टरों और निजी प्रयोगशालाओं के तकनीशियनों का कोविड 19 जांच हेतु ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट संबंधी प्रशिक्षण	डॉक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	06.07.2020, 09.07.2020 22.07.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	24
2	डॉक्टरों और निजी प्रयोगशालाओं के तकनीशियनों का कोविड 19 जांच हेतु ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट संबंधी प्रशिक्षण	डॉक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	06.08.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	13
3	डॉक्टरों और निजी प्रयोगशालाओं के तकनीशियनों का कोविड 19 जांच हेतु ट्रूनेट और	डॉक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	10.09.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	2

	सीबीएनएएटी संबंधी प्रशिक्षण				
4	डॉक्टरों और निजी प्रयोगशालाओं के तकनीशियनों का कोविड 19 जांच हेतु ट्रूनेट और सीबीएनएएटी संबंधी प्रशिक्षण	डॉक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	23.10.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	4
5	डॉक्टरों और निजी प्रयोगशालाओं के तकनीशियनों का कोविड 19 जांच हेतु ट्रूनेट और सीबीएनएएटी संबंधी प्रशिक्षण	डॉक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	25.11.2020	प्रायोगिक प्रशिक्षण	8
6	डॉक्टरों और निजी प्रयोगशालाओं के तकनीशियनों का कोविड 19 जांच हेतु ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट संबंधी प्रशिक्षण	डॉक्टर और माइक्रोबायोलॉजिस्ट	29.01.2021	प्रायोगिक प्रशिक्षण	11
7	सुप्त क्षयरोग संक्रमण पर सर गंगा राम हस्पताल में सीएमई	निजी प्रैक्टिशनर	23.02.2021	विर्चुल	31
8	एलटीबी पर नवीनतम जानकारी पर प्राइमस हस्पताल में सीएमई	निजी प्रैक्टिशनर	18.03.2021	विर्चुल	31
				योग	**124**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, क्मयूनिटी मेडीसन विभागसे तैनात होने वाले स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन का कार्य भी करता है। सभी स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक सप्ताह की तैनाती जिसके द्वारा उन्हें वर्ष भर एनडीटीबी केन्द्र के विभिन्न विभागों में तैनात किया गया। इसका प्रयोजन उन्हें नवीनतम दिशा–निदेशों और एनटीईपी की कार्यप्रणाली के साथ व्यावहारिक जानकारी देना था। इस व्यावहारिक जानकारी में विभिन्न विषय जैसे निक्षय, डीआरटीबी प्रबंधन, क्षयरोग अधिसूचना और इसके महत्त्व, क्षयरोगियों के नैदानिक प्रबंधन इत्यादि शामिल थे। एमएएमसी के प्रशिक्षुओं को पूरे वर्ष एनडीटीबी केन्द्र के नैदानिक अनुभाग में तैनात किया जाता है जिसके द्वारा उन्हें एनटीईपी, डीआरटीबी प्रबंधन और डॉटस केन्द्र की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता है। इस वर्ष अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के बीच 173 प्रशिक्षुओं को एनडीटीबी में तैनात किया गया और विभिन्न पक्षों पर प्रशिक्षित/सजग किया गया।

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एसटीडीसी) में 01 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक मौलान आजाद कॉलेज के चिकित्सा छात्रों के लिए आयोजित प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम

क्र सं	मास	प्रतिभागियों की संख्या
1	अप्रैल 2020	18
2.	मई 2020	24
3.	जून 2020	16
4.	जुलाई 2020	23
5.	अगस्त 2020	12
6.	सितंबर 2020	20
7.	अक्टूबर 2020	20
8.	नवंबर 2020	20
9.	दिसंबर 2020	20
	कुल	173

तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण

दिल्ली राज्य की एनटीईपी के अंतर्गत सभी चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टों (लार संपरिवर्तन, उपचार परिणाम एवं कार्यक्रम प्रबंधन) का संकलन और तैयार करना तथा उनकी फीडबैक एसटीडीसी की प्रमुख गतिविधियों में से एक है। दिल्ली में प्रत्येक चैस्ट क्लीनिक की तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण किया जाता है और फीडबैक तैयार की जाती है जिसमें सुधार के लिए आवश्यक निर्देश शामिल होते हैं और जिला क्षयरोग अधिकारियों की तिमाही समीक्षा बैठकों में इसकी समीक्षा की जाती है। ये सभी फीडबैक और राज्य की संकलित रिपोर्टों जिला क्षयरोग अधिकारियों को भेजा गया तथा इनकी प्रतियां राज्य क्षयरोग नियंत्रण अधिकारी तथा केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को दी गई।

तालिका –

दिल्ली राज्य में छाती क्लानिकों में कुल क्षयरोग मामलों की अधिसूचना का क्रमवार वार्षिक प्रदर्शन
1–1–2020 से 31–12–2020 तक

क्र सं	छाती क्लीनिक	सार्वजनिक क्षेत्र से अधिसूचना	निजी क्षेत्र से अधिसूचना
1	बिजवासन	540	946
2	बी जे आर एम	1221	329
3	बी एस ए	2781	10059
4	चौधरी देसराज	1112	546
5	डी डी यू एच	2907	1009
6	जी टी बी एच	2390	748
7	गुलाबी बाग	690	121
8	हैडगेवार	889	337
9	झंडेवालान	415	121
10	करावल नगर	2058	931
11	के सी सी	2629	692
12	लोकनायक ह	2651	341
13	एनआईटीआरडी	11903	1189
14	मालवीय नगर	2659	458
15	मोती नगर	2762	1547
16	नरेला	1406	481
17	एन डी एम सी	4491	291
18	नेहरु नगर	3404	1839
19	पटपड़गंज	3714	601

20	आर के मिशन	595	1372
21	आर टी आर एम	1160	224
22	एस जी एम एच	2365	204
23	शाहदरा	1746	577
24	एस पी एम	814	918
25	जे पी अस्पताल	2401	1425
	कुल	**59703**	**27306**

1 जनवरी 2020 से 31 दिसंबर 2020 के दौरान, कुल 87009 मामले दिल्ली राज्य में अधिसूचित किये गये जिनमें से 23706 मामले निजी क्षेत्र से एवं 59703 मामले सार्वजनिक क्षेत्र से अधिसूचित किये गये ।

दिल्ली में एनटीईपी के अंतर्गत वर्ष 2020 में पंजीकृत सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के क्षयरागियों का तिमाहीवार उपचार परिणाम

तिमाहीवार	कुल अधि सूचित	कुल परिणाम	ठीक हुए मामले	मृत्यु	उपचार पूरे मामले	उपचार परिणाम	उपचार रैजिमन बदले मामले	आगे की कार्यवाही भूले मामले	सूचना ना दिये गये मामले
प्रथम तिमाही	**25227**	**20025**	**4072**	**518**	**12367**	**155**	**324**	**1188**	**801**
दृितीय तिमाही	**31942**	**26467**	**5689**	**635**	**17475**	**184**	**543**	**1419**	**522**
तृतीय तिमाही	**26258**	**21878**	**4507**	**629**	**14311**	**132**	**354**	**1210**	**735**
चतुर्थ तिमाही	**23547**	**19186**	**3875**	**632**	**12396**	**91**	**378**	**978**	**836**
कुल	**106974**	**87556**	**18143**	**2414**	**56549**	**562**	**1599**	**4795**	**2894**

वर्ष 2020 में, दिल्ली राज्य में 87556 क्षयरोगी मामले अधिसूचित किये गये जिनमें से कुल मिलाकर 85.3 प्र० के इलाज पूर्ण एवं सफल हुए, 2.7 प्र० की मृत्यु हुई एवं 1.8 प्र० मामले वो थे जिनका उपचार रैजिमन बदला गया ।

दिल्ली में एनटीईपी के अंतर्गत वर्ष 2020 में पंजीकृत क्षयरोगी मामलों का तिमाहीवार उपचार परिणाम

तिमाहीवार	कुल अधि सूचित	कुल परिणाम	ठीक हुए मामले	मृत्यु	उपचार पूरे मामले	उपचार परिणाम	उपचार रैजिमन बदले मामले	आगे की कार्यवाही भूले मामले	सूचना ना दिये गये मामले
प्रथम तिमाही	26270	21003	5049	610	12595	179	473	1294	803
दृतीय तिमाही	17301	11600	2939	420	6948	81	417	701	94
तृतीय तिमाही	23193	10151	2120	573	6059	80	552	712	55
चतुर्थ तिमाही	21024	2086	231	354	711	18	414	358	0
कुल	**87788**	**44840**	**10339**	**1957**	**26313**	**358**	**1856**	**3065**	**952**

वर्ष 2020 में, दिल्ली राज्य में 87788 क्षयरोगी मामले अधिसूचित किये गये जिनमें से 44840 कुल परिणाम है उवं 82 प्रतिशत ठीक हुए।

दिल्ली में एनटीईपी के अंतर्गत वर्ष 2020 में पंजीकृत सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों से अधिसूचित किये गये क्षयरागियों का उपचार परिणाम

क्षेत्र	कुल अधि सूचित	कुल परिणाम	ठीक हुए मामले	मृत्यु	उपचार पूरे मामले	उपचार परिणाम	उपचार रैजिमन बदले मामले	आगे की कार्यवाही भूले मामले	सूचना ना दिये गये मामले
निजी	61308	34703	9727	1440	18768	262	1838	2217	451
सार्वजनिक	27663	10928	380	729	8593	61	202	731	232
कुल	88971	45631	10107	2169	27361	323	2040	2948	683

वर्ष 2020 में, दिल्ली राज्य के कुल 88971 क्षयरोगी मामले जो अधिसूचित किये गये उनमें से 68 प्र० सार्वजनिक क्षेत्र से एवं 32 प्र० निजी क्षेत्र से थे। सार्वजनिक क्षेत्र से 82प्र० के इलाज पूर्ण एवं सफल हुए उसी तरह से 82 प्र० मामले जो निजी क्षेत्र से थे उनका इलाज पूर्ण एवं सफल हुआ।

बहिर रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाए

केन्द्र की ओपीडी में क्षयरोग और श्वसन रोगों के रोगी निदान और सलाह के लिए आते हैं। निकटवर्ती लोकनायक हस्पताल, जीबी पंत हस्पताल और गुरू नानक आई सेन्टर से क्षयरोग और उससे संबंधित रोगों के निदान और सलाह के लिए रेफर किए गए रोगियों की केन्द्र सेवा करता है। दिल्ली तथा पडोसी राज्यों के विभिन्न हस्पतालों के चिकित्सक तथा कई निजी चिकित्सक भी निदान और उपचार हेतु विशेषज्ञ सलाह के लिए रोगियों को यहां भेजते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न दूतावासों के वीजा मामलों को भी यहां सलाह और उपचार के लिए रेफर किया जाता है।

यद्यपि, यह राज्य स्तरीय क्षयरोग केन्द्र में स्थित ओपीडी है लेकिन इसमें बड़ी संख्या में विभिन्न प्लमनरी अवस्थाओ के रोगी बडी संख्या में आते हैं जिनमें अस्थमा, सीओपीडी, निमोनिया, आईएलडी, प्लमनरी हाइडटीडोसिस और मेलीगेन्सी के तथा अनैदानिक एक्सट्रा प्लमनरी क्षयरोग के रोगी भी शामिल हैं। दैनिक ओपीडी को हमारे रेडियोलॉजी, फार्मेसी, चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्त्ता और प्रयोगशाला सेवाओं की पूरी सहायता मिलती है।

कोविड 19 के कारण उपस्थिति कम रही क्योकि रोगी हस्पताल में नहीं आ रहे थे। तथापि रोगियों के साथ मेल/टेलीफोन द्वारा संपर्क किया गया। 2020–21 के दौरान 5179 रोगी केन्द्र की ओपीडी में निदान, उपचार और अनुसरण के लिए आए।

सीओएडी क्लीनिक

ओपीडी में सीओएडी (क्रोनिक आब्स्ट्रक्टिव एयरवेज डिसीस) क्लीनिक दैनिक रूप से रहता है। यह क्लीनिक एयर ऑब्स्ट्रक्शन के रोगियों का ओपीडी आधार पर निदान करता है और राहत देता हैं। इस रोग से ग्रस्त रोगियों की डोज समायोजित करने के लिए उनका समय–समय पर अनुगमन किया जाता है। 2021–21 के दौरान सीओएडी के 543 रोगियो को देखा गया।

डॉट एवं माइक्रोस्कोपी केन्द्र

एक डॉट एवं माइक्रोस्कोपी केन्द्र केन्द्र के परिसर में स्थित है। यह डॉट केन्द्र में एक लाख की जनसंख्या को देखता है। यहां इस क्षेत्र के रोगियों को एनटीईपी के दिशा–निर्देशों के अनुसार निःशुल्क निदान एवं उपचार प्रदान किया जाता है। केन्द्र के डॉक्टर क्षयरोग की आशंका वाले रोगियों की जांच करते हैं, अन्य जांच की इलाज सलाह देते हैं और क्षयरोग से ग्रस्त रोगियों को उपचार के लिए वर्गीकृत करते हैं। डॉट केन्द्र के रोगी क्षयरोग रोधक दवाओं को लेने से होने वाले साइड अफेक्ट के प्रबंधन के लिए भी ओपीडी में आते हैं। 2020–21 के दौरान कुल 356 रोगियो को एनडीटीबी डॉट केंद्र में डॉट उपचार पर रखा गया।

रेडियोलॉजिकल जांच

केन्द्र में दो एक्सरे मशीने हैं जिनका उपयोग क्लीनिक में आने वाले रोगियों के निदान, सक्रिय मामलो का पता लगाने और क्षयरोग की आशंका वाली जनसंख्या की जांच के लिए किया जाता है।

विगत में एमएमआर मशीन और मोबाइल एक्स–रे वैन का प्रयोग भी सर्वेक्षण के लिए किया जाता था। 2020–21 के दौरान केन्द्र की ओपीडी में आने वाले कुल 1216 रोगियों का एक्स–रे किया गया।

मैनटॉक्स जांच

एनडीटबी केन्द्र में मैनटॉक्स जांच की जाती है। एनडीटीबी केन्द्र की ओपीडी से रेफर किए गए रोगियों के अतिरिक्त विभिन्न सरकारी हस्पतालों और निजी चिकित्सकों द्वारा मैनटॉक्स जांच के लिए भी मामले किए जाते हैं।

इस वर्ष निम्नलिखित संगोष्ठियां/मामलों पर चर्चा/समीक्षाएं की गई :–

नैदानिक कौशल

1. सामान्य प्लमनरी लक्षण
2. पुरानी खांसी
3. हेमियोप्टाइसिस
4. इतिहास जानना
5. छाती एक्स–रे
6. प्लमनरी फंक्शन जांच

क्षयरोग

1. क्षयरोग का प्रयोगशाला निदान
2. नई नैदानिक जांच
3. विशेषस्थितियों में क्षयरोग : मधुमेह, एचआईवी और सहरोग
4. विशेष जनसंख्या में क्षयरोग : बच्चे, गर्भवती महिलाएं और वरिष्ठ जन
5. एटीटी के साइड अफेक्ट
6. दवा प्रतिरोधक क्षयरोग का प्रबंधन (एमडीआर एवं एक्सडीआर)
7. एक्सट्रा प्लमनरी क्षयरोग

अन्य

1. कोविड 19 : क्लीनिकल प्रजेन्टेशन और नैदानिक जांच
2. कोविड में सीएसएस
3. म्यॅटेन्ट स्टेन कोविड–19
4. ब्रोंकाइटिंस
5. प्लीरल इफ्यूजन
6. हाइपरसेसटिवटी Pneumonitis
7. जीआईएनए दिशा–निदेश
8. जीओएलडी दिशा–निदेश
9. समुदाय अर्जित निमोनिया
10. प्लमनरी पुनर्वास

रोगियों की देखभाल के साथ–साथ नैदानिक अनुभाग व्यावसायिक प्रगति के साथ मेडिकल और पैरा मेडिकल कर्मचारियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण देने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। पिछले एक साल मे एमएएमसी के 173 प्रशिक्षुओं और एमबीबीएस स्नातकों को यहां प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने नियमित अध्यापन क्रियाकलापों में भाग लिया जिनमें 11 संगोष्ठियां एवं 18 नैदानिक मामले चर्चाएं, 22 जनरल समीक्षाएं और 14 केस समीक्षाएं शामिल हैं। इस वर्ष नैदानिक अनुभाग के डॉक्टरो के लिए हाइपरसेंसटिव निमोनिया और कोविड–19 प्रमुख केंद्रित क्षेत्र थे।

उन्हें रोगियों का इतिहास जानने, नैदानिक जांच, चैस्ट एक्सरे और सभी संबद्ध नैदानिक परीक्षणों को समझने तथा उपचार दक्षता के सभी मूल कौशलों की जानकारी दी गई। प्लमनरी मेडिसन, रेडियोलॉजी और क्षयरोग के क्षेत्र में प्रायोगिक प्रशिक्षण केन्द्र में संचालित ओपीडी के मजबूत पक्ष हैं। रोगी का इतिहास जानने और सही निदान पर बल दिया जाता है जिसमें मूलभूत नैदानिक कौशल तथा रेडियोलॉजी और लार की जांच नियमित तौर पर की जाती है।

जनपादिक अनुभाग

केन्द्र का जनपादिक अनुभाग दिल्ली राज्य के एनटीईपी कार्यक्रम की मॉनीटरिंग और मूल्यांकन से संबंधित कार्य करता है। इन गतिविधियों का विश्लेषण, संकलन किया जाता है और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर इन्हें प्रस्तुत किया जाता है। इस वर्ष से पीएचआई वार जिला समीक्षा भी आरंभ की गई है जिसमें जिले में प्रत्येक पीएचआई में क्षयरोग स्तर के कार्यकारिता सूचकों का आकलन किया जाता है ताकि पीएचआई की कार्यकारिता में कमी का पता लगाया जा सके और कार्यकारिता की न्यूनता में कोई समस्या होने पर उसका समाधान किया जा सके। वर्ष के दौराान इस गतिविधि का विवरण मॉनीटरिंग और निरीक्षण खंड में दिया गया है।

योजना और प्रचालनगत अनुसंधान इस अनुभाग की अन्य गतिविधि है। वर्ष के दौरान अनुभाग ने निम्नलिखित प्रचालनगत अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य किया ।

1. ''नई दिल्ली, भारत में सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वाले लोगों में क्षयरोग के सक्रिय मामलों का पता लगाने का अभियान''।

2. ''दिल्ली में एमडीआर क्षयरोगियों में परिणाम पर काउंसलिग ंका प्रभाव''।

इस अनुभाग द्वारा विभिन्न संगठनों के कर्मचारियोंों की जांच की जाती है। वर्ष के दौरान दिल्ली प्राणीउद्यान के 27 कर्मचारियोंऔर एसपीवाईएम के 101 आवासियों का केन्द्र में क्षयरोग परीक्षण किया गया और जांच की गई तथा जिनमें क्षयरोग की पुष्टि हुई उन लोगों का उपचार प्रारंभ किया गया।

एनडीटीबी केन्द्र–एसटीडीसी ईको क्षयरोग हब

1. परिचय :

भारत में जन स्वास्थ्य जानकारी नेटवर्क को रूपांतरित करने के प्रयासस्वरूप सामुदायिक स्वास्थ्य परिणामों (ईको) का विस्तार जिसका प्रभाव देश के करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता हैं। ईको इंडिया ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग के साथ साझेदारी की है। यह साझेदारी राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) को सहायता देने के लिए देश भर में क्षयरोग ईको की शुरूआत करने के लिए उनके अनुरोध पर की गई है। इस पर कार्य करते हुए राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ (एसटीसी) की प्रौद्योगिकीगत क्षमताओं और राज्य क्षयरोग एवं निरूपण केन्द्र (एसटीसीडी)को सुदृढ़ किया गया जिसके लिए उन्हें सुसज्जित किया गया और उसके बाद उन्हें सतत सहायता प्रदान की जा रही है जिससे कि 2025 तक क्षयरोग उन्मूलन के भारत सरकार के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

2. एसटीडीसी दिल्ली में ईको क्षयरोग हब :

2018 में ईसीएचओ (ईको) की स्थापना की गई और उन्होंने अपना पहला सत्र 4 जनवरी 2018 को आयोजित किया। ईको टीबी हब ने विर्चुअल प्रशिक्षण, एनटीईपी के विभिन्न वर्गो और ईको प्लेटफार्म का प्रयोग करते हुए राज्य और जिला स्तर पर सामान्य स्वास्थ्य देखभाल प्रशासकों/प्रदाताओं के साथ समीक्षा बैठके संचालित करने के लिए एनटीईपी की सहायता की। ईको क्षयरोग गतिविधियों का समन्वय निदेशक, एसटीडीसी दिल्ली और अन्य तकनीकी विशेषज्ञों तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के परामर्शकों द्वारा किया जाता है।

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान (अप्रैल 2020 से मार्च 2021) ईको हब ने 46 सत्र आयोजित किए जिसमें एनटीईपी से 2599 लोगों को जोड़ा गया और पूरे दिल्ली राज्य सामान्य स्वास्थ्य तंत्र ने इसमें भागीदारी की। ईको टीबी हब ने कोविड 19 के समय में क्लीनिकों (एसटीडीसी) और विभिन्न स्वास्थय देखभाल प्रदाताओं के बीच अबाधित संपर्क सुनिश्चित किया (उदाहरणार्थ डीटीओ और पैरा मेडिकल कर्मचारी)।

इस वर्ष के दौरान हम स्पष्ट तौर पर देख सकते हैं कि कोविड 19 की लहर के कारण आरंभिक चरण अप्रैल 20–जुलाई 20 में सत्रों की संख्या कम रही। चूंकि वैश्विक महामारी जल्दी समाप्त नहीं होने वाली इसलिए हमने ईको प्लेटफार्म का प्रयोग करते हुए ऑनलाइन बैठकें की।

सत्र/बैठकें मुख्य रूप से निम्नलिखित विषयों पर की गई :

- कोविड 19 के दौरान पैरा मेडिकल कर्मचारी प्रशिक्षण
- विभिन्न जिलों के लिए प्रति सप्ताह चैस्ट क्लीनिक समीक्षाएं। आरेख 2.1
- राज्य की उपलब्धियों पर चर्चा करने के लिए राज्य पीएमडीटी एनटीईपी समीक्षा
- विर्चुल जागरूकता कार्यशाला
- राज्य टास्क फोर्स बैठकें
- अधिकांश भागीदार नोडल डीआटीबी केन्द्र से, जिला क्षयरोग अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, डब्लूएचओ परामर्शक, राज्य क्षयरोग अधिकारी और पैरा मेडिकल स्टाफ (एसटीएल, एसटीएस, पीपीएम सह–समन्वयक इत्यादि)
- इन बैठकों की अध्यक्षता डा के के चोपड़ा और डा अश्विनी खन्ना ने की।

जन स्वास्थ्य अनुभाग

केन्द्र का जन स्वास्थ्य खंड लोगो के स्वास्थ्य को बेहतर करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कार्य करता है। इस अनुभाग में जन स्वास्थ्य नर्स, मेडिकल सामाजिक कार्यकर्त्ता और बहुप्रयोजनीय काम करने वाले कर्मचारी निर्धारित लक्ष्य को पाने के लिए कार्य करते हैं। ये कार्मिक क्षयरोग पर विभिन्न सघन कार्यक्रमों की योजना में शामिल रहते हैं जिनका विशेष उद्देश्य विभिन्न समुदाय आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से जनस्वास्थ्य को बेहतर करना होता है। ये कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

स्वास्थ्य चर्चाएं

लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न उपाय किए जाते हैं उनमें से एक उपाय स्वास्थ्य चर्चा है। स्वास्थय चर्चा में व्यक्ति से विभिन्न मुद्दो पर बात की जाती है जिसमें उसके साथ कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अच्छे के महत्त्व प्रति स्वास्थ्य के प्रति सजग किया जाता है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए ओपीडी हाल में नियमित आधार पर क्षयरोग पर स्वास्थय चर्चा की जाती है। रोगियों को फ्लिप चार्ट द्वारा क्षयरोग के बारे में मूल जानकारी दी जाती है। इस फ्लिप चार्ट को रोगी देख और पढ़ सकते हैं। वर्ष के दौरान 60 से अधिक छात्रों जो 9 से 12वी कक्षा के थे उनको क्षयरोग बीमारी, निदान, उपचार के बारे में बताया गया जिसके बाद प्रशन–उतर अधिवेशन भी किया गया।

क्षयरोग जागरूकता

पूरे वर्ष संवेदनशील समूहों और सामान्य जनता के साथ स्वास्थ्य वार्ताएं की जाती हैं। यह वार्ताएं नुक्कड नाटकों/नाटकों, व्याख्यानों, फ्लिपचार्ट, चित्रकला प्रतियोगिता इत्यादि के माध्यम से की जाती हैं।

टीबी सुपरवाइजरी कोर्स

टीबी सुपरवाइजरी कोर्स एनडीटीबी द्वारा संचालित 3 माह का पाठ्यक्रम है। यह कोर्स स्वास्थय अनुभाग द्वारा नैदानिक अनुभाग के सहयोग से संचालित किया जाता है। यह तीन माह का कोर्स है जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से छात्रों का चयन किया जाता है। कोर्स में क्षयरोग के विभिन्न पक्ष शामिल है जिसमें अध्यापन, व्यावहारिक प्रशिक्षण, क्षेत्र के दौरे और प्रतिपादन प्रशिक्षण के प्रमुख अंग हैं। छात्रों को केन्द्र के विभिन्न विभागों में भेजा जाता है जिसमें एपीडिमलॉजी विभाग, नैदानिक अनुभाग, डॉट केन्द्र और मॉनटॉक्स कक्ष शामिल है। छात्र केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों में शामिल होते हैं जैसे रोगियों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए उनसे बात करना, उनकी काउंसलिंग करना इत्यादि। कोर्स समाप्त होने पर छात्रों की प्रायोगिक और सैद्धांतिक परीक्षा ली जाती है और कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें टीबीएचवी कम्पलीशन कोर्स प्रमाणपत्र दिया जाता है। यह कोर्स एनटीईपी द्वारा मान्यता प्राप्त है। 3 माह की अवधि के दौरान छात्रों को निम्नलिखित के बारे में सजग किया गया :

- क्षयरोग
- एनटीईपी
- समुदाय आधारित परस्परता सहित क्षयरोग के सामान्य पक्ष

रोगी प्रदाता बैठकें

पर्यवेक्षित उपचार रोगियों को उनकी दवाएं नियमित रूप से लेने और क्षयरोग का उपचार पूरा करने में सहायता करता है। इसके माध्यम से यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि प्रदाता सही देखभाल प्रदान करे और वह उपचार में आने वाली बाधा को जानने में सक्षम हों। रोगी प्रदाता बैठकों से यह सुनिश्चित होता है कि रोगी को सही अंतराल पर सही डोज पर सही एटीटी ले। क्षयरोग जन स्वास्थ्य समस्या है और इसका फैलना समुदाय के लिए जोखिपूर्ण है और यह सुनिश्चित करना स्वास्थ्य स्टाफ की जिम्मेदारी है कि रोगी नियमित तौर पर सभी दवाईयां ले। और देखभाल तभी पूरी हो सकता है जब रोगी और स्टाफ मिल कर काम करें। डॉट केन्द्र में रोगी और प्रदाता की साप्ताहिक बैठक पैरा मेडिकल स्टाफ द्वारा की जाती है।

सामुदायिक बैठकें

एनटीईपी के अंतर्गत सामुदायिक बैठकें नियमित तौर पर पूरे राज्य में की जाती है। एनडीटबी केन्द्र पर भी यह बैठकें नियमित की जाती हैं। ये बैठकें एनडीटबी के स्टाफ/टीबीएचवी छात्रों द्वारा संचालित की जाती हैं। उपचाराधीन/स्वस्थ हो चुके लगभग 20 से 30 क्षयरोगी और उनके परिवार के सदस्य प्रत्येक बैठक में भाग लेते हैं और उपचार की सुविधाओं के बारे में अपने अनुभव साझा करते हैं और उपचार से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान करते हैं। इस क्रियाकलाप के पीछे यह विचार कार्य करता है कि क्षयरोग और उसके उपचार के बारे में जन जागरूकता पैदा हों।

मैनटॉक्स जांच

मैनटॉक्स जांच एनडीटीबी केन्द्र पर की जाती है। एडीटीबी केन्द्र की ओपीडी के अतिरिक्त विभिन्न सरकारी हस्पतालों और निजी चिकित्सकों द्वारा भी रोगियों को मैनटॉक्स जांच के लिए केन्द्र में रेफर किया जाता है। अप्रैल 2020 से मार्च 2021 की अवधि में एनडीटीबी में 830 मैनटॉक्स परीक्षण किए गए। इनमें से 753 रोगियों के परिणाम उपलब्ध हैं। इनमे से 406 मरीजो का रीएक्टर्स 10 एमएम से अधिक है।

मैन्टॉक्स जांच का माह वार विवरण नीचे दिया गया है:

माह	कुल परीक्षण	पठित	रीएक्टर्स >10 एमएम	रीएक्टर्स <10 एमएम
अप्रैल 2020	7	4	3	1
मई 2020	0	0	0	0
जून 2020	15	14	7	7
जुलाई 2020	17	15	8	7
अगस्त 2020	27	22	10	12
सितंबर 2020	28	26	14	12
अक्टूबर 2020	23	18	8	10
नवंबर 2020	17	13	8	5
दिसंबर 2020	20	16	9	7

जनवरी 2021	74	69	42	27
फरवरी 2021	223	192	117	75
मार्च 2021	399	364	180	184
कुल	850	753	406	347

क्षयरोगरोधी सप्ताह का आयोजन

प्रत्येक वर्ष मार्च मे ंहम विश्व क्षयरोग दिवस अर्थात 24 मार्च 2021 को क्षयरोग रोधी सप्ताह का आयोजन करते हैं। कोविड–19 को ध्यान में रखते हुए हमने इस वर्ष उपरोक्त सप्ताह कुछ तरीके से 18 मार्च 2021 से 25 मार्च 2021 के बीच आयोजित किया। इस वर्ष कोविड 19 की वैश्विक महामारी के कारण उद्घाटन एवं समापन समारोह को छोड कर सभी स्वास्थ्य कार्यकम विभिन्न स्थलों पर उनके स्टाफ द्वारा आयोजित किए गए और हमने उन्हें विभिन्न कार्यक्रम अपने स्तर पर आयोजित करने की सुविधा दी ताकि लोगों को एनडीटीबी केन्द्र में व्यक्तिगत रूप से न आना पड़े।

ये कार्यक्रम निम्नलिखित थे :

- चित्रकला प्रतियोगिता
- कविता प्रतियोगिता
- स्लोगन प्रतियागिता
- स्वास्थ्य चर्चाएं
- सामुदायिक बैठक

चित्रकला प्रतियोगिता

एसपीवाईएम (सेक्रेटी फॉर प्रमोशन फॉर यूथ एण्ड मासिस) के बच्चों द्वारा पुरूष और महिला दोनों सहवासियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने क्षयरोग के विभिन्न पक्षों अर्थात क्षयरोग के प्रकार, क्षयरोग के लक्षण और पहचान, उपचार इत्यादि पर चित्र बनाए। सर्वोत्तम चित्रों को समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया।

स्लोगन प्रतियोगिता

एसपीवाई, परदा बाग की महिला सहवासियों ने क्षयरोग पर विभिन्न स्लोगन लिखें। 22 मार्च 2021 को आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 25 छात्रों ने भाग लिया। सर्वोत्तम स्लोगन को पुरस्कृत किया गया।

कविता प्रतियोगिता

एसपीवाईएम (पुरूष) दरियागंज के सहवासियों द्वारा क्षयरोग पर लिखी कविताओं को पुरस्कृत किया गया।

विश्व क्षयरोग दिवस 2021 के अवसर पर नई दिल्ली केन्द्र द्वारा आयोजित गतिविधियां

तिथि व समय	स्थान	कार्यक्रम	क्रियान्वयन प्रणाली	प्रतिभागी
18.03.2021	एनडीटीबीसी ओपीडी हॉल एवं पार्क सं.2	क्षयरोग रोधिता सप्ताह का उद्धाटन स्वास्थ्य चर्चा और डिस्पले प्ले कार्ड के साथ पार्क एवं ओपीडी हॉल में	फ्लेश कार्ड द्वारा दर्शकों को क्षयरोग और मानव शरीर पर उसके हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी	ओपीडी हॉल में उपस्थित रोगी और उनके रिश्तेदार
19.03.2021	हौज काज़ी	सामुदायिक बैठक	हौजी काजी के निवासियों को क्षयरोग और मानव शरीर पर उसके हानिकारक प्रभावों एवं इसके लिए सावधानियों तथा उपचार के बारे में बताया गया।	हौजी काज़ी निवासी
20.03.2021	एसपीवाईएम नाइट शेल्टर, दरियागंज	चित्रकला प्रतियोगिता	नाइट शेल्टरो में रहने वाले आश्रितों (पुरूष) की चित्रकला। क्षयरोग पर चित्रकला	एसपीवाईएम के सहवासी
21.03.2021	एसपीवाईएम (महिला)	चित्रकला प्रतियोगिता	नाइट शेल्टरो में रहने वाले आश्रितों (महिला) की चित्रकला। क्षयरोग पर चित्रकला	एसपीवाईएम के सहवासी
22.03.2021	एसपीवाईएम (महिला)ा	स्लोगन प्रतियोगिता	क्षयरोग पर सहवासियों ने स्लोगन लिखे	एसपीवाईएम के सहवासी
23.03.2021	एसपीवाईएम पुरूष	स्वास्थ्य चर्चा एसपीवाईएम नाइट शेल्टर कविता प्रतियोगिता	फ्लैश कार्ड से क्षयरोग और मानव जीवन पर उसके प्रभाव की जानकारी	स्टाफ और एसपीवाईएम के सहवासी
24.03.2021	समापन समारोह	पुरस्कार वितरण	स्टाफ	पूरे स्टाफ का लंच

सामुदायिक बैठक

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र द्वारा प्रशिक्षित समुदाय निवासियों ने 19 मार्च 2021को सामुदायिक बैठक आयोजित की ताकि कोविड 19 की वैश्विक महामारी के कारण बाहर न जाना पड़े। समुदाय निवासियों ने क्षयरोग पर स्वास्थ्य चर्चा की जिसमें समुदाय के कार्यकर्त्ताओं ने सामुदायिक समूह के साथ मूल जानकारी साझा की।

सामुदायिक बैठकों का विवरण नीचे दिया गया है :

तिथि	कार्यक्रम
31.05.2020	विश्व क्षयरोग दिवस पर डॉट केन्द्र में आने वाले क्षयरोगियों के साथ उसदिन चर्चा की गई और उन्हें तम्बाकू के हानिकाराक प्रभावों के बारे में बताया गया
5.6.2020	दो रोगियों को अपने निवास के आस–पास एक पेड़ लगाने के लिए कहा गया और इस कार्य की फोटो साझा करने के लिए कहा गया।
1.7.2020	विश्व डॉक्टर दिवस पर मेडिकल सामाजिक कार्यकर्त्ताओं न क्षयरोगियों के साथ चर्चा की और उनके साथ क्षयरोग पर जानकारी साझा की
13.08.2020	युवा समस्याओं पर चर्चा करने और क्षयरोग उन्मूलन में युवाओं के संभावित योगदान पर दो युवा रोगियों के साथ परस्पर चर्चा की गई
18.03.2020 से 25.3.2021	18.03.2021 से 25.03.2021 तक क्षयरोग रोधिता सप्ताह का आयोजन

माइक्रोबैक्ट्रीरियल प्रयोगशाला

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की प्रयोगशाला दिल्ली राज्य के लिए इंटमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला के रूप में केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल), विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग, भारत सरकार द्वारा भी परीक्षण एवं अंशशोधन के लिए प्रत्यायित है।

यह प्रयोगशाला पूरे राज्य की स्मियर माइक्रोस्कोपी की बाहरी गुणता आश्वासन गतिविधियों का समग्र निरीक्षण करती है। यह नेशनल रेफरंस प्रयोगशाला, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान तथा श्वसन रोग, नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा स्मियर माइक्रोस्कोपी, एलपीएऔर कल्चर एवं डीएसटी के लिए नियमित तौर पर वार्षिक कौशल जांच (पीटी) में भागीदारी करती हैं।

यह प्रयोगशाला दिल्ली में 25 संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम–अभिनामित क्षयरोग जिलों (जिन्हें चैस्ट क्लीनिक भी कहा जाता है) में से 17 को पीएमडीटी के अंतर्गत नैदानिक एवं उपचार फालोअप प्रदान कर रही है। यह प्रयोगशाला दवा प्रतिरोधक क्षयरोग का पता लगाने के लिए कार्टिज आधारित न्यूक्लिक एसिड सिम्पलीफीकेशन (सीबीएनएएटी), ट्रूनेट, लाइन प्रोब एसे (एलपीए) और इल्यूमिना Miseq प्लेटफार्म पर नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिगंजैसे नवीनतम मॉलीक्यूलर डायग्नोस्टिक जांच कर रही हैं। इसके अतिरिक्त प्रयोगशाला के पास आटोमेटिड लिक्विड कल्चर प्रणाली (एमजीआईटी 960) है। यह प्रणाली पहली और दूसरी लाइन की क्षयरोग प्रतिरोधक दवाओं के दवा सुग्राहता परीक्षण के लिए है।

इसके अतिरिक्त एनडीटीबी की प्रयोगशाला निम्नलिखित भूमिकाओं का निर्वाह भी करती हैः–

प्रशिक्षण

यह प्रयोगशाला एनटीईपी के तहत प्रयोगशाला स्टाफ के लिए विभिन्न प्रशिक्षण संचालित करती है। इसमें स्मियर माइक्रोस्कोपी, लार माइक्रोस्कोपी का गुणवत्ता आवश्वासन, सीबीएनएएटी और अन्य नैदानिक कार्य प्रणालियों पर प्रशिक्षण शामिल हैं। प्रयोगशाला आवश्यकता पड़ने पर अन्य सीएण्डडीएसटी को तकनीकी सहायता भी प्रदान करती है।

गुणवत्ता आश्वासन

प्रयोगशाला 25 जिलों का स्थल मूल्यांकन करती है और राज्य क्षयरोग अधिकारी और राष्ट्रीय रेफरंस प्रयोगशाला को परिणामों की रिपोर्ट देती है।

आंकड़ों का संग्रहण

आईआरआई जिलों से आंकडों को इकठ्ठा करती है और उनका संकलन करती है और संबंधित प्राधिकारियों को संकलित आंकडे देती हैं। इसमे अनुलग्नक एम, अनुलग्नक जी, सीबीएनएएटी सूचक और अन्य विभिन्न कार्यकारिता सूचक शामिल हैं।

अनुसंधान

प्रयोगशाला सक्रिय रूप से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं में भागीदारी करती है। हाल ही में की गई महत्त्वपूर्ण परियोजनाएं हैं द स्ट्रीम ट्रेल, द बीट ट्रायल, राष्ट्रीय डीआरएस परियोजना। प्रयोगशाला दिल्ली एनटीईपी द्वारा स्वीकृत विभिन्न प्रचालनगत अनुसंधान प्रोटोकॉल में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है।

प्राप्ण

प्रयोगशाला प्रयोगशाला रसायनों और उपभोग्य सामग्री के प्राप्ण और गुणवत्ता आश्वासन में भी सहायता करती है।

सीडीएसटी प्रयोगशाला मे मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाए रखना

राज्य में और दायित्व दिए जाने पर अन्य राज्यो में अन्य कल्चर और डीएसटी प्रयागशालाओं (सीबीएनएएटी प्रयोगशालाएं) को तकनीकी सहायता देना।

एनएबीएल द्वारा मान्यता : प्रयोगशाला के लिए किस प्रकार सहायक सिद्ध हुई

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की माइकोबैक्टिरियल प्रयोगशाला को जुलाई 2018 में चिकित्सा जांच के क्षेत्र में मान्यता मिली। इस मान्यता से प्रयोगशाला का निम्नलिखित लाभ हुए :

- मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से रिपोर्ट जारी होने से ग्राहक के विश्वास और संतोष में वृद्धि होती है।
- ठोस गुणवत्ता आश्वासन होने से प्रयोगशाला के कार्यो का नियंत्रण बेहतर होता है।
- पुर्नजांच की आवश्यकता में कमी या समाप्त होने से समय और धन की बचत।

मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रयोगशाला निम्नलिखित कार्य संस्कृति और दस्तावेज़ तैयार किए :

- प्रयोगशाला ने अपने दो माइक्रोबायोलॉजिस्ट को आईएसओ 15189 : 2012 में प्रशिक्षित किया और उनको गुणवत्ता और तकनीकी प्रबंधन के लिए अभिनामित किया।
- प्रयोगशाला ने सभी प्रमुख उपस्करो के लिए लगभग 30 गुणवत्ता प्रणाली प्रक्रियाएं, तकनीकी एसओपी और एसओपी तैयार की।
- गुणवत्ता मैन्युअल, नमूना संग्रहण मैन्युअल, जैव सुरक्षा मैन्युअल, सुरक्षा एसओपी और और सेवा निर्देशिका भी तैयार की गई।
- आंतरिक परीक्षण और प्रबधन समीक्षा बैठक; नियोजित योजना एवं कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक वर्ष किए जाते हैं।
- यथासंभव जोखिम आकलन और जोखिम प्रबंधन नीतियां परिभाषित और क्रियान्वित की गई हैं।
- अब रोगी की जांच से पूर्व अभिकर्मक/किट स्वीकार्यता जांच की जाती है।
- मूल कारण विश्लेषण के साथ सुधारात्मक और निरोधक कार्य (सीएपीए) किया जाता है जो कि पहले किया जाता था लेकिन उसका प्रलेखन नहीं किया जाता था, अब इसका समुचित प्रलेखन किया जाता है।

प्रयोगशाला के कर्मचारियों का प्रशिक्षण कैलंडर बनाया गया है और प्रयोग किया जाता है। विभिन्न अनुभागों के लिए सक्षमता आकलन फार्म प्रयुक्त किया जाता है।

कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान प्रयोगशाला की भूमिका

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की प्रयोगशाला ने वर्तमान कोविड–19 महामारी में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। यह राज्य की जांच की आवश्यकताओं में सहायता प्रदान करने के अलावा प्रयोगशाला कोविड–19 की जांच मे विभिन्न प्रयोगशालाओं के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी उपभोग्य सामग्री (consumables) का वितरण केन्द्र भी है। प्रयोगशाला ने सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में विभिन्न ट्रूनेट प्रयोगशालाओं के प्रशिक्षण और ऑडिट निरीक्षण में राज्य की सहायता की है। प्रयोगशाला द्वारा निभाई गई भूमिका का बिंदुवार संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :

- प्रतिदिन 100 से अधिक क्षयरोग निदान के नमूनों की जांच के कार्यभार के अतिरिक्त प्रयोगशाला ने राज्य की कोविड 19 जांच की क्षमता में संवर्द्धन सहायता की।प्रयोगशाला अब तक 1100 से अधिक ट्रूनेट जांच कर चुकी है। आरंभ में प्रयागशाला ने मध्य दिल्ली के नमूनों का भार बांटा और उसके बाद जीबी पंत हस्पताल और अरूणा आसिफ अली हस्पताल के लिए यह कार्य किया।

- राज्य की जांच क्षमता को सुदृढ करने के लिए प्रयोगशाला सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की प्रयागेशालाओं के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के प्रशिक्षण संचालित करने में राज्य की मदद कर रही ह। ये प्रशिक्षण तंकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने के अतिरिक्त हैं जिसमें कई जैव सुरक्षा और जैव सुरक्षा संबंधी विषय शामिल हैं। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में नई ट्रूनेट सुविधाओं में प्रयोगशालाओं के ऑडिट निरीक्षण मे भी प्रयोगशाला राज्य की सक्रिय सहायता कर रही है। अब तक प्रयोगशाला 16 बैचों को प्रशिक्षित कर चुकी है और 22 से अधिक ट्रूनेट ऑडिट किए गए हैं।

- दिल्ली में विभिन्न स्थानों के लिए केन्द्र द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले एक्सपर्ट सॉर्स CoV–2 कार्टिज और ट्रूनेट तथा उपभोग्य सामग्री के वितरण के लिए प्रयोगशाला केन्द्रीय स्थल है। इससे संबंधित सभी रसद का प्रबंधन प्रयोगशाला द्वारा किया जाता है।

कोविड–19 एवं क्षयरोग के मामलों की निगरानी और पता लगाने के प्रयासों से संबंधित डी.ओ.सं. जैड–29015/192/2020–टीबी दिनांक 11 अगस्त 2020 द्वारा भारत सरकार के निर्देश के अनुसार, लोकनायक हस्पताल में दाखिल आईएलआई/एसएआरआई (इन्फ्लूंजा सदृश रोग/गंभीर श्वसन रोग) रोगियों में क्षयरोग ज्ञात करने के लिए द्वि–निदेशात्मक टीबी–कोविड जांच के अंग के रूप मे प्रयोगशाला जीनएक्सपर्ट कर रही है।

दिल्ली राज्य के एनटीइपी (2019–2020) के तहत सूक्ष्म गतिविधियॉ

जिला	व्यसक ओपीडी की संख्या	निदान हेतु जांचे गये आनुमानिक क्षयरोगी	सकारात्मक पाये गये आनुमानिक क्षयरोगी	पुनः थूक परीक्षण आनुमानिक क्षयरोगी	पुनः परीक्षण पर सकरात्मक पाये गये आनुमानिक क्षयरोगी	परीक्षित अनुवर्ती रोगी	अनुवर्तन में सकरातक पाये गये क्षयरोगी	जांची गयी स्लाइडों की कुल संख्या
बी जे आर एम	158949	1726	148	1	0	1800	2	5035
जी टी बी एच	142710	3609	526	0	0	1767	60	8968
हैडगेवार	74780	1170	166	0	0	731	10	3023
के सी सी	84110	2109	259	3	1	1417	19	5635
लोकनायक ह	49679	2502	243	0	0	459	22	5508
झंडेवालान	16081	680	137	0	0	678	32	3027
एस पी एम	71767	835	183	0	0	542	17	2273
आर के मिशन	19962	1207	206	0	0	826	23	3238
नेहरु नगर	207913	7236	1206	0	0	4847	197	19091
मोती नगर	345302	5748	899	1	0	3015	99	14496
आर टी आर एम	64970	3327	464	0	0	1412	91	8015
नरेला	65036	3437	735	0	0	2023	147	8677
करावल नगर	0	3259	629	1	0	2459	57	9069
एन डी एम सी	258190	3756	610	1	0	2334	82	10028
बी एस ए	116963	3072	509	11	1	2083	69	8209
डी डी यू एच	274621	6684	1058	11	1	3564	124	16836

गुलाबी बाग	87858	1326	200	0	0	606	17	3196
एस जी एम एच	21610	3273	473	0	0	2053	38	8447
पटपड़गंज	121946	2710	475	0	0	2506	30	7937
चौधरी देसराज	166483	2369	370	0	0	1443	42	6173
मालवीय नगर	192237	3595	348	0	0	2347	220	9567
एनआईटीआरडी	288700	6270	823	0	0	2096	78	14604
शाहदरा	134660	2903	419	75	3	1818	68	7638
बिजवासन	94771	1465	189	0	0	1317	102	4255
पटपड़गंज टीयू 1	214419	5053	1180	11	3	3400	192	13529
	3273717	79321	12455	115	9	47543	1838	206474

वर्ष के दौरान दिल्ली राज्य के सभी 25 क्लीनिकों में क्षयरोग शंका वाले कुल 79,321 मामलों की रोग का पता लगाने के लिए जांच की गई जिसमें से 12,455 मामले पॉजीटिव पाए गए। टीबी प्रयोगशाला के परिणामों से प्राप्त आंकडों के अनुसार 2,06,474 स्लाइडों की जांच की गई ।

स्थल मूल्यांकन दौरा एवं पैनल परीक्षण

कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण स्थल मूल्यांकन और पैनल परीक्षण के लिए दौरे नहीं किए जा सके। गुणवत्तापूर्ण माइक्रोस्कोपी सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रयोगशालाओं का प्रश्नावली के आधार पर मूल्यांकन विर्चुल माध्यम से किया गया। स्टाक, प्रक्रियाओं और रिकॉर्ड के सभी ब्यौरे लेने के लिए एक व्यापक प्रोफार्मा हमारी टीम ने तैयार कियाऔर विर्चुल माध्यम से मूल्यांकन से पूर्व जिलों को परिचालित किया गया।

विर्चुल मूल्यांकन की तिथि के दिन प्रश्नावली में भरे गए मानदंडो की समीक्षा की गई और जिला स्टाफ के साथ उसकी समीक्षा की गई और आईआरएल टीम ने कार्यप्रणाली को बेंहतर करने के लिए सुझाव दिए।

आई आर एल दल द्वारा जांचे गये डी टी सी

क्र सं.	छाती क्लीनिक	दौरे की तिथि
1.	आर के मिशन छाती क्लीनिक	25/11/2020
2.	पटपड़गंज छाती क्लीनिक	26/11/2020
3.	बिजवासन छाती क्लीनिक	26/11/2020
4.	जी टी बी एच छाती क्लीनिक	26/11/2020
5.	एन डी एम सी छाती क्लीनिक	26/11/2020
6.	डी डी यू छाती क्लीनिक	26/11/2020
7.	बी एस ए छाती क्लीनिक	27/11/2020
8.	चौधरी देसराज छाती क्लीनिक	27/11/2020
9.	हेडगेवार छाती क्लीनिक	27/11/2020
10.	मालवीय नगर छाती क्लीनिक	27/11/2020
11.	आर टी आर एम छाती क्लीनिक	28/11/2020
12.	किंग्सवे कैम्प छाती क्लीनिक	01/12/2020
13.	लोकनायक हस्पताल छाती क्लीनिक	01/12/2020
14.	शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक	01/12/2020
15.	शाहदरा छाती क्लीनिक	02/12/2020
16.	मोती नगर छाती क्लीनिक	03/12/2020
17.	नेहरु नगर छाती क्लीनिक	02/12/2020
18.	करावल नगर छाती क्लीनिक	04/12/2020
19.	एन आई टी आर डी छाती क्लीनिक	04/12/2020
20.	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक	04/12/2020
21.	एस जी एम एच छाती क्लीनिक	04/12/2020
22.	बी जे आर एम छाती क्लीनिक	11/12/2020
23.	झंडेवालान छाती क्लीनिक	11/12/2020
24.	नरेला छाती क्लीनिक	11/12/2020
25.	पीली कोठी छाती क्लीनिक	11/12/2020

दवा प्रतिरोधक क्षयरोग कियाकलापों का कार्यबद्ध प्रबंधन (पीएमडीटी)

प्रयोगशाला को लाइन प्रोब एसे, सॉलिड एवं लिक्विड तथा डीएसटी के लिए सीटीडी से प्रमाणन मिला है। वर्तमान में दिल्ली में पीएमडीटी के अंतर्गत 08 चैस्ट क्लीनिकों से निदान के लिए थूक के नमूने और 17 चैस्ट क्लीनिकों से आगे के परीक्षण के लिए प्राप्त हुए।

वर्ष अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान संचालित पीएमडीटी गतिविधियां

.		किए गए एफएल–एलपीए					किए गए एसएल–एलपीए				
तिमाही.. 2 2019 से तिमाही 1 2020	कल्चर के लिए संरोपित नमूने	की गई एलएल–एल पीए डीएसटी	एच .+आर प्रतिरोधक ता	ज्ञात एच .+आर प्रतिरोधक ता	केवल ज्ञात एच प्रतिरोधकत ा	केवल ज्ञात आर प्रतिरोधक ता	की गई एसएल–ए लपीए	अज्ञात एफए लक्यू +एस एलआ ई प्रतिरो धकता	ज्ञात एफएलक यू +एसए लआई प्रतिरोध कता	एफएल क्यू केवल आरईए स ज्ञात	एसएलआई केवल प्रतिरोधक ताज्ञात
तिमाही.. 2	3,313	1308	1120	97	83	4	183	113	2	65	3
तिमाही.. 3	4,824	2231	1870	177	154	7	385	248	11	102	1
तिमाही.. 4	4,456	1975	1666	150	140	16	281	199	4	77	1
तिमाही.. 1	5077	2259	1905	158	151	20	299	196	8	87	0
कुल	17670	7773	6561	582	528	47	1148	756	25	331	5

सारणी में वर्ष 2020–21 में पीएमडीटी के अंतर्गत की गई जांच का विवरण दिया गया है। लार के कुल 17,670 नमूनों की जांच की गई जिसमें से 582 मामले एमडीआर–क्षयरोग के निकले और 47 मामले रिफएम्पिसिन मोनो प्रतिरोधक थे।

एनडीटीबी केन्द्र के माइक्रोबायोलाजिस्ट कोविड–19 के निदान हेतु ट्रूनेट/सीबीएनएएटी और एबॉट आईडीएनओडब्लू जांच के लिए राज्य कोर समिति के सदस्य हैं। गतिविधियों के अंग के रूप में हमारे केन्द्र के माइक्रोबायोलॉजिस्ट अन्य सदस्यों के ाथ निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की उन प्रयोगशालाओं का दौरा करते हैं जो एनएएएटी प्रयुक्त करते हुए कोविड–19 का निदान आरंभ करना चाहती हैं। यह दौरे आरंभिक मूल्यांकन और परवर्ती अनुमोदन के लिए किए जाते हैं। अब तक निम्नलिखित प्रयोगशालाओं के दौर किए जा चुके हैं : –

कोविड लैब ऑडिट निरिक्षण के दौरे (2020–2021)

क्र सं.	साइट का नाम	दौरे की तिथि
1	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज, कन्नाट प्लेस, नई दिल्ली 110001	26.05.2020
2	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल, रिंग रोड, सफदरजंग वेस्ट, अंसारी नगर पूर्वी, नई दिल्ली 110029	01.06.2020
3	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, पूवोतर रेलवे अस्पताल, सरी अरबिन्दो मार्ग, अंसारी नगर पूर्वी, नई दिल्ली 110029	02.06.2020
4	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, यूसीएमएस, गेट नं 2, ताहीरपुर रोड, जीटीबी इन्कलेव, दिलशाअ गार्डन, नई दिल्ली 110095	03.06.2020
5	नई दिल्ली क्षयरोग प्रशिक्षण केन्द्र, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, एल एन अस्पताल, राजघाट, नई दिल्ली 100002	17.06.2020
6	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एबीवीआईएमएस एवं डा आरएमएलएच टाईप 111, प्रैसिडेंट इस्टेट, नई दिल्ली 110001	22.06.2020
7	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्मस, सरी अरबिन्दो मार्ग, अंसारी नगर, अंसारी नगर पूर्वी, नई दिल्ली 110029	26.06.2020
8	जी बी पंत अस्पताल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, 64 खंभा, राजघाट, नई दिल्ली 100002	29.06.2020
9	गणेश पैथ लैब, ए ब्लाक रोड, पाकेट 1, सेक्टर 8, रोहिणी, नई दिल्ली 100085	11.07.2020
10	सीटी एक्सरे एवं स्कैन केन्द्र, 5ए 34, ब्लाक 5बी, नजफगड रोड, तिलक नगर, नई दिल्ली 100018	15.07.2020
11	आकाश हैल्थकेयर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, अस्पताल प्लाट, रोड, सं 201, द्वारका सेक्टर 3, नई दिल्ली 100075	28.07.2020
12	डॉ पी भसीन पैथ लैब, एस 13 ग्रैटर कैलाश 1 रोड, सामने एम ब्लाक, ग्रैटर कैलाश – 1, ब्लाक एस, नई दिल्ली 100048	04.08.2020
13	माता चानन देवी अस्पताल, सी1, लाल सांई मंदिर मार्ग, ब्लाक सी1, जनकपुरी, नई दिल्ली 100058	04.08.2020

14	धर्मशीला नारायण सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली मैट्रो स्टेशन, धर्मशीला मार्ग, वसुधंरा इन्कलेव, नजदीक अशोक नगर, ढल्लूपुरा, नई दिल्ली 100096	18.08.2020
15	डा लालचन्दानी लैब, 19सी, क्लब रोड, वेस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली 100026	27.08.2020
16	डा लालचन्दानी लैब, 19सी, क्लब रोड, वेस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली 100026	11.09.2020
17	निर अमायन, बी 4, सूर्य्या इन्कलेव, नया मुलतान नगर, सामने मैट्रो पीलर 233, नया रोहतक रोड, पश्चिम विहार, नई दिल्ली 100056	
18	डा सेठ पैथ लैब, दिव्या प्रास्था अस्पताल, आर जैड–राजनगर–1, पालम कोलोनी, नई दिल्ली 100045	06.10.2020
19	सरल डायगोनास्टिक, शक्ति विहार, प्रीतमपुरा नई दिल्ली 100034	13.10.2020
20	सैनी डायगोनास्टिक, 460 बी–1ए, गली नं 11, विशवास नगर नई दिल्ली 100032	02.11.2020
21	राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, तहारपुर रोड, तहारपुर गांव, नई दिल्ली 100093	18.12.2020
22	नवल मेडिकल सेंटर, आई एन एस, तीन मूर्ति मार्ग, त्यागराज मार्ग नई दिल्ली	21.12.2020
23	सर गंगाराम अस्पताल, सरहदी गांधी मार्ग, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली 100060	11.01.2021
24	गोयल एमआरआई एवं डायगोनास्टिक केन्द्र, बी–1/12 ब्लाक बी 1, सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली 100029	13.01.2021
25	आर्मी अस्पताल अनुसंधान एवं रेफरल, नजदीक सैनिक अस्पताल मार्ग, सुब्रतो पार्क, धोला कुआ, नई दिल्ली 100010	02.02.2021
26	एयरफोर्स केन्द्र फार चिकित्सा प्रठिष्ठान, शिव मार्ग, सुब्रतो पार्क, धोला कुआ, नई दिल्ली 100010	02.02.2021
27	बेस अस्पताल, महात्मा गांधी मार्ग, किरबी प्लेस, दिल्ली छावनी, नई दिल्ली 100010	05.02.2021

28	नोबल डायगोनोसिस, डजेड–409सी, डी डी यू अस्पताल के सामने, शहीद मंगल पांडे मार्ग, जनक पार्क, पाकेट 408, हरी नगर, नई दिल्ली 100064	10.02.2021
29	बतरा अस्पताल, 1 महरौली–बदरपुर रोड, तुगलकाबाद संस्थागत इलाका, वायुसेनबाद, नई दिल्ली 100062	17.02.2021
30	लैब माइक्रोकेयर डायगोनास्टिक इंडिया प्रा लिमिटेड, ए–1 शिव पार्क स्कूल मार्ग, खानपुर, नई दिल्ली	17.02.2021
31	डाक्टर डायगोनासिस 1441–ए वार्ड नं 5, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, नजफगढ, नई दिल्ली 110043	19.02.2021
32	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्मस, सरी अरबिन्दो मार्ग, अंसारी नगर पूर्वी, नई दिल्ली 110029	23.02.2021
33	वैक्टेशवर अस्पताल, सेक्टर 18, द्वारका, नई दिल्ली 110075	01.03.2021

निरीक्षणात्मक कार्य

निगरानी और निरीक्षण एनटीइपी का एक मुख्य औजार है। राजकीय क्षयरोग प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र (एसटीडीसी) होने से केंद्र का संकाय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम की राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर सक्रिय रूप से निगरानी और निरीक्षण करता है।

राज्य आंतरिक मूल्यांकन

सभी चैस्ट क्लीनिकों का आंतरिक मूल्यांकन आरएनटीसीपी के अतंर्गत किया जाने वाला एक महत्त्वपूर्ण कार्य हैं। इस कार्य में क्लीनिक के रिकार्डो, स्टाफ, औषधि भंडार, सूक्ष्मदर्शी से जांच की सुविधाओं तथा वित्तीय पहलुओं का विस्तार से मूल्यांकन किया जाता है। आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन राज्य के क्षयरोग नियंत्रण विभाग द्वारा किया जाता है। दिल्ली के सभी चैस्ट क्लीनिकों के आंतरिक मूल्यांकन दल में एसटीडीसी के निदेशक या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि होते हैं। इस वर्ष कोविड 19 महामारी के कारण आंतरिक मूल्यांकन भौतिक रुप से नहीं किया जा सका, लेकिन राज्य के क्षयरोग नियंत्रण विभाग की मदद से ये कार्य ईको प्लेटफार्म से प्रस्तुत किया गया।

चेस्ट क्लीनिकों का निरीक्षणात्मक दौरा

वर्ष 2020–21 के दौरान डॉक्टरों ने निम्नलिखित निरीक्षणात्मक दौरे आभासी प्लेटफार्म से रुप से राज्य के क्षयरोग नियंत्रण विभाग की मदद से किए गए। इन डॉक्टरों ने एनटीइपी के अंर्तगत कार्यक्रम की कार्यकारिता को बेहतर करने के लिए अपने इनपुट दिए।

दौरे की तिथि	छाती क्लीनिक
17/8/2020	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
24/8/2020	एस पी एम छाती क्लीनिक
28/8/2020	एन आई टी आर डी छाती क्लीनिक
31/8/2020	शाहदरा छाती क्लीनिक
4/9/2020	लोक नायक छाती क्लीनिक
7/9/2020	एनडीएमसी छाती क्लीनिक
11/9/2020	आर के मिशन छाती क्लीनिक
14/9/2020	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
21/9/2020	संजय गांधी छाती क्लीनिक
25/9/2020	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
5/10/2020	आर टी आर एम छाती क्लीनिक
9/10/2020	चौधरी देसराज छाती क्लीनिक
13/10/2020	झंडेवालान छाती क्लीनिक
16/10/2020	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
19/10/2020	बिजवासन छाती क्लीनिक
20/10/2020	एस पी एम छाती क्लीनिक
21/10/2020	एन आई टी आर डी छाती क्लीनिक
22/10/2020	डी डी यू अस्पताल एवं छाती क्लीनिक
26/10/2020	हेडगेवार छाती क्लीनिक
27/10/2020	किंग्सवे कैम्प छाती क्लीनिक
28/10/2020	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
29/10/2020	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
27/11/2020	जे पी सी अस्पताल एवं छाती क्लीनिक

पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के वेबसाइट (www.ndtbc.com) पर केन्द्र में विभिन्न सुविधाओं तथा गतिविधियों की जानकारी के साथ–साथ 1940 से संस्थान के प्रकाशनों की सूची भी है। केन्द्र में एक पुस्तकालय है जिसमें क्षयरोगों तथा वक्ष रोगों से जुड़े विभिन्न पक्षों पर 668 पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त इसमें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जनरल हैं। पुस्तकालय, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और वी पी चैस्ट संस्थान तथा संकाय के सदस्यों को अपनी सेवाएं देता है।

प्राशासनिक अनुभाग

प्रशासन अनुभाग एनडीटीबी केन्द्र की समस्त कार्यप्रणाली का आधार है। इस विभाग के दो प्रमुख कार्य हैं अर्थात स्थापना एवं लेखा । यह विभाग स्टाफ से संबंधित सभी मामले देखता है और केन्द्र के स्टाफ से संबंधित मामलों पर काम करता है। विभाग प्रशासनिक मामलों की आवश्कताओं को पूरा करता है और भर्ती नियम बनाना, स्टाफ की पदोन्नति, बैठकें आयोजित करना इत्यादि जैसे स्टाफ संबंधी सेवा मामले देखता है। इस विभाग का एक प्रमुख कार्य एनडीटीबी के भवन का रख–रखाव करना है। यह विभाग केन्द्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से बजट और वार्षिक अनुदान की व्यवस्था करता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू) के अंतर्गत कार्यरत स्वायत्त संस्थान नई दिल्ली क्षयरोग केन्द (एनडीटीबीसी), नई दिल्ली की समांतर समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नेविशेषज्ञों का पैनल बनाया है। इस समिति ने 21 से 24 दिसम्बर 2020 तक केन्द्र का दौरा किया। समिति ने एनडीटीबी केन्द्र के प्रार्दुभाव से इसकी गतिविधियों और इतिहास की विस्तार से समीक्षा की।

(क) एनडीटबी केन्द्र में आगंतुक

1. ट्रूनेट सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए ग्लोबल फंड टीम ने 3 सितम्बर 2020 को आईआरएल प्रयोगशाला का दौरा किया।

2. एनआरएल के दल (एनआईटीआरडी) ने 28 दिसम्बर 2020 को प्रयोगशाला का ओएसई दौरा किया जिसमें उन्होंने स्थल का निरीक्षण किया और प्रचालनगत और तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की।

ग) <u>अनुदान</u>

1 वर्ष 2020–21 के दौरान, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 442 लाख रुपये का वार्षिक आवर्ती वेतन अनुदान तथा 70 लाख रुपये का साधारण सहायता अनुदान जारी किया।

2 वार्षिक अनुदान के रुप में भारतीय क्षयरोग संघ द्वारा 10,000/– रुपये प्रदान किये गये।

3 सावधिक जमा रिजर्व एवं बचत खाता पर ब्याज – रु 65477/–

ध) सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

वर्ष 2020–21 के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत 7 अर्जियां प्राप्त की गयी।

नीचें दी गयी सारणी में प्राप्त एवं निष्पादित अर्जियों का ब्यौरा है।

क्रम स	मास एवं वर्ष	सूचना का अधिकार अर्जी			अपील			शुल्क राशि
		प्राप्त सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	निष्पादित सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	विचाराधीन	प्राप्त अपीलों की संख्या	निष्पादित सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	विचाराधीन	
1	अप्रैल 2020	1	1	-	-	-	-	-
2	मई 2020	-	-	-	-	-	-	-
3	जून 2020	-	-	-	-	-	-	-
4	जुलाई 2020	1	1	-	-	-	-	-
5	अगस्त 2020	1	1	-	-	-	-	-
6	सितंबर 2020	1	1	-	-	-	-	-
7	अक्टूबर 2020	-	-	-	-	-	-	-
8	नवंबर 2020	-	-	-	-	-	-	-
9	दिसंबर 2020	-	-	-	-	-	-	-
10.	जनवरी 2021	1	1	-	-	-	-	-
11.	फरवरी 2021	1	1	-	-	-	-	-
12.	मार्च 2021	1	1	-	-	-	-	-
कुल	2020-21	7	7	-	-	-	-	-

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की गतिविधियों का सार

वार्षिक सांख्यिकी के ब्यौरे निम्नलिखित है –

कुल मरीज जो नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में आये	24100

बाह्यरोगी उपस्थिति

पंजीकृत नवीन बाह्यरोगियों	2432
रोगियों का पुनरागमन	2204
सी ओ ए डी	543
डॉट केन्द्र	356
बह्यरोगियों की कुल उपस्थिति	5535

प्रयोगशाला में बाह्यरोगी उपस्थिति

निदान के लिये नवीन मामलें	12683
मामलों का पुनरागमन	5882
प्रयोगशाला में कुल उपस्थिति	18565

डांट क्लीनिक उपस्थिति

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में नये मरीज डॉट केन्द्र में	19
कुल मरीज (2019–20) में नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के डॉट केन्द्र में	356

प्रयोगशाला परीक्षण

1	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	52,294
2	स्मीयर माइक्रोस्कोपी	18,773
3	कल्चर जांच	15,786
4	दवा संवेदनशीलता परीक्षण	16,173
	एल पी ए द्वारा	14,400
	प्रथम पंक्ति दवाओं द्वारा	12,463
	द्वितीय पंक्ति दवाओं द्वारा	1,937
	तरल कल्चर विधि द्वारा (एमजीआईटी)	1773
	प्रथम पंक्ति दवाओं द्वारा	49
	द्वितीय पंक्ति दवाओं द्वारा	1724
5	सीबीनैट जांच	783
6	कोविड 19 के लिये ट्रयूनट	779

टयूबरक्लीन त्वचा परीक्षण

कुल टयूबरक्लीन त्वचा परीक्षण	850
पठित परीक्षण	753
रीएक्टर्स (>10 एम एम)	406
गैर–रीएक्टर्स (<10 एम एम)	347

विकिरण परीक्षण

विकिरण परीक्षण	1216

प्रशिक्षण

दिल्ली राज्य के एनटीइपी कमिर्यों का प्रशिक्षण	2295
विभिन्न प्रशिक्षण (दिल्ली राज्य के एनटीइपी कमिर्यों के अलावा)	1101
निजी चिकित्सकों के लिये प्रशिक्षण	124
2019–20 में हुए कुल प्रशिक्षण	3520

मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला दौरे/प्रकाशन

छाती क्लीनिकों का पर्यवेक्षण तथा मानिटरिंग एवं आंतरिक आकलन	23
इ क्यू ए हेतु छाती क्लीनिकों का मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला दौरा कोविड दौरे के साथ	25
शोध एवं प्रकाशन	23

स्वतंत्र ऑडिट रिपोर्ट

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

के सभी सदस्यों को

वित्तीय ब्यौरों पर रिपोर्ट सम्मति

हमने नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के संलग्न वित्तीय ब्यौरों का ऑडिट किया है जिसमें 31 मार्च 2021 तक का तुलन–पत्र, उस समाप्त वर्ष के आय–व्यय तथा आय व भुगतान का ब्यौरा तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी है।

हमारे अभिमत और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए ब्यौरों के अनुसार जो कि लेखानीतियों और अन्य विवरणात्मक जानकारी (नोट सं.19) के साथ पठित है, संलग्न वित्तीय ब्यौरे लागू कानून के अनुसार यथा अपेक्षित तरीके से तथा भारत मे 31 मार्च 2021 को केन्द्र के विषयों में सामान्यतः स्वीकार्य अन्य लेखा सिद्धांतों और उस तिथि को समाप्त वर्ष को उसके अधिशेष के अनुरूप तैयार किया गया है जो उसका सही और उपयुक्त अवलोकन देता है।

सम्मति का आधार

हमने अपना ऑडिट ऑडिटिंग के मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के अंतर्गत ऑडिटर के दायित्वों का विवरण हमारी रिपोर्ट मे वित्तीय ब्यौरों के ऑडिट हेतु ऑडिटर के दायित्व खंड में दिया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी नीतिसंहिता और उसके साथ उन नीतिसंहिता की अपेक्षाओं के अनुरूप स्वतंत्र संगठन है जोकि अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय ब्यौरों के हमारेऑडिट हेतु प्रासंगिक है, और इन अपेक्षाओं और नैतिकता के अनुसार हमन अपने अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य लिए हैं वह हमारी सम्मति का आधार देने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय ब्यौरों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय ब्यौरों को तैयार करने के लिए प्रबंधन उत्तरदायी है जो कि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों, जहा ंतक लागू हैं, के अनुसार केन्द्र की वित्तीय स्थिति तथा वित्तीय कार्यकारिता का सही और उपयुक्त अवलोकन देता है। इन दायित्वों में डिजाइन क्रियान्वयन एवं उन वित्तीय ब्यौरों को तैयार एवं प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक भीतरी नियंत्रण का रख–रखाव शामिल है जो सही एवं उपयुक्त अवलोकन दे तथा धोखे अथवा भूलवश कारणों से होने वाले वस्तुगतगलत विवरण से रहित हो ।

वित्तीय ब्यौरों के लिए ऑडिटर का उत्तरदायित्व

हमारा दायित्व इन वित्तीय ब्यौरों पर सम्मति व्यक्त करना है जिसका आधार हमारा ऑडिट है। हमने अपना ऑडिट इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेंट ऑफ इंडिया द्वारा जारी ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किया है। उन

मानकों में यह अपेक्षित है कि नैतिक अपेक्षाओं का पालन हो और ऑडिट का नियोजन एवं क्रियान्वयन ऐसा हा जिससे कि वस्तुगत गलत विवरण से रहित वित्तीय ब्यौरों संबंधी उपयुक्त आश्वासन सुनिश्चित हो।

ऑडिट में वित्तीय ब्यौरौं में राशि तथा प्रकटीकरण संबंधी ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। इसके लिए चुनी गई प्रक्रिया ऑडिट के निर्णय पर निर्भर है जिसमें धोखेवश या भूलवश वित्तीय ब्यौरों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन करना शामिल है। इन जोखिम आकलनों में ऑडिटर उन आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखता है जो वित्तीय ब्यौरों को तैयार करने तथा उनके सही प्रस्तुतीकरण में मूल से संबंधित होते है जिससे कि उपयुक्त ऑडिट प्रक्रिया तैयार की जा सके लेकिन यह प्रक्रिया संगठन के आंतरिक नियंत्रणा की प्रभावकारिता पर सम्मति व्यक्त करने के लिए नहीं है। प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा लेखाविधि के अनुमान की विश्वसनीयता का आकलन करना तथा वित्तीय ब्यौरों का समग्र प्रस्तुतकरण का मूल्यांकन करना भी ऑडिट भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमें प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर्याप्त और उपयुक्त जिसके आधार पर हमने अपनी ऑडिट सम्ममति दी है।

अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

क) हमने अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार वह सभी जानकारी और निरूपण लिया है जो कि हमारे ऑडिट के लिए आवश्यक था;

ख) हमारी सम्मति में विधि द्वारा आवश्यक लेखा बहियों को अब तक केन्द्र द्वारा रखा जा रहा है जैसा कि उन बहियों की जांच से प्रतीत होता है;

ग) इस रिपोर्ट में आने वाले तुलन–पत्र, आय व व्यय का ब्यौरा और आय व भुगतान लेखा बहियों के अनुरूप है;

घ) हमारी सम्मति में तुलन–पत्र, आय व व्यय का ब्यौरा और आय व भुगतान इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा जारी, यथा लागू, लेखाविधि के मानकों के अनुरूप हैं।

ठाकुर, वैद्यनाथ अय्यर एण्ड कं.
चोर्टिड अकांउटेंटस
एफआरएन : 000038N
(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
मो नं. 088722

स्थान : नई दिल्ली

तिथि : 11–10–2021

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

31 मार्च 2021 को स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

	सूची	31 मार्च 2021 को (रु)	31 मार्च 2020 को (रु)
निधि के स्त्रोत			
सम्पति निधि	**1**	2,596,097	2,844,285
नियत आरक्षित निधि	**2**	1,222,961	1,161,224
अक्षय परियोजना निधि	**3**	881,832	1,269,663
चालू देयताएं और प्रावधान	**4**	11,495,198	10,549,700
कुल अधिशेष/धाटा		535,637	1,279,882
कुल		**16,731,725**	**17,104,754**
निधि के उपयोग			
अचल संपतियां	**5**	2,596,097	2,844,285
निवेश	**6**	5,965,000	4,250,000
चालू संपतियां, उधार व अग्रिम	**7**		
– भंडार एवं जमा		573,449	270,377
– नकद एवं बैंक शेष		7,298,809	9,494,348
स्त्रोत पर कटा वसूली टैक्स		298,370	245,744
कुल		**16,731,725**	**17,104,754**

महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा लेखन टिप्पणी **19**
सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 18 तक

रिपोर्ट संलग्न
ठाकुर वैधनाथ अय्यर एण्ड क.
सनदी लेखाकार
एफआरएन नं – 000038एन

(अनिल के ठाकुर)
साझेदार

एम न. 088722
स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 11.10.2021

प्रशासनिक अधिकारी
(एस के सैनी)

निदेशक
(डा॰ के के चोपडा)

वित्तीय सलाहाकार
(डा॰ वी के अरोडा)

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष की आय और व्यय लेखा का ब्यौरा

	सूची	वर्ष 2020-21	वर्ष 2019-20
		(रु)	(रु)
आय			
रख रखाव अनुदान भारत सरकार से			
अनुदान – वेतन		44,200,000	47,500,000
अनुदान – साधारण		7,000,000	7,000,000
रख रखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		10,000	10,000
मरीजों से शुल्क	**8**	42,740	156,860
विविध प्राप्तियाँ			
– विविध प्राप्तियाँ		4,023	432,676
कुल		**51,256,763**	**55,099,536**
व्यय			
वेतन व अन्य कर्मचारी भत्ते	**9**	43,617,987	47,155,910
प्रशासनिक खर्चे	**10**	7,758,127	5,921,970
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरंजको पर खर्च	**11**	624,894	487,639
कुल		**52,001,008**	**53,565,519**
(घाटा)/अधिशेष वर्ष में		**(744,245)**	**1,534,017**
घटा/(जमा) : पिछले लेखानुसार शेष निधि		1,279,882	(254,135)
		535,637	**1,279,882**
महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा लेखन टिप्पणी	**19**		
सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 18 तक रिपोर्ट संलग्न			

ठाकुर वैधनाथ अय्यर एण्ड क.
सनदी लेखाकार
एफआरएन नं – 000038एन

प्रशासनिक अधिकारी
(एस के सैनी)

निदेशक
(डा॰ के के चोपडा)

(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
एम न. 088722

वित्तीय सलाहाकार
(डा॰ वी के अरोडा)

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 11.10.2021

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष में प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

	सूची	वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)	वर्ष 2019–2020 के लिये (रु)
प्राप्ति			
प्रारम्भिक रोकड व बैंक निधि	**7**	9,494,348	11,200,500
प्रारम्भिक निवेश (एफ डी आर)	**6**	4,250,000	
अनुदान :			
– आवर्ती अनुदान भारत सरकार से			
– आवर्ती अनुदान वेतन		44,200,000	47,500,000
– आवर्ती अनुदान साधारण		7,000,000	7,000,000
– रखरखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		10,000	-
मरीजों से शुल्क	**8**	42,740	153,700
भारतीय क्षयरोग संघ से प्राप्ति	**12**	13,135,886	4,341,500
अन्य प्राप्तियां	**13**	665,604	2,004,364
Total		**78,798,578**	**72,200,064**
भुगतान			
कर्मचारी खर्चे	**14**	42,785,754	45,311,088
प्रशासनिक खर्चे	**15**	8,165,470	5,513,955
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरजको प	**16**	670,891	513,076
भारतीय क्षयरोग संघ निधि से भुगतान	**17**	13,135,886	4,341,500
अन्य भुगतान	**18**	776,768	2,776,097
निवेश खरीद	**6**	5,965,000	4,250,000
समापन रोकड व बैंक निधि	**7**	7,298,809	9,494,348
कुल		**78,798,578**	**72,200,064**
महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा	**19**		
लेखन टिप्पणी			
सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 18 तक			
रिपोर्ट संलग्न			

ठाकुर वैधनाथ अय्यर एण्ड क.
सनदी लेखाकार
एफआरएन नं – 000038एन

प्रशासनिक अधिकारी
(एस के सैनी)

निदेशक
(डा॰ के के चोपडा)

(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
एम न. 088722

वित्तीय सलाहाकार
(डा॰ वी के अरोडा)

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 11.10.2021

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–1

सम्पति निधि

		31–3–2021 को (रु)	31–3–2020 को (रु)
पिछले वर्ष का शेष		2,844,285	2,977,034
जमा – वर्ष में वृद्वियाँ सम्पति प्राप्ति के लिये अधिग्रहण (अनुसूची 5 में उल्लेख)		101,760	219,772
		2,946,045	3,196,806
घटाए			
वर्ष के दौरान निपटान		-	-
वर्ष के दौरान ह्रास (अनुसूची 5 में उल्लेख)		349,948	352,521
	कुल	**2,596,097**	**2,844,285**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–2

	प्रयोग में न लाया गया शेष **1.4.2020** को	वर्ष के दौरान प्राप्ति / स्थानतंरण	ब्याज	कुल	वर्ष के दौरान उपयोग	उपयोग न किया गया शेष **31.3.2021** को
	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)
निर्धारित निधि						
सामान्य दान	397,005	-	65,477	462,482	-	462,482 -
सभागह निधि	1,008	-	-	1,008	-	1,008 -
दवाईयाँ	191,622	12,240	-	203,862	17,560	186,302 -
कर्मचारी कल्याण निधि	83,899	-	2,580	86,479	1,000	85,479 -
अनुसंधान निधि	487,690	-	-	487,690	-	487,690 -
कुल	**1,161,224**	**12,240**	**68,057**	**1,241,521**	**18,560**	**1,222,961**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

	31–3–2021 को (रु)	31–3–2020 को (रु)

सूची–3

अक्षय परियोजना शेष

अक्षय परियोजना निधि – जेल में क्षयरोग की द्रेखभाल के लिये	-	119,064
अक्षय परियोजना निधि – सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान अभियान	-	94416
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	145000	225000
अक्षय परियोजना निधि – परामर्श का प्रभाव	-	69383
परियोजना एन टी एम रोग	736832	761800
	881,832	**1,269,663**

सूची–4

चालू देयताएं और प्रावधान

वेतन व भत्ते	3,690,854	3,583,449
अन्य देयताए	31,913	38,638
विविध लेनदार	5,288	467,619
उपदान निधि में अंशदान के लिए प्रावधान	776,000	1,831,000
सुरक्षा जमा /बयाना राशि	249,444	157,693
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	58,109	98574
उपदान निधि	6,345,762	4349127
एनएबीएल निगरानी शुल्क	-	23600
आवर्ती अनुदान सहायता पर ब्याज	337,828	0
कुल	**11,495,198**	**10,549,700**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–5

स्थायी संपति

	1 अपैल 2020 को शेष (रु)	वर्ष के दौरान जमा (रु)	वर्ष के दौरान निकाली गई (रु)	31 मार्च 2021 को शेष (रु)	ह्रास वर्ष के दौरान	शुद्ध कूल संपत्तियाँ 31.03.21 को
भवन	161,378			161,378	16,138	145,240
				-		
विधुत सस्थांपन	522,296			522,296	52,230	470,066
				-		
फर्नीचर, फिटिंग	1,305,415	101,760		1,407,175	135,630	1,271,545
				-		
प्रयोगशाला उपकरण	147,621			147,621	22,143	125,478
				-		
एक्सरे उपकरण	133,265			133,265	19,990	113,275
				-		
अन्य उपकरण	10,362			10,362	1,554	8,808
				-		
कम्प्यूटर	3,536			3,536	1,414	2,122
				-		
किताबें	8,735	-		8,735	3,494	5,241
				-		
वाहन	551,677			551,677	97,355	454,322
कुल	**2,844,285**	**101,760**	**-**	**2,946,045**	**349,948**	**2,596,097**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

निवेश	31–3–2021 को (रु)	31–3–2020 को (रु)
सूची–6		
स्थायी जमा (उपदान)	5,965,000	4,250,000
कुल	**5,965,000**	**4,250,000**

चालू परिसम्पतियॉ	31–3–2021 को (रु)	31–3–2020 को (रु)
सूची–7		
(अ)चालू परिसम्पतियॉ उधार एंव अग्रिम भण्डार में		
टीएआई से प्राप्त होने वाला दान	10,000	10,000
एफडीआर (उपदान निधि) पर अर्जित ब्याज	336,840	69,224
लागत मूल्य पर		
(प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित और प्रमाणित)		
एक्सरें फिल्में और रसायन	51,552	31,257
प्रयोगशाला रंजक, रसायन और कॉंच के बरतन	175,057	159,896
उप कुल–ए	**573,449**	**270,377**
(ब)नकदी एवं बैंक जमा राशि		
हाथ रोकड	-	-
(प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित और प्रमाणित)		
बैंक आफ इडिंया चालू खाता	5,351,650	7,571,011
बैंक आफ इडिंया (उपदान निधि खाता)	13,883	22,212
बचत खाता में	-	
बैंक आफ इडिंया –नियत दान खाता	1,847,797	1,817,226
बैंक आफ इडिंया – कर्मचारी कल्याण निधि	85,479	83,899
उप कुल–बी	**7,298,809**	**9,494,348**
सकल कुल–ए व बी	**7,872,258**	**9,764,725**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

	शुल्क 2020-21 वर्ष के लिए	शुल्क 2019-20 वर्ष के लिए
सूची–8		
मरीजों से अग्रिम शुल्क		
प्रयोगशाला प्रभार	39,800	156,860
एक्सरे प्रभार	2,940	-
कुल	**42,740**	**156,860**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

		वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)	वर्ष 2019–2020 के लिये (रु)
सूची–9			
वेतन व अन्य कर्मचारी खर्चे			
वेतन		25,638,396	28,430,830
मंहगाई भत्ता		4,279,737	3,955,703
मकान किराया भत्ता		5,793,130	5,779,640
यातायात भत्ता		1,973,241	1,920,598
अन्य भत्ते		1,623,259	1,298,958
बाल शिक्षा भत्ता		416,786	418,206
भविष्य निधि में अंशदान		2,945,481	2,905,537
उपदान निधि में अंशदान		776,000	1,831,000
बोनस		170,107	159,734
यात्रा रियायती भत्ता		1,850	455,704
	कुल	**43,617,987**	**47,155,910**
सूची–10			
प्रशासनिक व्यय			
हाउसकीपिंग शुल्क / संविदा कर्मचारियों को मजदूरी		1,431,245	1,372,772
संविदा कर्मचारियों को वेतन		783,149	-
सुरक्षा शुल्क		1,180,883	1,128,523
कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता		280,436	281,880
यात्रा खर्च व किराया		7,010	195,361
फर्नीचर फिटिंग और उपकरणों की मरम्मत		150,095	247,283
एक्सरे उपकरणों की मरम्मत		-	1,400
प्रयोगशाला उपकरणों की मरम्मत		159,214	111,480
टेलीफोन खर्चे		120,719	128,221
मुद्रण और लेखन सामग्री		136,090	142,655
डाक खर्चे		9,572	7,089
धुलाई खर्च		3,238	7,975
कार रख–रखाव		35,046	49,576
लेखा परीक्षा शुल्क		24,780	24,780
विभिन्न खर्चे		187,691	172,357
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–भवन		2,170,612	1,486,781
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–विघुत		316,527	214,180
वार्षिक दिवस खर्चे		10,000	80,806
फर्नीचर – बडी मरम्मत		101,760	208,862
विजापन		25,709	47,964
भारत सरकार को ब्याज		624,351	-
कपडे एवं बिस्तर		-	12,025
	कुल	**7,758,127**	**5,921,970**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

		वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)	वर्ष 2019–2020 के लिये (रु)
सूची–11			
एक्सरे फिल्में, दवाईयां, औषधियाँ और प्रयोगशाला अभिरंजक			
दवाईयां और औषधियाँ			
अधशेष भंडार 1–4–2020 को	-		
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	31,154		
घटाए – इतिशेष भण्डार	-		
		31,154	80,580
एक्सरे फिल्में व रसायन			
अधशेष भंडार 1–4–2020 को	31,257		
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	61,981		
	93,238		
घटाए – इतिशेष भण्डार	51,552		
		41,686	85,751
प्रयोगशाला अभिरंजक, रसायन और काँच के बर्तन			
अधशेष भंडार 1–4–2020 को	159,896		
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	567,215		
	727,111		
घटाए – इतिशेष भण्डार	175,057	552,054	321,308
उपयोग समान	**कुल**	**624,894**	**487,639**

-

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

	वर्ष 2020–2021 के लिये	वर्ष 2019–2020 के लिये
सूची–12	(रु)	(रु)
प्राप्तियॉ टी ए आई निधि से		
भविष्य निधि अग्रिम	1,115,000	2,341,500
उपदान निधि के लिए भुगतान	772,540	2,000,000
भविष्य निधि के लिये भुगतान	11,248,346	-
कुल	**13,135,886**	**4,341,500**

सूची–13

अन्य प्राप्तियॉ

दवाईयों के लिए दान	12,240	-
कर्मचारी कल्याण निधि	2,580	2,706
परिवर्तनशील स्थायी जमा पर ब्याज	311,484	382,367
बचत जमा खाते पर ब्याज (नियत आरक्षित निधि)	60,894	38,585
विविध प्राप्तियॉ	4,020	4,390
बयाना	75,100	-
सुरक्षा जमा	56,706	157,693
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	3,600	488,323
अक्षय परियोजना निधि – सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान अभियान	-	-
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	-	-
अक्षय परियोजना निधि – परामर्श का प्रभाव	126,000	
अक्षय परियोजना निधि – जेल में क्षयरोग की द्रेखभाल के लिये	-	144,900
परियोजना एन टी एम रोग	-	761,800
एनएबीएल निगरानी शुल्क	12,980	23,600
कुल	**665,604**	**2,004,364**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

		वर्ष 2020–2021 के लिये	वर्ष 2019–2020 के लिये
सूची–14		(रु)	(रु)
कर्मचारी खर्चे			
वेतन		25,631,928	28,414,396
मंहगाई भत्ता		4,269,937	3,979,530
मकान किराया भत्ता		5,778,682	5,784,392
यातायात भत्ता		1,969,029	1,918,816
अन्य भत्ते		1,619,075	1,255,586
बाल शिक्षा भत्ता		416,786	418,206
भविष्य निधि में अंशदान		2,938,733	2,909,713
उपदान निधि में अंशदान		-	-
बोनस		159,734	174,745
यात्रा रियायती भत्ता		1,850	455,704
	कुल	**42,785,754**	**45,311,088**

सूची–15			
प्रशासनिक खर्चे			
संविदा कर्मचारियों को मजदूरी		1,547,095	1,256,922
संविदा कर्मचारियों को वेतन		783,149	-
सतर्कता शुल्क		1,277,656	1,031,750
कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता		280,436	281,880
यात्रा खर्च व किराया		7,010	195,361
फर्नीचर फिटिंग और उपकरणों की मरम्मत		150,095	247,283
एक्सरे उपकरणों की मरम्मत		-	1,400
प्रयोगशाला उपकरणों की मरम्मत		159,214	111,480
टेलीफोन खर्चे		122,169	128,887
म्रुदण और लेखन सामग्री		136,090	142,655
डाक खर्चे		9,572	7,089
धुलाई खर्च		3,238	7,975
कार रख–रखाव		32,258	49,576
लेखा परीक्षा शुल्क		24,780	24,780
विभिन्न खर्चे		187,691	172,357
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–भवन		2,170,612	1,486,781
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–विघुत		316,527	214,180
वार्षिक दिवस खर्चे		10,000	80,806
विजापन		25,709	47,964
फर्नीचर		297,818	12,804
भारत सरकार को ब्याज		624,351	-
कपडे एवं बिस्तर		-	12,025
	कुल	**8,165,470**	**5,513,955**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

	वर्ष 2020–2021 के लिये	वर्ष 2019–2020 के लिये
सूची–16	(रु)	(रु)
एक्सरे फिल्में, दवाईयां, औषधियाँ और प्रयोगशाला अभिरंजक		
एक्सरे फिल्में व रसायन	61,981	96,145
दवाईयां और औषधियाँ	31,154	83,940
प्रयोगशाला अभिरंजक और रसायन	577,756	332,991
कुल	**670,891**	**513,076**

सूची–17

भुगतान टी ए आई निधि से

भविष्य निधि अग्रिम	1,115,000	2,341,500
उपदान निधि के लिए भुगतान	772,540	2,000,000
भविष्य निधि के लिये भुगतान	11,248,346	-
कुल	**13,135,886**	**4,341,500**

सूची–18

अन्य भुगतान

उपदान खाते का निपटान	123,680	1,718,789
अग्रिम धन	8,962	-
कर्मचारी कल्याण निधि	1,000	2,000
दवाईयों के लिये दान	17,560	44,789
साधारण दान	-	-
अनूसंधान निधि	-	10,910
सुरक्षा जमा	31,093	72,110
अक्षय परियोजना निधि – जेल में क्षयरोग की द्रेखभाल के लिये	119,064	133,584
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	44,065	498,234
अक्षय परियोजना निधि – सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान अभियान	94,413	155,064
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	80,000	-
अक्षय परियोजना निधि – परामर्श का प्रभाव	195,383	140,617
परियोजना एन टी एम रोग	24,968	-
एनएबीएल निगरानी शुल्क	36,580	-
कुल	**776,768**	**2,776,097**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

अनुबंध (31 मार्च 2021 को अंत हुए वर्ष का)

		अनुदान – वेतन	अनुदान – साधारण
		(रु)	(रु)
आय			
प्रारम्भिक अधिशेष/घाटा (1–4–2020)		167,126	1,112,756
भारत सरकार से अनुदान		44,200,000	7,000,000
रख रखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		-	10,000
मरीजों से शुल्क		-	42,740
विविध प्राप्तियाँ		-	4,023
	कुल	**44,367,126**	**8,169,519**
व्यय			
वेतन व अन्य कर्मचारी भत्ते		43,617,987	-
प्रशासनिक खर्चे		-	7,758,127
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरंजको पर खर्च		-	624,894
	कुल	**43,617,987**	**8,383,021**
अधिशेष/घाटा		**749,139**	**(213,502)**
31–3–2021 को कुल अधिशेष/घाटा			**535,637**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र, नई दिल्ली

सूची–19

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियॉ तथा लेखाओं की टिप्पणी

अ) महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियॉ

1 लेखांकन का आधार

यह वितिय विवरण एकरुपता एवं सरोकार को ध्यान में रखते हुए देयता (सिवाय वि" ोश रुप से छोडकर जो कहा गया है) एवं ऐतिहासिक लागत कन्वें" ान के तहत एवं समान्य रुप से लेखाकंन मान्यताओं जो भारत में है उनके के आधार पर तैयार की गयी है।

2 अनुमान के उपयोग

भारत में जीएएपी के आधार पर वित्तीय विवरणों की तैयारी का अनुमान है और मान्यताओं को बनाने के लिये पबंधन की आव" यकता है जहां पर जरुरी है एवं जो संपति और देनदारियों और वितीय बयान की तारीख के रुप में आकस्मिक देनदारियों की सूचना रा" ा और वर्श के दौरान राजस्व और व्यय की रा" ा को प्रभावित करता है। वास्तविक परिणाम अनुमानित से भिन्न हो सकते है। इस तरह के अनुमान को किसी भी वर्श में मान्यता प्राप्त है।

3 राजस्व मान्यता

आय एवं व्यय का ब्यौरा सिवाय छुटटी नकदीकरण के उपचय के आधार पर किया गया है।

4 स्थाई सम्पति एवं मूल्यह्रास

क) स्थाई सम्पति लागत मूल्य पर दिखाई गई है व दान के रुप में प्राप्त संपति, दान की तारीख के समय व्याप्त अनुमानित बाजार मूल्य पर दिखायी गयी हैं ।

ख) केन्द्र ने वित्तीय वर्ष 2011–12 से अपनी अचल संपतियों पर मूल्यह्रास, आयकर अधिनियम 1961 के तहत निर्धारित दर के आधार पर लगाना शुरु कर दिया है।

ग) इसके अलावा मूल्यह्रास को संबधित फिक्सड परिसंपतियो को सम्पति निधि में डेबिट करके दर्शाया गया है।

घ) पूंजीगत मदो मे पाचं हजार तक कि वस्तुओं के क्रय को नही दिखाया गया है।

ड) परिसंपति निधि को आय और व्यय खाते एवं परियोजना निधि को वर्श के दौरान हासिल की गई स्थायी परिसंपतियों के साथ आकंलित किया गया है।

5 स्टॉक

प्रयोग" ाला अभिरंजक व एक्सरे फिल्में तथा रसायन को पहले आये और पहले गये नियम के आधार पर खरीद मूल्य पर दिखाया गया है (सूची संख्या 4 के संदर्भ में)।

6 उपदान निधि

उपदान निधि में प्रावाधान अनौपचारिक आधार पर किये जा रहे है (भारतीय क्षयरोग संघ के नियमों के अनुसार) एवं उपरोक्त निधि भारतीय क्षयरोग संघ द्वारा संभाली जा रही है। हालांकि वितीय वर्श 2019–20 से ये निधि केन्द्र द्वारा संभाली जा रही है। 1 अप्रैल 2019 को उक्त निधि का संचित अधि" ोश भारतीय क्षयरोग संघ के पास है जो केन्द्र को अभी प्राप्त होना है।

7 भविष्य निधि

भाारतीय क्षयरोग संघ के भविष्य निधि नियमों के अनुसार, केन्द्र के कर्मचारियों के भविष्य निधि के खाते भारतीय क्षयरोग संघ के पास रखे जाते है।

8 ब्याज से आय

विशेष कोष के निवेश पर प्राप्त ब्याज आय एवं व्यय लेखे की बजाय वि" ोष कोष में सीधे जमा की गई हैं।

ब) <u>लेखा टिप्पणी</u>

1 बिजली और पानी का खर्चा आय और व्यय खाते में नहीं दर्शाया गया है क्योंकि बिजली व पानी की सप्लाई लोकनायक अस्पताल से होती है जिसके लिये मई 2018 में कोई मांग नही की गयी है।

2 31 मार्च 2021 तक टीडीएस वसूली योग्य रु 298370/– है जिसके लिये प्रबंधन कर विभाग से वसूलने का प्रयास कर रहा है।

3 भूमि जिस पर इमारतें स्थित हैं उसका कोई अधिकार पत्र उपलब्ध नहीं है।

4 स्टाक की लागत/ मूल्याकंन प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित एवं सत्यापित।

5 स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र के अनुसार फाइल नं. डब्ल्यू.११०३४/०२/२०२०-सीसीडी दिनांक २८ जनवरी २०२१ और जीएफआर के अनुसार, सरकार से अनुदान पर प्राप्त ब्याज वापस किया जाना चाहिए और अनुदान के किसी भी अप्रयुक्त शेष को भविष्य के अनुदानों के साथ समायोजित नहीं किया जाना चाहिए। अनुदानों पर पुराने ब्याज की वापसी के लिए केंद्र को उपर्युक्त पत्र प्राप्त हुआ है। केंद्र ने आय और व्यय खाते को डेबिट करके वर्ष के दौरान पुराना ब्याज वापस कर दिया है और तदनुसार वर्ष के लिए ब्याज को आय और व्यय खातों में जमा करने के बजाय वर्तमान देनदारियों में जमा किया गया है।

6 पिछले वर्ष के आंकड़ो को आवयकतानुसार पुनः समूहित किया गया है।

प्रशासनिक अधिकारी निदेशक

(एस के सैनी) (डा॰ के के चोपडा)

वित्तीय सलाहाकार
(डा॰ वी के अरोडा)

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 11–10–2021